सु-विचार

इतिहास में 09 मार्च का दिन कई महत्वपूर्ण घटनाओं और प्रमुख हस्तियों के जन्म के कारण खास माना जाता है। इसी दिन 1934 में अंतरिक्ष में पहुंचने वाले पहले मानव यूरी गागरिन का जन्म हुआ था। उन्होंने 1961 में अंतरिक्ष की ऐतिहासिक उड़ान भरकर मानव इतिहास में नया अध्याय जोड़ा।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

उज्ज्वल दुनिया

खबरों की बुलंद आवाज

रांची, दिल्ली और यूपी से एक साथ प्रकाशित

वर्ष, 12 | पृष्ठ 12 | अंक 07 | रांची, सोमवार, 09 मार्च 2026 | मूल्य 3 रुपये | RNI No.- JHAHIN/ 2014/59794 | ujjwalduniyapress@ gmail.com

संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण कल से...

लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ पेश होगा अविश्वास प्रस्ताव

एजेंसी

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण सोमवार 9 मार्च से शुरू होकर 2 अप्रैल तक चलेगा। बजट सत्र के दूसरे चरण की शुरूआत के साथ कल ही लोकसभा में अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष द्वारा लाया गया अविश्वास प्रस्ताव (नोटिस) पेश किया जाएगा। इस प्रस्ताव को सदन में विपक्षी सांसद मोहम्मद जावेद, के. सुरेश और डॉ. मल्लू रवि पेश करेंगे। इस बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 9 और 10 मार्च के लिए व्हिप जारी किया है। वहीं, कांग्रेस ने सभी सांसदों को 9-11 मार्च तक सदन में उपस्थित रहने के लिए व्हिप जारी किया है। पिछले महीने बजट सत्र के पहले चरण के दौरान विपक्ष ने लोकसभा के महासचिव को अविश्वास प्रस्ताव प्रस्तुत किया था, जिसमें लोकसभा अध्यक्ष पर पक्षपातपूर्ण तरीके से कार्य करने का आरोप लगाते हुए उन्हें हटाने की मांग की गई थी। इस प्रस्ताव पर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, डीएमके, वामपंथी दलों और अन्य दलों के सदस्यों सहित 118 सांसदों ने हस्ताक्षर किए थे। चर्चा के दौरान ओम बिरला अध्यक्षीय आसन पर नहीं बल्कि सदन में सत्तापक्ष के सदस्यों के साथ मौजूद रहकर अपने ऊपर लगाए गए आरोपों का जवाब दे सकेंगे। सदन की कार्यवाही उपाध्यक्ष या पैनल ऑफ चेयरपर्सन में शामिल सदस्य संचालित करते हैं। फिलहाल लोकसभा में उपाध्यक्ष का पद खाली है, ऐसे में पैनल में शामिल सांसद ही कार्यवाही का संचालन करेंगे। इस बीच तृणमूल कांग्रेस ने भी विपक्ष के प्रस्ताव को समर्थन देने की घोषणा की है। तृणमूल कांग्रेस के 29 सांसद हैं। नियमों के अनुसार स्पीकर को हटाने का प्रस्ताव लोकसभा में साधारण बहुमत से पारित होता है। मौजूदा लोकसभा में एनडीए के पास करीब 290 से अधिक सांसदों का समर्थन है।

प्रधानमंत्री आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से पोस्ट बजट वेबिनार को संबोधित करेंगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 'सबका साथ, सबका विकास-लोगों की आकांक्षाओं की पूर्ति' विषय पर एक पोस्ट बजट वेबिनार को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार इस वेबिनार के अंतर्गत शिक्षा एवं कौशल विकास, स्वास्थ्य और आयुष, पर्यटन तथा आतिथ्य सहित विभिन्न क्षेत्रों में कई ब्रेकआउट सत्र आयोजित किए जाएंगे। इन सत्रों में शिक्षा से रोजगार तक मजबूत मार्ग तैयार करने, एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक्स (एवीजीसी) के लिए कंटेंट क्रिएटर लैब स्थापित करने, सहयोगी स्वास्थ्य पेशेवरों और केयरगिवर्स के प्रशिक्षण के विस्तार जैसे विषयों पर चर्चा होगी। इसके अलावा क्षेत्रीय चिकित्सा हब और नए आयुष संस्थानों की स्थापना, आतिथ्य क्षेत्र में कौशल विकास, सतत पर्यटन ट्रेल्स का विकास, उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में बौद्ध सर्किट तथा विरासत पर्यटन को बढ़ावा देने जैसे मुद्दे भी विचार-विमर्श का हिस्सा होंगे। पोस्ट बजट वेबिनार सरकार, उद्योग जगत और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों के बीच सहयोगात्मक संवाद का मंच प्रदान करेगा, ताकि बजट में प्रस्तुत नीतिगत दृष्टि को व्यावहारिक रणनीतियों में बदला जा सके। इन चचाओं से ऐसे ठोस सुझाव सामने आने की उम्मीद है, जो नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन और समावेशी विकास को गति देने में सहायक होंगे।

नीतीश कुमार गठबंधन राजनीति के मास्टर

सरकारें आईं-गईं, गठबंधन बदले पर मुख्यमंत्री वही बने

- बिहार के राजनीतिक इतिहास में सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री बने रहने का रिकॉर्ड- नीतीश कुमार की राजनीतिक चतुराई और रणनीतिक समझ ने हर संकट से लगाया पार

एजेंसी

पटना। बिहार की राजनीति में पिछले दो दशकों का सबसे बड़ा तथ्य यही है कि राज्य में सरकार चाहे किसी भी पार्टी की रही हो, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ही बने रहे। उनका यह स्थायी नेतृत्व राज्य की राजनीति में एक अनूठा अध्याय है। इतना ही नहीं, नीतीश कुमार बिहार के इतिहास में सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री बने रहने का रिकॉर्ड अपने नाम कर चुके हैं। नीतीश कुमार ने लगभग 20 वर्षों तक लगातार और कई अलग-अलग मोर्चों पर मुख्यमंत्री पद संभाला। इस दौरान उनके नेतृत्व में कई सरकारें आईं और गईं, गठबंधन बदले, लेकिन उनका पद हमेशा सुरक्षित रहा। यह राजनीतिक चतुराई, रणनीतिक समझ और जनता के बीच उनके व्यक्तित्व की लोकप्रियता का परिणाम है। विशेष रूप से, नीतीश कुमार ने भाजपा समेत विभिन्न दलों के साथ गठबंधन करके राज्य की राजनीति में संतुलन बनाए रखा।

नीतीश ने गठबंधन राजनीति में दिखाई महारत

नीतीश कुमार ने गठबंधन राजनीति में महारत दिखाई। राष्ट्रीय जनता दल (राजद), भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस समेत बिहार की राजनीति में कई बड़े दलों के साथ उन्होंने रणनीतिक गठबंधन बनाए। चाहे सत्ता में कौन भी रहा हो, नीतीश कुमार हमेशा मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बने रहे। इसने उन्हें राजनीतिक स्थिरता और अनुभव का प्रतीक बना दिया। हाल ही में नीतीश कुमार ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देकर राज्यसभा जाने के रास्ते पर कदम बढ़ाया है। उनका यह कदम बिहार की राजनीति में नया समीकरण तैयार कर रहा है।

महिला सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम

प्रधानमंत्री मोदी ने महिला आवंटियों को सौंपी जीपीआरए आवास की चाबी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को सरोजिनी नगर स्थित जनरल पूल रेजिडेंशियल अकॉमोडेशन (जीपीआरए) टाइप-5 क्वार्टर्स का दौरा किया और महिला आवंटियों को आवास की चाबियां सौंपकर उन्हें बधाई दी। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने महिला आवंटियों और निर्माण कार्य में लगी श्रमजीवी बहनों से संवाद किया तथा उनके अनुभव और सुझाव भी सुने। उन्होंने महिलाओं के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण और सम्मान के लिए लगातार प्रयास कर रही है। प्रधानमंत्री ने आवासीय परिसर का निरीक्षण भी किया और वहां उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। इस मौके पर केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल भी मौजूद रहे।

राष्ट्रपति के अपमान पर मोदी ने कहा–

जल्द टूटेगा टीएमसी का सत्ता का अहंकार

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के अपमान को लेकर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि सत्ता का अहंकार बहुत ही जल्द चूर-चूर होकर रहेगा। जनता इसे कभी माफ नहीं करेगी। प्रधानमंत्री ने रविवार को यहां बुराड़ी में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जब पूरा देश अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं की उपलब्धियों का सम्मान कर रहा है, तब वह दिल्ली और देशवासियों के साथ एक पीड़ा भी साझा करना चाहते हैं। मोदी ने कहा कि शनिवार को राष्ट्रपति मुर्मु संथाल आदिवासी परंपरा के एक महत्वपूर्ण उत्सव में शामिल होने के लिए बंगाल गई थीं, लेकिन उस कार्यक्रम को सम्मान देने के बजाय टीएमसी सरकार ने उसका बहिष्कार किया और कार्यक्रम की व्यवस्थाओं को भी पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्रपति स्वयं संथाल आदिवासी समाज से आती हैं और उन्होंने हमेशा आदिवासी समाज के विकास और कल्याण की चिंता की है। ऐसे में उनके कार्यक्रम का बहिष्कार करना न केवल राष्ट्रपति का अपमान है।

राष्ट्रपति का अपमान कर ममता ने पार कर दी सारी सीमा - एबीवीपी

कोलकाता। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के उत्तर बंगाल दौरे के दौरान संथाल समाज द्वारा आयोजित 9वें अंतरराष्ट्रीय संथाल सम्मेलन के लिए अनुमति न दिए जाने और प्रोटोकॉल के कथित उल्लंघन को लेकर राज्य सरकार की कड़ी आलोचना की है। परिषद की स विज्ञप्ति में कहा गया है कि भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था में देश के प्रथम नागरिक के कार्यक्रम में इस प्रकार का कुप्रबंधन अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। परिषद का कहना है कि राष्ट्रपति के आगमन के समय प्रोटोकॉल का पालन न किया जाना राज्य सरकार की उदासीनता और प्रशासनिक विफलता को दशार्ता है। ऐसा करके ममता बनर्जी की सरकार ने सारी सीमा पार कर दी है।

राष्ट्रपति के पद का सम्मान करना चाहिए: मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के पश्चिम बंगाल दौरे के बीच विवाद को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। बसपा प्रमुख ने रविवार को एक्स पर अपनी एक पोस्ट में लिखा कि भारतीय संविधान के आदर्श व मान-मयार्दा के मुताबिक सभी को राष्ट्रपति पद का सम्मान करना चाहिए। इनके प्रोटोकाल का भी ध्यान रखना जरूरी है और इस पद का किसी भी रूप में राजनीतिकरण करना ठीक नहीं है। वर्तमान में देश की राष्ट्रपति एक महिला होने के साथ-साथ वे आदिवासी समाज से भी हैं, लेकिन अभी हाल ही में पश्चिम बंगाल में उनके दौरे के लेकर जो कुछ भी हुआ, वह नहीं होना चाहिये था। यह अति-दुर्भाग्यपूर्ण। उन्होंने आगे लिखा है कि इसी प्रकार पिछले कुछ समय से संसद में भी खासकर लोकसभा अध्यक्ष के पद का भी जो राजनीतिकरण कर दिया गया है, यह भी उचित नहीं है। सभी को संवैधानिक पदों का दलगत राजनीति से ऊपर उठकर आदर-सम्मान व उनकी गरिमा का भी ध्यान रखना चाहिये तो यह बेहतर होगा। उन्होंने लिखा, 'संसद का कल से शुरू हो रहा सत्र देश व जनहित में पूरी तरह से सही से चले, यही लोगों की अपेक्षा व समय की भी मांग है।

इजराइल का बेरूत में हमला, ईरानी कुद्स फोर्स के लेबनान कॉर्प्स के कमांडर मारे गए

एजेंसी

तेहरान/बेरूत/ तेल अवीव/वाशिंगटन,। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जंग के नौवें दिन तक युद्ध की लपटें फारस के खाड़ी देशों तक पहुंच चुकी है। इजराइल को आज (रविवार) सुबह ईरान पर किए गए जबरदस्त हमले का मिसाइलों से जवाब मिला है। इजराइल ने लेबनान में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के कुद्स फोर्स के लेबनान कॉर्प्स के कमांडरों को मार गिराने का दावा किया है। सीबीएस न्यूज, फॉक्स न्यूज और सीएनएन की रिपोर्ट्स के अनुसार, इस जंग में अमेरिका और इजराइल के सैन्य अभियान में ईरान को अब तक सबसे बड़ी कीमत चुकानी पड़ी है। देश के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई और उनके परिवार के अधिकांश सदस्यों समेत आला सैन्य अफसर मारे जा चुके हैं। युद्ध की लपटों से फारस की खाड़ी के देश झुलस रहे हैं। अमेरिका के भी छह सैन्य अफसरों की मौत हो चुकी है। इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने आज सुबह कहा कि ईरान में हमलों की एक नई लहर शुरू की गई है। सेना ने ईरानी सरकार के प्रमुख स्थलों को निशाना बनाया है। आईडीएफ ने उसके हमले के बाद ईरान से इजराइल की ओर मिसाइलें दागी गई हैं। देश की रक्षा प्रणाली (बहु-स्तरीय सुरक्षा कवच) इस खतरे को रोकने के लिए काम कर रही है।

ईरान का आरोप- ऊर्जा ठिकानों पर हमले से युद्ध का खतरनाक चरण शुरू

एजेंसी

तेहरान/वॉशिंगटन। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच ईरान ने अमेरिका और इजराइल पर उसके ऊर्जा ढांचे को निशाना बनाने का आरोप लगाया है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा कि ईरान के ऊर्जा भंडारों और ईंधन डिपो पर हुए हवाई हमले युद्ध के खतरनाक नए चरण की शुरूआत को दशार्ते हैं। बघाई ने कहा कि ईंधन भंडारों को निशाना बनाए जाने से जहरीले पदार्थ और खतरनाक गैसें वातावरण में फैल सकती हैं, जिससे नागरिकों के स्वास्थ्य और पर्यावरण पर गंभीर असर पड़ सकता है। उनके अनुसार इस तरह के हमले अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन हैं और इन्हें युद्ध अपराध की श्रेणी में रखा जा सकता है। दूसरी ओर, इजराइली सेना के प्रवक्ता नादव शोशानी ने कहा कि जिन ईंधन डिपो को निशाना बनाया गया, उनका इस्तेमाल ईरान के सैन्य अभियानों और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम के लिए किया जा रहा था। इसलिए उन्हें वैध सैन्य लक्ष्य माना गया। वहीं अमेरिका ने स्पष्ट किया है कि वह ईरान के ऊर्जा क्षेत्र को निशाना बनाने की योजना नहीं बना रहा है। अमेरिकी ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट ने कहा कि अमेरिका की ओर से ईरान के तेल या गैस उद्योग पर हमले की कोई योजना नहीं है और हाल के हमले इजराइल द्वारा किए गए हैं।

नारी चेतना ही समाज की प्रगति का मूल आधार: राष्ट्रपति

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने रविवार को कहा कि नारी चेतना ही समाज की प्रगति का मूल आधार है।उन्होंने कहा कि साल 2047 तक 'विकसित भारत' का लक्ष्य केवल तकनीकी प्रगति से नहीं बल्कि सांस्कृतिक जड़ों और नारी के पूर्ण सशक्तिकरण से प्राप्त होगा। द्रौपदी मुर्मु आज यहां विज्ञान भवन में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय महिला विचारक सम्मेलन 'भारती' के समापन समारोह को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने 'पद्म भारती' काफी टेबल पुस्तक का लोकार्पण भी किया। इस कार्यक्रम का विषय भारती- नारी से नारायणी पर आधारित था। राष्ट्र सेविका समिति, शरण्या और भारतीय विद्वत परिषद् द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस समारोह में राष्ट्रपति ने कहा, 2047 तक 'विकसित भारत' का लक्ष्य केवल तकनीकी प्रगति से नहीं बल्कि अपनी सांस्कृतिक जड़ों और नारी शक्ति के पूर्ण सशक्तिकरण से प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में दर्शन, चिकित्सा, खगोल विज्ञान, गणित, साहित्य तथा कला की महान विरासत को ज्ञान भारतम् मिशन जैसे प्रयासों से संरक्षित और प्रसारित किया जा रहा है। भारतीय भाषाओं तथा भारतीय ज्ञान परंपरा को प्राथमिकता देकर आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण को सांस्कृतिक आधार प्रदान किया जा रहा है। ऐसे प्रयासों से जुड़े सभी संस्थानों को पारस्परिक समन्वय के साथ आगे बढ़ना चाहिए। मुर्मु ने राष्ट्र सेविका समिति और 'सरण्या' जैसे समूहों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ये वंचित वर्गों की महिलाओं को नेतृत्व क्षमता और कौशल प्रदान कर रहे हैं।

नारी शक्ति का सामर्थ्य ही विकसित भारत की शक्ति: अन्नपूर्णा देवी

नई दिल्ली। केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि नारी शक्ति का सामर्थ्य ही विकसित भारत की शक्ति है। आज भारत महिला विकास से आगे बढ़कर ह्यमहिला नेतृत्व वाले विकासह्ण के युग में प्रवेश कर चुका है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के जेंडर बजट में किया गया 5 लाख करोड़ रुपए से अधिक का ऐतिहासिक आवंटन इसी लक्ष्य को समर्पित है' सरकार 'होल ऑफ गर्वनमेंट' के विजन के साथ- शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और सुरक्षा जैसे बुनियादी क्षेत्रों में सुधार करके महिलाओं के जीवन को सशक्त बना रही है।

रांची के होटल में फायरिंग की जिम्मेदारी गैंगस्टर प्रिंस खान ने ली

रंगदारी नहीं देने पर बम से उड़ाने की धमकी

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

रांची। झारखंड पुलिस के लिए कुख्यात गैंगस्टर प्रिंस खान लगातार चुनौती बना हुआ है। विदेश में बैठकर वह झारखंड में अपने गिरोह का संचालन कर रहा है और अपराधियों के जरिए वारदातों को अंजाम दिलवा रहा है। रांची के एक रेस्त्रां में शनिवार की रात हुई गोलीबारी की जिम्मेदारी भी प्रिंस खान ने ली है। इसके साथ ही उसने रेस्त्रां संचालक को दोबारा धमकी देते हुए रंगदारी नहीं देने पर बम से हमला कराने की चेतावनी दी है। पुलिस की ओर से मिली जानकारी के अनुसार, रांची के एयरपोर्ट थाना क्षेत्र अंतर्गत लोधमा रोड स्थित कुतियातु चौक के पास बने होटल टीटॉस में शनिवार देर रात हथियारबंद अपराधियों ने अंधाधुंध फायरिंग की थी। इस घटना में होटल के कर्मचारी मनीष की गोली लगने से मौत हो गई थी। पुलिस के अनुसार, वारदात को अंजाम देने के कुछ घंटे बाद ही रेस्त्रां के संचालक के मोबाइल फोन पर प्रिंस खान का एक ऑडियो मैसेज आया, जिसमें उसने इस गोलीबारी की जिम्मेदारी ली। साथ ही उसने संचालक को धमकी देते हुए कहा कि यदि रंगदारी की रकम नहीं दी गई तो अगली बार उसके घर पर बम से हमला कराया जाएगा।

जिंदल स्टील पतरातु में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोहपूर्वक मनाया गया

उज्जवल दुनिया संवाददाता

पतरातु। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जिंदल स्टील पतरातु स्थित जिंदल क्लब में भव्य कार्यक्रम का आयोजन कर महिला दिवस समारोहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सी एस आर प्रमुख कुमार राहुल एवं संचालन शोम्या श्री जेना ने किया।कार्यक्रम में प्लांट प्रमुख के. बी. सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिंदल स्टील प्लांट परिसर में आसपास के गांवों से आई बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया।

मुख्य अतिथि के. बी. सिंह ने उपस्थित महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि महिलाओं का सशक्तिकरण समाज के समग्र विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जब महिलाएं शिक्षित, आत्मनिर्भर और सशक्त बनती हैं तो उसका सकारात्मक प्रभाव पूरे परिवार और समाज पर पड़ता है। उन्होंने महिलाओं को आगे बढ़ने, अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने और समाज निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर जिंदल फाउंडेशन की अध्यक्षा श्रीमती शालू जिंदल के संदेशों पर प्रकाश डालते हुए कहा गया कि महिलाओं का विकास ही परिवार और समाज का वास्तविक विकास है। जिंदल फाउंडेशन द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास और आत्मनिर्भरता के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए लगातार विभिन्न कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान जिंदल स्टील के चेयरमैन एवं कुरुक्षेत्र से सांसद श्री नवीन जिंदल के महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में किए गए योगदान का भी उल्लेख किया गया। बताया गया कि उनके मार्गदर्शन में जिंदल स्टील द्वारा महिलाओं के उत्थान के लिए कई सामाजिक पहलें चलाई जा रही हैं। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को सम्मानित किया गया तथा महिला सशक्तिकरण से जुड़े विभिन्न विषयों पर जागरूकता संदेश भी दिया गया। इस अवसर पर उपस्थित सभी महिलाओं ने समाज में समानता, शिक्षा और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। इस अवसर पर महाप्रबंधक संतोष कुमार, मिनु सिंह,रुपेश कुमार,आर डी शर्मा, सुभाष शरण, डॉ संजीव दुवेदी, सहित सभी अधिकारी पदाधिकारी उपस्थित थे।

सरला बिरला महाविद्यालय परिसर में नेशनल रैपिड एवं ब्लिट्ज चेस चैंपियनशिप की तैयारियों की हुई समीक्षा

उज्जवल दुनिया संवाददाता

अखिल झारखंड शतरंज संघ के अध्यक्ष एवं माननीय राज्यसभा सांसद श्री प्रदीप कुमार वर्मा के दिशा-निर्देश में सरला बिरला महाविद्यालय परिसर में संघ की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में विश्वविद्यालय परिसर में दिनांक 11 से 13 मार्च 2026 तक आयोजित होने वाली नेशनल रैपिड एवं नेशनल ब्लिट्ज चेस चैंपियनशिप 2025-26 की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में देशभर से लगभग 450 शीर्ष रैंक प्राप्त खिलाड़ी भाग लेंगे। इनमें 12 ग्रैंडमास्टर, 2 डब्ल्यूजीएम, 24 आईएम, 1 डब्ल्यूआईएम, 5 एफएम, 1 डब्ल्यूएफएम और 6 सीएम रैंकधारी खिलाड़ी शामिल हैं। यह प्रतियोगिता अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) के नियमों के अनुसार आयोजित की जाएगी। संघ की अध्यक्ष श्रीमती ऋचा संचिता एवं महासचिव श्री नवजोत अलंग ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि प्रतियोगिता के लिए कुल साढ़े छह लाख रुपये की आकर्षक पुरस्कार राशि निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि रैपिड कैटेगरी में 25 खिलाड़ियों को कुल 4 लाख रुपये तथा ब्लिट्ज कैटेगरी में 15 खिलाड़ियों को कुल ढाई लाख रुपये की इनामी राशि प्रदान की जाएगी। बैठक में आयोजन की विभिन्न व्यवस्थाओं एवं तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई तथा सभी पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस अवसर पर कन्वेनर श्री मनीष कुमार, उपाध्यक्ष श्री राजीव चटर्जी, श्री कुणाल अजमानी, श्री मिथिलेश पांडे, ललित बथवाल, सुनील कालरा, विक्रम साबू , कोषाध्यक्ष श्री सतीश कुमार, इवेंट मैनेजर श्री मृदुल कुमार समेत आयोजन समिति के श्री ललित बथवाल, सुनील कालरा, विक्रम साबू , श्री रंजीत कुमार सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

6वीं एक्रोपोलिस इंटरनेशनल वुशु टूनार्मेंट में झारखंड के शौर्य सिंह का चयन

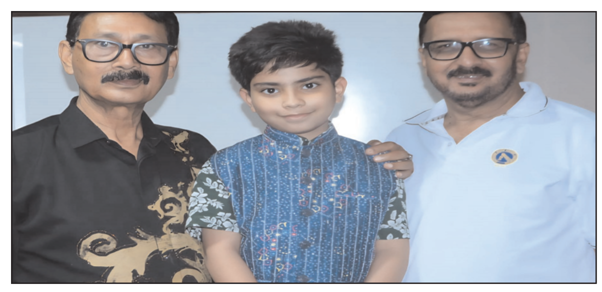

रांची : ग्रीस की राजधानी अथेन्स के एक्रोपोलिस में आयोजित होने वाली 6वीं एक्रोपोलिस इंटरनेशनल वुशु टूनार्मेंट में भारत का 35 सदस्यीय दल भाग लेगा। इस दल में झारखंड के खिलाड़ी शौर्य सिंह का चयन किया गया है। शौर्य कुमार सांदा स्पर्धा में भारतीय दल का प्रतिनिधित्व करेंगे। पिछले दिनों छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव में आयोजित प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर उनका चयन भारतीय टीम में किया गया है। यह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता 13 से 15 मार्च तक अथेन्स में आयोजित की जाएगी। भारतीय दल 12 मार्च को मुंबई से अथेन्स के लिए रवाना होगा। इस प्रतियोगिता में झारखंड वुशु से जुड़े दो पदाधिकारी भी भारतीय दल का हिस्सा होंगे। वुशु एसोसिएशन ऑफ इंडिया के पूर्व कोषाध्यक्ष श्री शिवेंद्र नाथ दुबे को भारतीय दल का ऑब्जर्वर बनाया गया है, जबकि झारखंड वुशु के श्री उदय साहू भारतीय दल के मैनेजर के रूप में टीम के साथ रहेंगे। उल्लेखनीय है कि ये दोनों पदाधिकारी पूर्व में भी कई अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारतीय दल के साथ मैनेजर एवं पदाधिकारी के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। इसकी जानकारी झारखंड वुशु एसोसिएशन के चेयरमैन श्री चंचल भट्टचार्य ने दी. शौर्य के चयन पर झारखण्ड ओलम्पिक एसोसिएशन के महासचिव डॉ मधुकांत पाठक सहित झारखंड वुशु एसोसिएशन के पदाधिकारियों अध्यक्ष डॉ. प्रदीप वर्मा (राज्यसभा सांसद) डॉ. कविता सिंह, मिथलेश साहू, डॉ. अंशु साहू, चंचल भट्टाचार्य, कुमुद प्रसाद साहू, सुनील सूर्यात,उदय साहू, प्रियदर्शी अमर, शैलेन्द्र कुमार, श्रीमती अनिका सिंह, डॉ. उदीप लाल, मनोज कुमार महतो, मनोज साहू, शशिकांत पांडे, रजि अहमद, गोकुलनंद मिश्रा, वाहिद अली, आजाद पाठक, शैलेन्द्र दुबे, धर्मवीर सिन्हा, रत्नेश कुमार, दीपक गोप, आशीष गोप, अमासी बारला, संजय मंडल, कार्तिक राम, दिनेश यादव, अमरेंद्र दत्त द्विवेदी, प्रतिमा कुमारी, बिमला टोप्पो, सुशांति तोपनो, काजल किरण, मृतुंजय कुमार राय,शिवेंद्र दुबे आदि ने हर्ष व्यक्त किया और भारतीय दल की सफलता की कामना की.

समाज सेविका प्रमिला,रेखा एवं बिनु हुई सम्मानित

उज्जवल दुनिया संवाददाता

रांचीःमहिला दिवस(8 मार्च)के शुभअवसर पर सिलाई कढ़ाई, ब्यूटीशियंस,बुजुर्ग महिलाओं एवं पुरुषों के सेवा के क्षेत्र में विहान भवन दिनेश्वर नगर हरमू मे अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन छात्र क्लब ग्रुप एवं कपिल फाउंडेशन की ओर से किया गया जिसकी अध्यक्षता क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा ने किया।इस मौके पर विशिष्ठ अतिथि के तौर पर रांची रिग ऑनर एसोसिएशन के अध्यक्ष महेश चंद्र एवं एवं पूर्व अध्यक्ष गगन शर्मा मौजूद थे।कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर हुआ।कार्यक्रम के दौरान सिलाई,कढ़ाई,ब्यूटीशियन के क्षेत्र में रेखा देवी एवं बुजुर्ग महिलाओं,पुरुषों की सेवा के क्षेत्र में प्रमिला देवी एवं बीनू शर्मा को एवं पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया गया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्यरूप से पुटु कुमार,चंद्र प्रकाश शर्मा,सोनी कुमार,आशा शर्मा,रूबी देवी,निशु देवी,विजय सिंह,सोनू शर्मा,कोमल कुमारी, राजा कुमार,रवि कुमार,हेमंत कुमार,नितिशा कुमारी,प्रिया कुमारी,हनी कुमारी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।मौके पर शिव किशोर शर्मा ने कहा मानव सेवा एक पुण्य सेवा कार्य है सभी लोगों को मानव सेवा में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए।

'मां शारदे मंच' ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर 101 महिलाओं को किया सम्मानित

उज्जवल दुनिया संवाददाता

रांची,घर की चहारदीवारी और परिवार की ज़िम्मेदारियां महिलाओं के हौसलों और उनके हुनर के लिए कभी बेड़ियां नहीं बनतीं, बल्कि यही जिम्मेदारियां उनके आत्मविश्वास की ताकत बनकर उन्हें अपने सपनों को नई उड़ान देने की प्रेरणा देती हैं। कुछ ऐसा ही प्रेरणादायक दृश्य मां शारदे मंच की ओर से अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित कार्यक्रम ह्लसंघर्ष से शिखर सम्मानद्ध में देखने को मिला।, जहां समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित कर उनके योगदान को सलाम किया गया। मां शारदे मंच द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में समाज के अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी अलग पहचान बनाने वाली 101 महिलाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित राज्यसभा सांसद व साहित्यकार महुआ माजी ने मां शारदे मंच के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि महिलाओं को सम्मान देना केवल एक कार्यक्रम भर नहीं है, बल्कि यह समाज में उनके योगदान को स्वीकार करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने सम्मानित हो रही मातृ शक्ति को नमन करते हुए कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी क्षमता और प्रतिभा का परिचय दे रही हैं। राजनीति, शिक्षा, विज्ञान, स्वास्थ्य, प्रशासन, मीडिया और व्यापार जैसे क्षेत्रों में महिलाएं अपनी मेहनत और लगन के दम पर नई ऊंचाइयों को छू रही हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारें भी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही हैं और मईयां सम्मान योजना जैसी पहल महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर रांची की प्रख्यात दंत चिकित्सक एवं समाज सेविका डॉ मिनाक्षी सिंह ने भी अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि सफलता केवल व्यक्तिगत प्रयासों से नहीं मिलती, बल्कि इसके पीछे परिवार और समाज का सहयोग भी महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने कहा कि जिस तरह एक सफल पुरुष के पीछे एक महिला का हाथ होता है, उसी तरह एक महिला की सफलता के पीछे भी एक पुरुष का सहयोग और परिवार का समर्थन होता है। उन्होंने महिलाओं को अपने सपनों पर विश्वास रखने और चुनौतियों का सामना करते हुए आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। वहीं झारखंड कोऑपरेटिव बैंक की अध्यक्ष बिभा सिंह ने भी मां शारदे मंच की पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि जिम्मेदारियों के बीच अपने सपनों को साकार करने वाली ये महिलाएं समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। उन्होंने कहा कि इन महिलाओं की सफलता की कहानी नई पीढ़ी के लिए एक मार्गदर्शक की तरह है, जिससे युवा पीढ़ी सीख ले सकती है कि कठिन परिस्थितियों के बावजूद भी अगर संकल्प मजबूत हो तो सफलता जरूर मिलती है। कार्यक्रम के दौरान रांची की नवनिर्वाचित मेयर रोशनी खलको भी समारोह में शामिल हुईं और उन्होंने भी मंच से महिलाओं को सम्मानित किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि नारी शक्ति ईश्वर की वह अद्भुत शक्ति है जो सृजन से लेकर संहार तक की क्षमता रखती है। उन्होंने कहा कि समाज के विकास में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और जब महिलाएं आगे बढ़ती हैं तो पूरा समाज आगे बढ़ता है। मां शारदे मंच की अध्यक्ष नीतू सिन्हा ने कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संस्था का उद्देश्य समाज में उन महिलाओं को मंच देना है जिन्होंने संघर्ष करते हुए अपनी अलग पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि कई महिलाएं अपने जीवन में अनेक चुनौतियों का सामना करती हैं, लेकिन अपने साहस और मेहनत के बल पर वे सफलता की नई मिसाल कायम करती हैं। ऐसे ही प्रेरणादायक व्यक्तित्वों को सम्मानित कर समाज के सामने लाना संस्था का मुख्य उद्देश्य है।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता, शिक्षाविद, डॉक्टर, पत्रकार, पिंक ऑटो चालिका, पैरालम्पिक खिलाड़ी और विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोग उपस्थित रहे। पूरे कार्यक्रम के दौरान सम्मानित होने वाली महिलाओं की उपलब्धियों और उनके संघर्ष की कहानियों ने वहां मौजूद लोगों को प्रेरित किया और यह संदेश दिया कि यदि हौसले बुलंद हों तो कोई भी लक्ष्य पाना असंभव नहीं होता। कार्यक्रम में समीर सिन्हा, मनोज सिन्हा, पंकज प्रसाद, शंभू प्रसाद, साईं ट्रेवल्स के अभय सिंह, हरि सिंह, आदित्य, शिखा प्रिया, सीमा श्रीवास्तव, पुष्पा सिंह, सिम्मी

एक नजर

भाजपा झूठी लोकप्रियता का ढोल पीट रही है : आलोक कुमार दूबे

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव आलोक कुमार दूबे ने भाजपा नेताओं द्वारा निकाय चुनाव और अन्य मुद्दों पर दिए गए बयानों पर तीखा पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी झारखंड की जनता को गुमराह करने के लिए झूठी लोकप्रियता का ढोल पीट रही है, जबकि हकीकत यह है कि जनता भाजपा की नीतियों और कार्यशैली से भली-भांति परिचित हो चुकी है। आलोक कुमार दूबे ने कहा कि भाजपा नेताओं का यह कहना कि निकाय चुनाव दलीय आधार पर होते तो भाजपा की एकतरफा जीत होती, पूरी तरह से भ्रामक और निराधार है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनता का फैसला सर्वोपरि होता है और भाजपा को अपनी हार-जीत का आकलन जनता के बीच जाकर करना चाहिए, न कि मंचों से दावे करने चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा हमेशा जनता के असली मुद्दों—महंगाई, बेरोजगारी, शिक्षा और स्वास्थ्य—से ध्यान भटकाने के लिए अनावश्यक राजनीतिक बयानबाजी करती है। केंद्र और कई राज्यों में लंबे समय तक सत्ता में रहने के बावजूद भाजपा इन बुनियादी समस्याओं का समाधान नहीं कर पाई है। पश्चिम बंगाल के संदर्भ में दिए गए बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए आलोक कुमार दूबे ने कहा कि देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद राष्ट्रपति के सम्मान को लेकर किसी भी तरह की राजनीति करना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति का सम्मान पूरे देश का सम्मान है और इसे किसी भी राजनीतिक लाभ-हानि से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव *आलोक कुमार दूबे* ने कहा कि कभी दुनिया की सबसे बड़ी मिस कॉल पार्टी होने का दावा करने वाली भाजपा आज खुद ही जनता के बीच मिस हो चुकी है। नगर निकाय चुनाव के परिणाम सामने आने के बाद भी भाजपा के नेता अशांत और बेचैन दिखाई दे रहे हैं और उनकी राजनीति अब केवल सोशल मीडिया तक ही सिमट कर रह गई है। उन्होंने कहा कि सदन से लेकर सड़क तक कहीं भी भाजपा एक मजबूत और जिम्मेदार विपक्ष की भूमिका निभाती हुई नजर नहीं आ रही है, जो यह दशार्ता है कि जनता के वास्तविक मुद्दों पर उनकी कोई गंभीरता नहीं है। दूबे ने भाजपा नेताओं से आग्रह किया कि वे लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान करें और जनता के वास्तविक मुद्दों पर गंभीरता से काम करें, न कि राजनीतिक मंचों से केवल आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति करें।

मारवाड़ी महिला समिति ने किया महिला दिवस एवं स्थापना दिवस का आयोजन

रामगढ़।जिले के अग्रणी सेवाभावी संस्था मारवाड़ी महिला समिति रामगढ़ शाखा ने रांची रोड स्थित होटल अरिहंत पैलेस के सभागार में अपनी शाखा का स्थापना दिवस एवं अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया। आयोजन के अंतर्गत शहर के विशिष्ट लोगों तथा समाज के विभिन्न क्षेत्रों में योगदान करने वाली महिलाओं को आमंत्रित कर उन्हें सम्मानित किया। जिसमें शहर की विख्यात शिक्षाविद् डॉ उर्मिला सिंह, समाजसेवी मधु अग्रवाल एवं वरिष्ठ चिकित्सक श्रीमती सौम्या जैन विशेष रूप से आमंत्रित थी। कार्यक्रम की शुभारंभ समिति की बहनों द्वारा गणेश वंदना करते हुए सामूहिक रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुए समिति की अध्यक्षा श्रीमती निशा जैन बताया कि हमारी समिति 36 वर्षों से समाज सेवा के कार्यों में अपना विशिष्ट योगदान करते हुए जन कल्याण के कई कार्य संपादित कर रही है। समिति की कल्याणकारी कार्यक्रमों से समाज के वंचित तबके को कई प्रकार की सहायता मिल रही है, इसके अलावा श्रीमती जैन ने आगे बताया महिला दिवस उपलक्ष में आज हमारी संस्था द्वारा समाज के विभिन्न क्षेत्रों में योगदान करने वाली महिलाओं के प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हुए उन्हें सम्मानित कर रही है। साथ ही, उन्होंने कहा कि आज भारतवर्ष में हर क्षेत्र में महिलाएं अपने कर्म बल से राष्ट्र निर्माण में अपनी सशक्त भूमिका निभा रही है। इसके अलावा उपरोक्त अवसर पर समिति द्वारा अध्यक्षा को समिति के विकास में सतत योगदान हेतु सम्मेलन के प्रतिष्ठित पुरस्कार मंजू मेहरिया स्मृति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में नए सत्र 2026-2028 के लिए श्रीमती रिद्धि जैन को अध्यक्ष पद के लिए चुना गया। कार्यक्रम के समापन उद्बोधन में समिति की वर्तमान अध्यक्षा निशा जैन ने रिद्धि के नेतृत्व में समिति के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं प्रदान की।कार्यक्रम को सफल बनाने में भी विजय मेवाड़, विशाल वासुदेवा, पी एन तिवारी, अरुणा जैन, नमिता श्रॉफ, जेनेसा वडेरा, नीलम जैन, रीना अग्रवाल, शीतल अग्रवाल, नैना मेवाड़, सिंपल बेरलिया, प्रिया अग्रवाल, पुष्पा अग्रवाल, श्वेता बगड़िया, गरिमा अग्रवाल, पूनम गर्ग, नेहा मित्तल, सरिता जैन, ममता अग्रवाल, रंजना मित्तल, मंजू अग्रवाल, सविता अग्रवाल, मीनू मोदी, विमल जालान, सरिता अग्रवाल, निर्मल अग्रवाल, मंजू गोयनका आदि शामिल थी।

झारखंड वन विभाग मना रहा है महिला सम्मान पखवाड़ा

प्रधान मुख्य वन संरक्षक, झारखंड (हॉफ)श्री संजीव कुमार ने झारखंड की महिलाओं का आजीविका संवर्धन कैसे हो इस पर कई दिशा निर्देश जारी किया। पीसीसीएफ (हॉफ) ने वनवासियों, आदिवासियों तथा आदिम जनजातीय महिलाओं को कैसे आजीविका संवर्धन हो इस पर शीघ्रता से कार्य करने का निर्देश दिया। प्रधान मुख्य वन संरक्षक श्री संजीव कुमार ने कहा कि महिलाओ को लघु वन पदार्थ, महुआ, मधु, तेंदूपत्ता, साल बीज, संग्रहण, प्रसंस्करण, विपणन आदि कार्य से जोड़ा जाय । श्री संजीव कुमार ने कहा कि महिलाओं को वन आधारित उद्योग लकड़ी, बांस, हस्त शिल्प,वृक्षारोपण, चारा एवं फल उत्पादन ,मधुमक्खी पालन, कौशल विकास ,नर्सरी प्रबंधन ,मशरूम उत्पादन ,वनोपज एवं वन उत्पाद से जोड़ें ताकि उनके आजीविका में वृद्धि हो सके। प्रधान मुख्य वन संरक्षक झारखंड (हॉफ) श्री कुमार ने सभी क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक, वन संरक्षक तथा वन प्रमंडल पदाधिकारी को अपने क्षेत्र के वैसे महिलाओं की पहचान कर सूची उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है जो वन विभाग से संबंधित कार्य में उत्कृष्ट योगदान दे रही हैं। वन महिला सम्मान पखवाड़ा कार्यक्रम 2026 समापन के अवसर पर राज्य वन मुख्यालय, रांची में सम्मानित किया जाएगा।

झारखंड के 20 जिलों में तीन दिन तक बारिश और वज्रपात की संभावना, येलो अलर्ट जारी

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

रांची। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने झारखंड के कई जिलों में अगले तीन दिनों के दौरान गर्जन के साथ बारिश और वज्रपात की संभावना जताई है। विभाग के अनुसार 09, 10 और 11 मार्च को राज्य के करीब 20 जिलों में मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है। इसे लेकर मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है।

मौसम विभाग के अनुसार, 09 मार्च को जिन जिलों में बारिश और वज्रपात की संभावना है, उनमें हजारीबाग, कोडरमा, गिरिडीह, बोकारो, धनबाद, देवघर, जामताड़ा, दुमका, पाकुड़, साहिबगंज और गोड्डा शामिल हैं। वहीं 10 मार्च को भी कई जिलों में गर्जन के साथ बारिश और वज्रपात होने की संभावना है। इन जिलों में बोकारो, गिरिडीह, धनबाद, देवघर, जामताड़ा, दुमका, पाकुड़, गोड्डा और साहिबगंज शामिल हैं। मौसम विभाग ने इन जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी करते हुए लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान डाल्टनगंज में 35.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम तापमान लोहरदगा में 17.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

रविवार को रांची और आसपास के क्षेत्रों में दिनभर आंशिक रूप से बादल छाए रहे। दोपहर के समय हल्की गर्मी और उमस महसूस की गई, लेकिन शाम होते-होते मौसम सुहाना हो गया।

रविवार को रांची में अधिकतम तापमान 31.8 डिग्री और न्यूनतम तापमान 18.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसी तरह जमशेदपुर में अधिकतम तापमान 33.2 डिग्री और न्यूनतम 22.7 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 35.2 डिग्री और न्यूनतम 19.6 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 34.5 डिग्री और न्यूनतम 19.6 डिग्री तथा चाईबासा में अधिकतम तापमान 34.4 डिग्री और न्यूनतम 21.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मौसम विभाग ने लोगों को खराब मौसम के दौरान खुले स्थानों, ऊंचे पेड़ों और बिजली के खंभों से दूर रहने की सलाह दी है, ताकि वज्रपात से होने वाली संभावित घटनाओं से बचा जा सके।

राष्ट्रपति के साथ ममता बनर्जी और बंगाल सरकार का व्यवहार अत्यंत निंदनीय और शर्मनाक : बाबूलाल

रांची। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और बंगाल सरकार की ओर से राष्ट्रपति के साथ किए गए व्यवहार की कड़ी निंदा की है। मरांडी ने शनिवार रात सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि पश्चिम बंगाल के दार्जलिंग में आयोजित 9वें अंतर्राष्ट्रीय संथाल सम्मेलन के दौरान संथाल आदिवासी समाज की बेटी एवं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ पश्चिम बंगाल सरकार का व्यवहार अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है। उन्होंने कहा कि देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर आसीन व्यक्ति के प्रति इस प्रकार का रवैया न केवल प्रोटोकॉल का उल्लंघन है,बल्कि यह आदिवासी समाज की भावनाओं को भी आहत करता है। राष्ट्रपति के शब्दों में जो पीड़ा और असहजता झलक रही थी,वह पूरे देश ने महसूस की। उन्होंने कहा कि ममता दीदी,राजनीति अपनी जगह है,लेकिन राष्ट्र के सर्वोच्च पद और उससे जुड़े प्रोटोकॉल का सम्मान हर राज्य सरकार की जिम्मेदारी होती है। आपसे अपेक्षा थी कि आप लोकतांत्रिक मयार्दाओं,संवैधानिक पदों के सम्मान और शिष्टाचार का पालन सुनिश्चित करेंगी,लेकिन आपने सत्ता के अहंकार में राष्ट्रपति पद की गरिमा और संथाल आदिवासी समाज को अपमानित करने का काम किया है।

सामाजिक एकता की मिसाल बनेगा दशमाइल का सरहुल महोत्सव : बांडो

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

रांची। दशमाइल में 21 मार्च को सरहुल महोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा, जबकि 24 मार्च को सरहुल मिलन समारोह के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

इसे लेकर रविवार को दशमाइल स्थित जतरा टांड़ में सरहुल मिलन समारोह आयोजन समिति की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता कार्यक्रम के आयोजक रामपाहन बांडो ने की। इस अवसर पर रामपाहन बांडो ने कहा कि सामाजिक एकता की मिशाल पेश करते हुए इस वर्ष सरहुल पर्व को और भी भव्य रूप से मनाया जाएगा। इस सरहुल मिलन समारोह की खास बात यह होगी कि हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई सहित सभी समुदाय के लोग एकसाथ मिलकर इस पर्व के साक्षी बनेंगे और उत्सव में भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि सरहुल पर्व को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में हैं।

सरहुल महोत्सव के दौरान दूर-दराज से हजारों की संख्या में लोग ढोल-नगाड़े और मांदर की थाप पर नाचते-गाते हुए समारोह में शामिल होंगे। यह पर्व आदिवासी-मूलवासी संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकता का प्रतीक है।

बैठक के बाद दशमाइल के चुकरू में क्रिकेट टूनार्मेंट की शुरूआत की गई, जिसका उद्घाटन रामपाहन बांडो ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि युवाओं को पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद और सांस्कृतिक गतिविधियों में भी सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए।

बैठक में पंचायत समिति सदस्य कल्याण लिंडा, मुखिया जीता कच्छप, सामाजिक कार्यकर्ता पीरुआ कच्छप, छोटू तिर्की, 22 पाड़हा समिति के अध्यक्ष प्रदीप तिर्की, त्रिभुवन सिंह, सज्जाद आलम सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

रांची में पेंशनर्स ने महिला दिवस को संघर्ष दिवस के रूप में मनाया, 8वें वेतन आयोग को लेकर जताई नाराजगी

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

रांची। ऑल इंडिया पोस्टल-आरएमएस पेंशनर्स एसोसिएशन के बैनर तले रविवार को रांची जीपीओ परिसर में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस को संघर्ष दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में पेंशनर्स ने केंद्र सरकार की नीतियों पर नाराजगी जताई और 8वें वेतन आयोग से जुड़े मुद्दों पर चिंता व्यक्त की।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि केंद्र सरकार वैलिडेशन संशोधन के माध्यम से पेंशनर्स और फैमिली पेंशनर्स को 8वें वेतन आयोग के लाभ से वंचित करने का प्रयास कर रही है। एसोसिएशन के नेता एमजेड खान ने कहा कि 29 मार्च 2025 को पेंशन सचिव ने आश्वासन दिया था कि इस संशोधन से पेंशनर्स प्रभावित नहीं होंगे, लेकिन अब तक सरकार ने इस संशोधन को वापस नहीं लिया है और न ही वेतन आयोग को इस संबंध में कोई स्पष्ट लिखित निर्देश दिया गया है। इससे देशभर के लगभग 65 लाख पेंशनर्स में नाराजगी व्याप्त है।

उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष जुलाई से पेंशनर्स इस मुद्दे को लेकर आंदोलनरत हैं और इस आंदोलन में बड़ी संख्या में महिला पेंशनर्स भी सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर उनके संघर्ष, जुझारूपन और नेतृत्व क्षमता को विशेष रूप से सराहा गया।

एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बताया कि 10 जनवरी को भी इस मुद्दे को लेकर शहीद चौक में धरना-प्रदर्शन किया गया था। इसके अलावा 28 और 29 मार्च को गुवाहाटी में आयोजित होने वाले चौथे राष्ट्रीय सम्मेलन में झारखंड से 36 प्रतिनिधि भाग लेंगे। कार्यक्रम में एमजेड खान के अलावा जयनारायण प्रसाद, हसीना तिग्गा, फुलमनी बिलॉन्ग, अमिता तिर्की, केडी राय व्यथित और त्रिवेणी ठाकुर सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान पेंशनर्स ने अपनी मांगों को लेकर एकजुटता भी दिखाई।

अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहें महिलाएं : सीएस

खूंटी। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रविवार को सदर अस्पताल खूंटी स्थित मातृ एवं शिशु अस्पताल परिसर में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सिविल सर्जन डॉ. शोभा किस्पोट्टा ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

मौके पर सिविल सर्जन (सीएस) डॉ. शोभा किस्पोट्टा ने कहा कि आज की महिलाएं देश के सर्वांगीण विकास में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि महिलाएं न केवल घर और परिवार की जिम्मेदारियां निभा रही हैं, बल्कि सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए देश को आगे बढ़ाने का कार्य कर रही हैं। उन्होंने महिलाओं से अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने की अपील की। कार्यक्रम की शुरूआत जिला कार्यक्रम प्रबंधक कानन बाला तिर्की के स्वागत भाषण से हुई। वहीं, उपाधीक्षक डॉ. आनंद किशोर उरांव ने अपने संबोधन में कहा कि आज महिलाएं शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रही हैं और देश के सर्वोच्च पद राष्ट्रपति तक पहुंच रही हैं। उन्होंने कहा कि महिलाएं माउंट एवरेस्ट की चोटी तक भी पहुंचकर अपनी क्षमता का परिचय दे रही हैं। लेबर रूम की इंचार्ज गीता कुमारी ने महिलाओं को मिले अधिकारों का सही उपयोग करने और शिक्षा के माध्यम से समाज व देश को आगे बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने टीनएज प्रेग्नेंसी रोकने तथा कम उम्र में शादी जैसी सामाजिक समस्याओं के प्रति भी महिलाओं को जागरूक किया। जिला डाटा प्रबंधक श्वेता सिंह ने कहा कि महिला परिवार की महत्वपूर्ण आधार होती है। वह घर की जिम्मेदारियों के साथ-साथ कार्यालय का कार्य भी संभालती है और परिवार को सशक्त बनाने में अहम भूमिका निभाती है। कार्यक्रम के दौरान प्लान इंडिया, सिनी संस्था, फिया, फैमिली प्लानिंग एसोसिएशन, पिरामल ग्रुप और आईसीएमआर समेत विभिन्न संस्थाओं द्वारा टीकाकरण, परिवार नियोजन, फाइलेरिया, माहवारी स्वच्छता और पोषण से संबंधित विषयों पर टेबल प्रदर्शनी लगाकर उपस्थित महिलाओं को जागरूक किया गया।

जल महोत्सव पखवाड़ा का हुआ शुभारंभ

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

खूंटी। उपायुक्त आर रॉनिटा के निर्देश पर रविवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर नगर भवन में जिला जल एवं स्वच्छता समिति, जिला समाज कल्याण विभाग एवं जेएसएलपीएस के संयुक्त तत्वावधान जल महोत्सव पखवाड़ा का शुभारंभ उप विकास आयुक्त आलोक कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया।

कार्यक्रम के दौरान कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल ने अतिथियों का स्वागत किया और कार्यक्रम के उद्देश्यों की जानकारी दी गई। उप विकास आयुक्त ने सभी को महिला दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि महिलाएं आज हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं और देश का नाम रोशन कर रही हैं। उन्होंने विशेष रूप से खूंटी जिले की महिलाओं की ओर से खेल, उद्योग सहित विभिन्न क्षेत्रों में किए जा रहे।

उल्लेखनीय कार्यों की सराहना की। साथ ही समाज कल्याण विभाग एवं जेएसएलपीएस के माध्यम से महिलाओं के लिए संचालित योजनाओं का लाभ उठाने तथा इन योजनाओं से जुड़कर उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं की प्रशंसा भी की।

कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त ने जल महोत्सव पखवाड़ा के उद्देश्यों की जानकारी दी और बताया कि जल महोत्सव पखवाड़ा का आयोजन आठ मार्च से 22 मार्च तक किया जाएगा। भारत सरकार की ओर से इस संबंध में तिथिवार कार्यक्रमों के आयोजन का निर्देश प्राप्त हुआ हैं। सभी कार्यक्रमों एवं गतिविधियों का तिथिवार सफल आयोजन को लेकर उप विकास आयुक्त की ओर से आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

इस दौरान जल संरक्षण एवं स्वच्छता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले मुखिया, जल सहिया, ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति, प्रखंड वॉश समन्वयक सहित अन्य को सम्मानित किया गया। साथ ही जल महोत्सव पखवाड़ा के तहत जिला, प्रखंड एवं पंचायत स्तर पर आयोजित होने वाली विभिन्न गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी गई तथा इस पर चर्चा की गई।

कार्यक्रम में जिला परिषद अध्यक्ष, जिला परिषद उपाध्यक्ष, जिला पंचायती राज पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, डीपीएम जेएसएलपीएस सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी एवं अन्य संबंधित उपस्थित थे।

पृथ्वी पर जीवन की शुरूआत का आधार है नारी : प्रधान जिला जज

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

खूंटी। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए), खूंटी के तत्वावधान में रविवार को प्रखंड सभागार तोरपा में जिला प्रशासन के सहयोग से विधिक जागरूकता सह सशक्तिकरण शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महिलाओं के लिए विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के तहत लगभग एक करोड़ रुपये की परिसंपत्तियों का वितरण किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, डीएलएसए रसिकेश कुमार अलावा अपर समाहर्ता परमेश्वर मुंडा, एसडीजेएम विद्यावती कुमारी, बीडीओ तोरपा नवीन कुमार झा, सीओ तोरपा पूजा बिंहा तथा डीएलएसए खूंटी के सचिव कमलेश बेहरा सहित जिला प्रशासन के अन्य पदाधिकारी और स्थानीय लोग मौजूद थे। कार्यक्रम की शुरूआत बीडीओ तोरपा नवीन कुमार झा के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने उपस्थित अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि महिलाओं के हित में इस प्रकार के विधिक जागरूकता कार्यक्रम अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने डीएलएसए का आभार जताते हुए कहा कि प्रखंड प्रशासन ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन में हमेशा सहयोग करता रहेगा।

सभा को संबोधित करते हुए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश रसिकेश कुमार ने कहा कि नारी इस पृथ्वी पर जीवन की शुरूआत का आधार है। एक महिला मां के रूप में जीवन को जन्म देती है और उसे संस्कार, प्रेम और मार्गदर्शन प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के बिना समाज, परिवार और मानव सभ्यता की कल्पना संभव नहीं है। इसलिए महिलाओं का सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित महिलाओं के साथ केक काटकर अंतराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया। एसी परमेश्वर मुंडा ने कहा कि समाज के विकास में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने महिलाओं को विभिन्न सरकारी योजनाओं से जोड़कर उन्हें आर्थिक और सामाजिक रूप से मजबूत बनाने पर जोर दिया। डीएलएसए के सचिव कमलेश बेहरा ने प्राधिकरण की कार्यप्रणाली की जानकारी देते हुए बताया कि महिलाओं और बच्चों सहित पात्र लोगों को निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है। उन्होंने पैनल अधिवक्ताओं, लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम तथा पात्र व्यक्तियों के लिए न्यायालय शुल्क में छूट की जानकारी दी। साथ ही पीड़ित प्रतिकर योजना के तहत एसिड अटैक, हत्या, बलात्कार और यौन उत्पीड़न जैसे मामलों के पीड़ितों को सहायता प्रदान किए जाने की जानकारी दी। उन्होंने लोगों को निःशुल्क विधिक सहायता के लिए टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 15100 का उपयोग करने के लिए भी प्रेरित किया। एसडीजेएम विद्यावती कुमारी ने महिलाओं के अधिकारों और उनके संरक्षण से जुड़े संवैधानिक प्रावधानों की जानकारी दी। उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 14, 16 और 39 (क) के महत्व को बताते हुए महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक बनने और आत्मनिर्भर बनने का संदेश दिया।

एक नजर

मांडर विधानसभा में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर प्रगतिशील महिला फुटबॉल प्रतियोगिता

मांडर। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मांडर विधानसभा क्षेत्र में महिलाओं के सशक्तिकरण और उन्हें हर क्षेत्र में आगे बढ़ाने के उद्देश्य से प्रगतिशील महिला फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। राज्य की पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की के निर्देश पर मांडर विधानसभा के पांचों प्रखंडों में यह प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएं खेल के माध्यम से अपनी प्रतिभा दिखा सकें और समाज में अपनी मजबूत पहचान बना सकें। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को आत्मविश्वासी बनाना, उन्हें खेल के प्रति प्रोत्साहित करना और यह संदेश देना है कि महिलाएं आज हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। खेल के माध्यम से महिलाएं न सिर्फ शारीरिक रूप से मजबूत बनती हैं बल्कि नेतृत्व क्षमता और टीम भावना भी विकसित करती हैं। प्रतियोगिता के तहत अलग-अलग प्रखंडों में मैच आयोजित किए जा रहे हैं। मांडर के शेख भिखारी स्टेडियम, हेसमी में मैच का उद्घाटन थाना प्रभारी द्वारा किया गया। वहीं शियार टोली स्टेडियम, इटकी में सीओ अनीश ने उद्घाटन किया। एसएस +2 स्कूल मैदान, लापुंग में बीडीओ उषा मिंज ने प्रतियोगिता की शुरूआत कराई। कठर टोली मैदान, बेड़ो में जिला परिषद सदस्य बेरोनिका टोप्पो ने उद्घाटन किया, जबकि संत बियानी मिशन स्कूल मैदान, चान्हो में सीओ संजीव कुमार ने प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। चान्हो प्रखंड के मिशन स्कूल मैदान में खेले गए उद्घाटन मैच में रघुनाथपुर और टांगर की टीम आमने-सामने थीं। रोमांचक मुकाबले में रघुनाथपुर की टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए टांगर को 2-0 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। इस अवसर पर सरिता तिग्गा, सेरोफिना मिंज, मो. इस्तेयाक, मुखिया शिव उरांव, मंगलेश्वर उरांव, अब्दुल्लाह अंसारी, इरशाद खान, आसमीन खातून, जया कुमारी, रमेश महली, अबूमाज,सरोज सिस्टर, दिनेश राम, बेरोनिका टोप्पो, सोगरा खारुन और मीना देवी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। आयोजकों ने बताया कि इस प्रतियोगिता के माध्यम से महिलाओं को आगे बढ़ने का अवसर दिया जा रहा है, ताकि वे खेल, शिक्षा और समाज के हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना सकें। प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला 14 मार्च को बेड़ो प्रखंड के बारीडीह मैदान में खेला जाएगा, जिसमें विभिन्न प्रखंडों की विजेता टीमें आमने-सामने होंगी। यह आयोजन इस बात का प्रतीक है कि आज की महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं और अवसर मिलने पर वे हर मंच पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा सकती हैं।

महिला दिवस पर चान्हों में महिला फुटबॉल प्रतियोगिता का आगाज

चान्हों। प्रखंड स्थित शनिवार अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर माननीय मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की के निदेशार्नुसार चान्हों प्रखंड के मिशन स्कूल मैदान में प्रगतिशील महिला फुटबॉल प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन मैच रघुनाथपुर और टांगर की टीमों के बीच खेला गया, जिसमें रघुनाथपुर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टांगर को 2-0 से पराजित कर अगले दौर में जगह बनाई। कार्यक्रम में अंचलाधिकारी संजीव कुमार, प्रखंड अध्यक्ष मो. इस्तेयाक, मुखिया शिव उरांव, मंगलेश्वर उरांव, जया कुमारी, इरशाद खान, अब्दुल्लाह अंसारी, दिनेश राम, झरिता उरांव, यासमीन खातून और मीना देवी समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने महिलाओं को खेलों के माध्यम से सशक्त बनाने की पहल की सराहना की और प्रतियोगिता के सफल आयोजन की कामना की।

सरहुल पूर्व संध्या की तैयारी को लेकर बैठक

रांची। सरना नवयुवक संघ, केंद्रीय समिति, राँची द्वारा 20 मार्च 26 को दीक्षांत मण्डप, राँची में आयोजित सरहुल पूर्व संध्या समारोह की तैयारी बैठक अध्यक्ष डॉ. हरि उराँव के अध्यक्षता में 13, आर आई टी भवन, कचहरी परिसर, राँची में सम्पन्न हुई। आगामी 15 मार्च 26 को उपसमितियों का गठन एवं एकल गीत स्वर परीक्षण होगी। बैठक के उपरांत 23 फरवरी 26 को चतरा में एयर एम्बुलेंस क्रश में कैप्टन विवेक विकास भगत के निधन पर शोक मनाया गया। राँची से उड़ान भरने के पूर्व कैप्टन विवेक ने रूट परिवर्तन का आग्रह किया था जिसका अनदेखी की गई और हवाई दुर्घटना में 7 जानें चली गई जो काफी दुःखद है. बैठक में अध्यक्ष डॉ. हरि उरांव, उपाध्यक्ष साधु उराँव, कोषाध्यक्ष डॉ. बन्दे खलखो, लोधेर उराँव, पंकज कुजूर, शोधार्थी सुखराम उरॉव, लक्ष्मण उराँव, अमर उराँव, जगदीश उरांव, कृष्णा उराँव,लखन उराँव, सुमित टाना भगत आदि उपस्थित थे।

जेएलकेएम जिला समिति की बैठक में संगठन विस्तार पर चर्चा

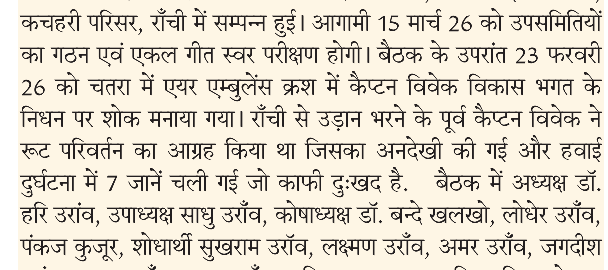

खूंटी। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) खूंटी जिला समिति की बैठक रविवार को तोरपा में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता कुणाल भगत ने की। बैठक में संगठन को मजबूत करने, सदस्यता अभियान को तेज करने तथा प्रखंड और पंचायत स्तर पर समिति गठन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई और आगे की कार्ययोजना तैयार की गई। बैठक के दौरान कई लोगों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। मौके पर सनीदेवल नाग सहित दर्जनों कार्यकताओं ने पार्टी की सदस्यता लेते हुए संगठन को मजबूत करने का संकल्प लिया। बैठक में केंद्रीय संयुक्त संगठन महासचिव मनीष साहू, जिला अध्यक्ष कुमार ब्रजकिशोर सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। नेताओं ने कहा कि संगठन को गांव-गांव तक मजबूत बनाने के लिए सदस्यता अभियान चलाया जाएगा और जल्द ही प्रखंड एवं पंचायत समितियों का गठन किया जाएगा।

‘आइए जागरूकता फैलाएं, मौन नहीं’ जागरूकता रैली शहर के विभिन्न मार्गो से गुजरी

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कैंसर जागरूकता को लेकर विशेष कार रैली निकाली गई

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रविवार को जीतो लेडीज विंग, हजारीबाग की ओर से कैंसर जागरूकता को लेकर विशेष कार रैली निकाली गई। यह कार्यक्रम ह्लड्राइव पर्पज झ नेशनल कैंपेनह्व के तहत आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य समाज में कैंसर और थैलेसीमिया जैसी गंभीर बीमारियों के प्रति लोगों के बीच जागरूकता फैलाना और खासकर महिलाओं को अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग करना था। सुबह करीब सात बजे लगभग 30 गाड़ियों के साथ कार रैली गांधी मैदान, मटवारी से शुरू हुई। रैली का मुख्य संदेश था झ ह्लआइए जागरूकता फैलाएं, मौन नहीं।ह्व प्रतिभागियों ने शहर के विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए लोगों को स्वास्थ्य जांच और समय पर

उपचार के प्रति जागरूक किया। इस मौके पर एएसपी शुभम नागरगोजे, निशा जायसवाल, समेत कई सामाजिक कार्यकर्ता और महिलाएं मौजूद रहीं। सभी ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि कैंसर जैसी बीमारी के प्रति समय रहते जागरूक होना बेहद जरूरी है।आयोजन के दौरान लोगों को कैंसर के प्रारंभिक लक्षण, समय पर जांच, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण और आधुनिक उपचार की सुविधाओं के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही थैलेसीमिया जैसी गंभीर बीमारी के प्रति भी लोगों को जागरूक किया गया और समय रहते जांच कराने के महत्व पर बल दिया गया।

आयोजकों ने बताया कि इस तरह के जागरूकता अभियान से समाज में स्वास्थ्य के प्रति सजगता बढ़ती है और लोग गंभीर बीमारियों से बचाव के लिए समय रहते कदम उठाते हैं। महिला दिवस के अवसर पर आयोजित यह कार रैली शहर में जागरूकता फैलाने की दिशा में एक सार्थक पहल रही। आयोजकों ने कहा कि इस कार्यक्रम को सफल बनाने में पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन और पुलिस प्रशासन का सराहनीय सहयोग मिला है।

झारखंड में बाम विकल्प तैयार करेगी भाकपा: अनिरुद्ध कुमार

उज्जवल दुनियां संवाददाता

हजारीबाग। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी हजारीबाग जिला परिषद की बैठक रविवार को महादेव मांझी की अध्यक्षता में मंजूर भवन नवाबगंज हजारीबाग में हुई। जिसमें जिले में सदस्यता अभियान चलाने,नवीकरण, पार्टी को मजबूत बनाने का निर्णय लिया गया। इस मौके पर भाकपा के जिला सचिव अनिरुद्ध कुमार ने कहा कि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी किसान मजदूर छात्र नौजवानों के हक अधिकार के लिए संघर्ष करते हुए 100 साल पूरे किए, इसीलिए आगे के रणनीति बनाने के लिए राज्य में बाम विकल्प देने के लिए शताब्दी वर्ष समारोह 15 मार्च 2026 को अटल वेंडर मार्केट के ऊपर सभागार में होगा, जिसमें हजारीबाग समेत राज्यभर से हजारों की संख्या में कार्यकर्ता भाग लेंगे। समारोह में मुख्य रूप से भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव डी राजा, राज्यसभा सांसद पी संतोष, पश्चिम बंगाल के पूर्व मंत्री शिवकुमार मुखर्जी केंद्र एवं राज्य के कई बड़े नेता भाग लेंगे। राज्य भर में तैयारी की जा रही है, जिसमें हजारों की संख्या में पूरे राज्य की कार्यकर्ता बढ़-चढ़ के हिस्सा लेंगे, राज्य में मजबूत कम्युनिस्ट पार्टी के निर्माण एवं आगे के लिए बड़ी संघर्ष की तैयारी की जाएगी। जिला सचिव ने कहा कि बीते हुए कल को याद करते हुए आगे जो चुनौतियां हैं। उन चुनौतियों को स्वीकार करते हुए राज्य में बड़ी लड़ाई लड़ी जाएगी। हजारीबाग जिले में बड़कागांव पूंजीपतियों का चारागाह बनता जा रहा है। अप्रैल में जिला में बड़ा आंदोलन खड़ा किया जाएगा। बैठक में जिला सचिव अनिरुद्ध कुमार, सहायक जिला सचिव प्रोफेसर अनवर हुसैन, राज्य कार्यकारिणी के कृष्णा मेहता, राज्य परिषद के सदस्य नीमन यादव, समसुद्दीन अंसारी, रामकुमार, आनंद पांडे, राम कृत सिंह, अवध कुमार, रामेश्वर साहू, मोहम्मद जहूर, मोहम्मद इस्लाम, सहित कई लोग मौजूद थे।

केरेडारी के पाताल में सरहुल पर्व को लेकर बैठक आयोजित

उज्जवल दुनियां संवाददाता

केरेडारी।केरेडारी प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत पताल गांव स्थित सरना स्थल में आगामी सरहुल परब की तैयारी को लेकर रविवार को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई! बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि सरहुल पर्व को पारंपरिकी रीतिरिवाजों और सामाजिक एकता के साथ मनाया जायगा! सरहुल पूजा के उपरांत एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं पर्यावरण को लेकर जन जागरूकता कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाएगा! जिससे समाज की परंपरा, संस्कृति और प्रकृति संरक्षण के संदेश को व्यापक रूप से लोगों तक पहुँचाया जा सके। इस अवसर पर कार्यक्रम में लोक कलाकार मजबूल खान, कलाकार संगीता सहित अन्य कलाकार अपनी प्रस्तुतियों से सांस्कृतिक कार्यक्रम को आकर्षक बनाएंगे और सरहुल की पारंपरिक झलक प्रस्तुत करेंगे! बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि सरहुल पर्व के दिन गाँव के पाहन सरना स्थल पर पारंपरिक विधि-विधान से पूजा-अर्चना करेंगे, जिसके बाद श्रद्धालुओं के साथ पारंपरिक जुलूस निकाला जाएगा! कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा तैयार करने के लिए अगले रविवार को पुनः बैठक आयोजित की जाएगी! इस बैठक में पताल गाँव के सभी टोला–बड़की मेड़ी, छोटकी मेड़ी, कसियातरी, पड़रिया टांड, डमारु पताल सहित आसपास के अन्य गाँवों के ग्रामीण भी भाग लेंगे! बैठक में समाजसेवी विकास महतो, मनकु महतो, सोहर महतो, उपमुखिया अजय मुंडा, गणेश महतो, अकला मुंडा, सुलेन्द्र महतो, दिलीप महतो, निर्मल महतो, बीरेंद्र महतो, फुलेश्वर महतो, सोमर गंझु, अरविन्द कुमार सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे!

नियमों को ताक पर रख कर फल फुल रहा है अवैध ईंट भट्ठों का कारोबार

निजी उपयोग का झाँसा देकर वर्षो से चल रहा है बड़ा व्यवसाय

उज्जवल दुनियां संवाददाता

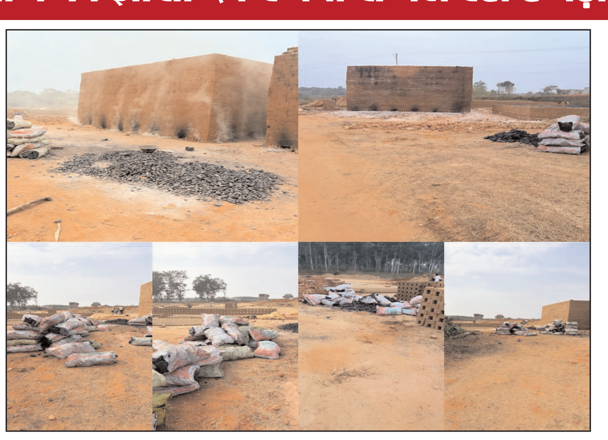

विष्णुगढ़। विष्णुगढ़ प्रखण्ड अंतर्गत नवादा से डुमरडीहा जोड़ने वाले मुख्य मार्ग में सड़क के किनारे ही वृहद पैमाने पर अवैध बांग्ला ईंट भट्ठे का संचालन किया जा रहा है। छोटे स्तर पर निजी उपयोग का झांसा देकर बड़े पैमाने पर इन अवैध ईंट भट्ठों का कारोबार चलाया जाता है। प्राप्त जानकारी के अनुसार उक्त मार्ग में सड़क किनारे बड़े पैमाने पर अलग-अलग स्थान में कुल तीन बड़े-बड़े बांग्ला ईंट भट्ठों का संचालन किया जा रहा है। इसके साथ ही इन अवैध ईंट भट्ठों को सुलगाने हेतु अवैध कोयलों का भंडारण भी किया जाता है। यह कारोबार विष्णुगढ़ प्रखंड में बड़े स्तर पर फैला हुआ है, जिसमें नियम को साफ तौर पर ताक पर रख कर ट्रैक्टर के माध्यम से 1000 से 1500 ईंटें प्रति ट्रैक्टर के दर से बेचे जाते हैं और खरीददार को उनके निर्माण कार्य के स्थल तक पहुँचा कर देते हैं। जानते हैं क्या है नियम ईंट भट्ठे के संचालन के लिए। झारखंड उच्च न्यायालय द्वारा लागू नियम के अनुसार मिट्टी निकालने पर पर्यावरण की स्वीकृति और झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की अनुमति अनिवार्य है, व्यवसायियों को अपनी कमाई का निर्धारित हिस्सा डीएमएफटी में जमा करना भी अनिवार्य है, वन सीमा से एक किमी के दायरे में संचालन करने पर भी रोक है। लेकिन इन सभी नियमों को ताक पर रख कर बड़े पैमाने पर मिट्टी का खनन कर ईंटों की खरीद बिक्री का या व्यवसाय फल फूल रहा है और बिना झिझक के संचालित इस कारोबार को संरक्षण प्राप्त होने की आशंका प्रतीत होती है, जो कि जाँच का विषय है। हालांकि, इतने खुले में और बड़े स्तर पर नियम को ताक पर रखना और इस कारोबार को संचालित करना प्रसाशनिक गतिविधि पर बड़ा प्रश्न खड़ा करता है। बहरहाल अवैध कार्यों में संलिप्त नियम को ताक पर रखने वाले लोगों के विरुद्ध अब तक किसी प्रकार की कार्रवाई होती नजर नहीं आई है।

बरही के भगवती मंदिर में रामनवमी की तैयारी तेज, नवलकिशोर सिंह बने पूजा समिति के

उज्जवल दुनियां संवाददाता

बरही। धनबाद रोड बरही स्थित भगवती मंदिर परिसर में आगामी रामनवमी पूजा की तैयारियों को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से रामनवमी पूजा समिति का गठन किया गया, जिसमें नवलकिशोर सिंह को अध्यक्ष चुना गया। वहीं अरुण वर्णवाल को उपाध्यक्ष, मनितोष यादव को महासचिव तथा अंकित साव को सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई। समिति में संजय केशरी एवं पंकज वर्णवाल को कोषाध्यक्ष बनाया गया। इसके साथ ही बबलू ठाकुर, अनिल केशरी (डब्बू), अविनाश कुमार साव, मनोज उपाध्याय, संतोष ठाकुर, रमेश श्रीवास्तव तथा संतोष गुप्ता को उप कोषाध्यक्ष के रूप में जिम्मेदारी दी गई। बैठक में मुख्य रूप से संरक्षक के रूप में सुरेंद्र रजक, रमेश ठाकुर तथा भगवती सेवा संस्थान के अध्यक्ष विपिन कुमार सिन्हा उपस्थित रहे। इसके अलावा अनुज साव, जयप्रकाश केशरी, विनय साव, मुकेश गुप्ता, दिलीप गुप्ता, गणेश गुप्ता, मंटू केशरी, मुनेश केशरी और अशोक केशरी को भी समिति का संरक्षक बनाया गया। इस अवसर पर नवगठित समिति के सभी पदाधिकारियों का अंगवस्त्र पहनाकर तथा मिठाई खिलाकर स्वागत और सम्मान किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि इस वर्ष रामनवमी पूजा को सौहार्दपूर्ण वातावरण में पूरे धूमधाम और भव्यता के साथ मनाया जाएगा।

बड़कागांव मनरेगा कर्मी 9 मार्च से सांकेतिक एवं 12 मार्च से रहेंगे अनिश्चितकालीन हड़ताल में

उज्जवल दुनियां संवाददाता

बड़कागांव। बड़कागांव प्रखंड के सभी मनरेगा कर्मी आगामी 9 मार्च से 11 मार्च तक सांकेतिक हड़ताल पर रहने का निर्णय लिया। बावजूद लंबित मांगों की पूर्ति नहीं होने की स्थिति में 12 मार्च से अनिश्चितकालीन हड़ताल में जाने वाले हैं। इस संबंध में बड़कागांव के मनरेगा कर्मियों ने बड़कागांव प्रखंड विकास पदाधिकारी जितेंद्र कुमार मंडल को इस आंदोलन की सूचना दी है। ज्ञात हो कि झारखंड राज्य मनरेगा कर्मचारी संघ प्रदेश कमेटी के निर्णय के अनुसार उक्त हड़ताल के संबंध में निर्णय लिया गया है। पांच माह से अधिक समय से लंबित मानदेय, 30 प्रतिशत मानदेय बढ़ोतरी की स्वीकृत होने के बावजूद लागू नहीं करने सहित कई असंगत कार्य परिस्थितियों के विरोध में उक्त हड़ताल में जाने का निर्णय लिया गया है। मनरेगा कर्मियों के हड़ताल में जाने की स्थिति में पूरे प्रखंड में मनरेगा कार्य की ठप होने की पूरी संभावना है एवं मजदूरों को रोजगार नहीं मिलने की स्थिति बन सकती है।

वैदिक श्री श्री 1008 शिव हनुमंत श्री सुर्यनारायण प्राण प्रतिष्ठा को लेकर किया गया ध्वजारोहण

उज्जवल दुनियां संवाददाता

केरेडारी। केरेडारी प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत बेलतू में वैदिक श्री श्री 1008 शिव हनुमंत श्री सुर्यनारायण प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ को लेकर रविवार को वैदिक मंत्रोचार के साथ ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया! इस दौरान पूरे विधि विधान से श्रद्धालु भक्तों ने पूजा अर्चना किया!और वैदिक श्री श्री 1008 शिव हनुमंत श्री सुर्यनारायण प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ की आधारशिला रखी! इस संदर्भ में श्रद्धालु भक्तों ने बताया कि महयगय को लेकर आगामी 24 मार्च को प्रातःकाल में जल यात्रा मंडप प्रवेश जिलाधिवंश एवं पूजन आरती का आयोजन किया गया है! वहीं 25 मार्च को वेदी पूजन मंडप पूजन नगर भ्रमण और रात्रि में कथा प्रवचन का आयोजन किया गया है!26 मार्च को वेदी पूजन मंडप पूजन नगर भ्रमण और रात्रि में कथा प्रवचन का आयोजन किया गया है!27 मार्च को वेदी पूजन मंडप पूजन प्राण प्रतिष्ठा एवं रात्रि में कथा प्रवचन का आयोजन किया गया है!28 मार्च को सामूहिक हवन अपूणार्हुति आरती और महाप्रसाद वितरण का कार्यक्रम निर्धारित किया गया है! उक्त महायज्ञ में यज्ञाचार्य पंडित जयनंदन मिश्रा उपाचार्य पंडित वेद ब्यास मिश्रा मंदिर पुजारी पंडित वरुण मिश्रा मानस प्रवक्ता हल श्री चल बाबा का कार्यक्रम निर्धारित है। वहीं महायज्ञ समिति में अध्यक्ष जितनी देवी सचिव राजेश साहा कोषाध्यक्ष जितेंद्र कुमार उपाध्यक्ष बालेश्वर कुमार उपसचिव लखन

पासवान नीरू साव,सुखारी साव ,लोकन राणा, अनिल भगत संजय कुमार नकुल साव बबलू कुमार रामसेवक साव सुरेंद्र राणा बजरंग साव,अनंत साव हेमाली पासवान ,रिंकी कुमारी गांव के प्रतिनिधि गण पायल मालिक समेत बड़ी संख्या श्रद्धालु भक्त का नाम शामिल है।

एक नजर

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता ने महिलाओं के अधिकार, शिक्षा, आत्मनिर्भरता पर दिया जोर

हजारीबाग। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर भाजपा नेत्री सह समाजसेवी शेफाली गुप्ता ने महिलाओं के अधिकार, शिक्षा, आत्मनिर्भरता एवं सशक्तिकरण को लेकर विशेष संदेश दिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज की महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और क्षमता से समाज एवं देश को आगे बढ़ाने का कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होना चाहिए तथा शिक्षा को जीवन का सबसे बड़ा हथियार बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब महिलाएं शिक्षित और आत्मनिर्भर बनेंगी, तभी समाज और राष्ट्र का वास्तविक विकास संभव होगा। उन्होंने आगे कहा कि सरकार द्वारा महिलाओं के उत्थान और सशक्तिकरण के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिनका लाभ लेकर महिलाएं अपने जीवन को बेहतर बना सकती हैं। उन्होंने महिलाओं से अपील करते हुए कहा कि आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें और समाज में अपनी मजबूत पहचान बनाएं। समाज में महिलाओं को समान अधिकार और सम्मान दिलाना हम सभी की जिम्मेदारी है, और इसके लिए निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए।

सांसद मनीष जायसवाल ने सैकड़ों समर्थकों के साथ केक काटकर मनाया जन्मदिन

हजारीबाग। हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल ने रविवार को अपने जन्मदिन सादगी, सेवा भावना और जनसंपर्क के माहौल में मनाया। इस अवसर पर दिनभर विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, उनके समर्थक और शुभचिंतक शामिल हुए। जन्मदिन के साथ ही अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का भी संयोग रहने के कारण कार्यक्रमों में विशेष उत्साह देखने को मिला और महिलाओं के सम्मान का संदेश भी उन्होंने दिया। जन्मदिन की शुरूआत सांसद मनीष जायसवाल ने हजारीबाग के मेडिकल कॉलेज अस्पताल परिसर स्थित मेल सर्जिकल वार्ड पहुँचकर की। यहाँ हजारीबाग यूथ विंग के पदाधिकारी एवं सदस्यों के साथ मिलकर उनके द्वारा सांसद श्री जायसवाल के जन्मदिन के मौके पर अस्पताल में भर्ती मरीजों और उनके परिजनों के बीच फल का वितरण किया गया। सांसद मनीष जायसवाल ने अपने हाथों से फल वितरण किया। इस दौरान उन्होंने मरीजों का हालचाल भी जाना और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करने के साथ उन्हें फलाहार कराया। इसके बाद वे ओल्ड एज होम पहुँचे, जहाँ बुजुर्गों के बीच समय बिताते हुए उनके साथ आत्मीय बातचीत की। बुजुर्गों को उन्होंने अल्पाहार कराया और उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया। इस कार्यक्रम में भाजपा कार्यकताओं और सांसद समर्थकों की भी सक्रिय भागीदारी रही।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर करियातपुर मुखिया मनोज कुमार ने महिलाओं को दी शुभकामनाएं

बरही। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर बरही प्रखंड अंतर्गत करियातपुर पंचायत के मुखिया मनोज कुमार ने क्षेत्र की सभी महिलाओं को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि महिला दिवस महिलाओं के सम्मान, उनके अधिकारों और समाज में उनके योगदान को याद करने का महत्वपूर्ण अवसर है। मुखिया मनोज कुमार ने कहा कि महिलाएं आज हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और क्षमता का परिचय दे रही हैं। शिक्षा, राजनीति, प्रशासन, खेल और सामाजिक क्षेत्र में महिलाएं आगे बढ़कर देश और समाज का नाम रोशन कर रही हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण के बिना समाज का समग्र विकास संभव नहीं है। इसलिए सभी को मिलकर महिलाओं को शिक्षा, सम्मान और अवसर प्रदान करने के लिए आगे आना चाहिए। मुखिया मनोज कुमार ने कहा कि समाज में महिलाओं को बराबरी का अधिकार और सम्मान मिलना चाहिए। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे महिलाओं के प्रति सम्मान और सहयोग की भावना रखें, ताकि एक मजबूत और समृद्ध समाज का निर्माण हो सके।

केरेडारी में तैलीक साहू समाज की अहम बैठक में पुनम साहू को बहिष्कृत करने का लिया निर्णय

केरेडारी। अखिल भारतीय तैलिक साहू समाज केरेडारी प्रखंड इकाई का एक अहम बैठक केरेडारी के महाबीर मंदिर के प्रांगण में की गई! बैठक में सर्व प्रथम बीते पाँच मार्च के रात्रि में बड़कागांव के नापो निवासी रोहित साव व प्रदीप साव को दरिंदों द्वारा निर्मम हत्या को लेकर समाज के लोगों ने शोक सवेंदना व्यक्त किया ! वही घटना के बाद पीड़ित परिवार के लोगों द्वारा घटना की विरोध में बड़कागांव चौक पर किए गए सड़क जाम में पीड़ित परिजनों के सहयोग में समर्थन कर रहे पूर्व विधायक अंबा प्रशाद के प्रति भाजपा के सांसद प्रतिनिधि पूनम साहू द्वारा अनर्गल ब्यान अंबा खातून जैसे शब्द का साहू समाज के द्वारा घोर निंदा किया गया! साथ ही भविष्य में केरेडारी प्रखंड अंतर्गत साहू समाज के किसी भी कार्यक्रम में आमंत्रण व कार्यक्रम में प्रवेश पर रोक लगाने का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही वह भी निर्णय लिया गया है कि पूनम साहू जब तक अपने अनर्गल बयान को वापस नहीं लेती है और समाज के बीच उपस्थित होकर माफी नहीं माँगती है तब तक साहू समाज से बहिष्कृत रहेगी!!पूनम साहू के बयान को लेकर साहू समाज में ज़िला से लेकर राज्य स्तर तक आक्रोश हैव्याप्त है! जिसका खामयाजा भविष्य में पूनम साहू को भुगतना पड़ेगा! बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष सुरेश साव ने किया!

गैस सिलेंडर की कीमत में 60 रुपये की बढ़ोतरी को बताया आम लोगों पर बोझ

बरही। कांग्रेस बरही प्रखंड अध्यक्ष अब्दुल मनान वारसी ने केंद्र की मोदी सरकार पर महंगाई को लेकर तीखा हमला बोला है। उन्होंने प्रेस बयान जारी कर कहा कि देश में नित्यदिन महंगाई बढ़ती जा रही है, जिसका सीधा असर आम लोगों की जेब पर पड़ रहा है। खाने-पीने की वस्तुओं से लेकर आवश्यक सामान तक की कीमतों में लगातार वृद्धि हो रही है, जिससे गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों का जीवन कठिन होता जा रहा है। अब्दुल मनान वारसी ने कहा कि रसोई गैस सिलेंडर की कीमत में 60 रुपये की बढ़ोतरी कर केंद्र सरकार ने आम जनता पर अतिरिक्त बोझ डाल दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार महंगाई को नियंत्रित करने में पूरी तरह विफल साबित हो रही है और इसका खामियाजा देश की जनता को भुगतना पड़ रहा है।

बरकट्ठा थाना क्षेत्र में जमीन पर जबरन कब्जे करने का मामला आया सामने

पीड़ित परिवार ने थाना लेकर जिला प्रशासन से लगाई न्याय की गुहार

उज्जवल दुनिया संवाददातां

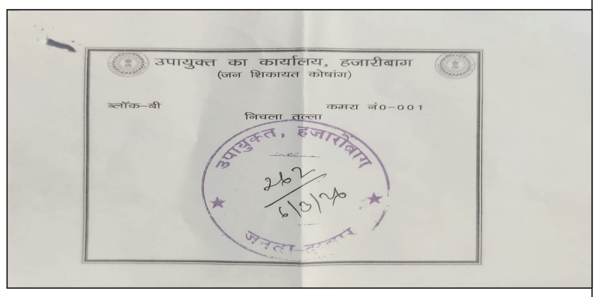

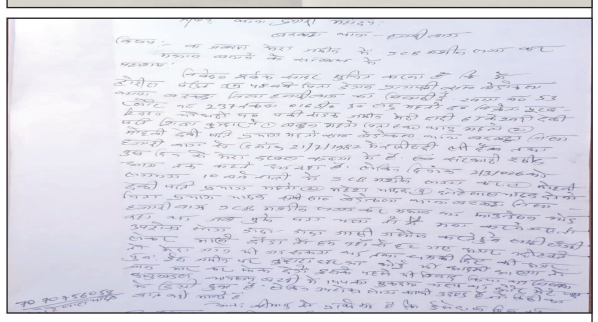

हजारीबाग। जिले के बरकट्ठा थाना अंतर्गत बेड़ो काला गांव में जमीन कब्जाने का एक गंभीर मामला सामने आया है। इस मामले को लेकर पीड़ित होरिल पंडित ने स्थानीय थाना से लेकर जिला प्रशासन से लिखित आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है। पीड़ित ने अपने आवेदन में आरोप लगाया है कि कुछ दबंगों ने उनकी पुश्तैनी जमीन पर जबरन कब्जा कर लिया है। पीड़ित का कहना है कि रातोंरात जेसीबी मशीन लगाकर जमीन की बाउंड्री कर दी गई, जिससे वह पूरी तरह हैरान और परेशान हैं। होरिल पंडित के अनुसार, यह जमीन उनकी दादी ने वर्ष 1984 में विधिवत रूप से खरीदी थी। उस समय जमीन की रजिस्ट्री भी कराई गई थी और बाद में उसका म्यूटेशन भी हो चुका है। इसके अलावा इस जमीन की सरकारी रसीद भी हर वर्ष नियमित रूप से कटती रही है, जो इस बात का प्रमाण है कि जमीन उनके परिवार की ही है। बावजूद इसके, कुछ दबंग लोगों ने जबरन कब्जा कर लिया। पीड़ित ने बताया कि उन्हें पहले से आशंका थी कि कुछ लोग उनकी जमीन पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं। इसको लेकर उन्होंने पहले ही बरकट्ठा थाना में लिखित आवेदन देकर पुलिस प्रशासन को इसकी सूचना दी थी और कार्रवाई की मांग की थी। लेकिन उनका आरोप है कि थाना स्तर पर इस मामले में कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। होरिल पंडित ने कहा कि यदि समय रहते प्रशासन ने कार्रवाई की होती तो शायद उनकी जमीन पर कब्जा नहीं हो पाता।

उनका आरोप है कि इसी लापरवाही का फायदा उठाकर दबंगों ने रातोंरात जेसीबी मशीन लगाकर जमीन के चारों ओर बाउंड्री करा दी और कब्जा जमा लिया। न्याय की उम्मीद में पीड़ित लगातार अधिकारियों के कार्यालय का चक्कर काट रहे हैं। होरिल पंडित ने इस मामले को लेकर हजारीबाग के उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक और बरही के अनुमंडल पदाधिकारी को भी लिखित आवेदन देकर पूरे मामले से अवगत कराया है और निष्पक्ष जांच कराकर न्याय दिलाने की मांग की है। पीड़ित का कहना है कि पिछले लगभग 15 दिनों से वह लगातार थाना और प्रशासनिक कार्यालयों के चक्कर लगा रहा है, लेकिन अभी तक उसे न्याय नहीं मिल पाया है। इस घटना के बाद पीड़ित परिवार काफी भय और तनाव में है। ग्रामीणों का भी कहना है कि यदि किसी व्यक्ति के पास जमीन के सभी वैध कागजात होने के बावजूद उसकी जमीन पर इस तरह से कब्जा कर लिया जाता है, तो यह प्रशासन और कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर जल्द से जल्द दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और पीड़ित को उसकी जमीन वापस दिलाई जाए। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस मामले में कितनी जल्दी कार्रवाई करता है और पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए क्या कदम उठाए जाते हैं।

पूनम साहू के अमर्यादित बयान पर तैलिक साहु समाज की कड़ी निंदा

उज्जवल दुनिया संवाददाता

बड़कागांव। बड़कागांव अखिल भारतीय तैलिक साहु समाज एवं राष्ट्रीय तेली साहु महासंगठन की प्रखंड इकाई के तत्वावधान में पंकरी बरवाडीह स्थित भोक्ता स्थान दुर्गा मंदिर परिसर में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष जगतनंदन प्रसाद गुप्ता ने की, जबकि संचालन चनदर साव ने किया।

बैठक में तेली साहु समाज के संगठन को मजबूत करने तथा आगामी अप्रैल माह में भामाशाह जयंती मनाने को लेकर चर्चा की गई। इसके साथ ही 5 मार्च को हजारीबाग जिले के बड़कागांव थाना क्षेत्र के नापो गांव में हुई घटना को लेकर सांसद प्रतिनिधि पूनम साहू द्वारा बड़कागांव विधानसभा की पूर्व विधायक अंबा प्रसाद पर दिए गए बयान की समाज के लोगों ने कड़ी निंदा की।

बैठक में उपस्थित समाज के लोगों ने एक स्वर में कहा कि समाज की बेटी के प्रति अपशब्द कहना और उन्हें अपमानित करना किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, चाहे वह कोई भी व्यक्ति क्यों न हो। वक्ताओं ने कहा कि इस प्रकार की अमर्यादित भाषा का प्रयोग करने वालों को इससे बाज आना चाहिए और अपनी गलती स्वीकार करते हुए समाज से माफी मांगनी चाहिए।

हनुमान सेना की बैठक में रामनवमी महोत्सव की तैयारी, राजेश केसरी उर्फ मेवालाल बने अध्यक्ष

उज्जवल दुनिया संवाददाता

बरही। हनुमान सेना बरही की एक महत्वपूर्ण बैठक हजारीबाग रोड स्थित बजरंगबली मंदिर के प्रांगण में आयोजित की गई। बैठक में आगामी रामनवमी महोत्सव को धूमधाम और भव्य तरीके से मनाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान संगठन की नई कार्यकारिणी का गठन भी सर्वसम्मति से किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से राजेश केसरी उर्फ मेवालाल को हनुमान सेना का अध्यक्ष चुना गया। वहीं मनीष ठाकुर को सचिव तथा प्रवीण सिंह को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। संगठन के उपाध्यक्ष के रूप में लोकेश ठाकुर, अमित सिंह उर्फ छोटू, राजवंशी सिंह, रंजीत केसरी, गुड्डू केसरी, संतोष ठाकुर कालीचरण, विनोद केसरी, संतोष केसरी, पिंटू चंद्रवंशी, टिंकू आलम, रंजीत केसरी एवं मनोज सोनी को चुना गया। इसके अलावा उपकोषाध्यक्ष पद पर सोनू राणा और रोहित ठाकुर को जिम्मेदारी दी गई। वहीं उपसचिव के रूप में राकेश सिंह और चंदन केसरी को मनोनीत किया गया। बैठक में संगठन के मुख्य संरक्षक के रूप में होरिल सिंह, मुखिया शमशेर आलम, पूर्व मुखिया प्रतिनिधि रमेश ठाकुर, कैलाशपति सिंह, नागेश्वर केसरी, नरेश सिंह, राजकुमार केसरी, मोती सिंह, लाखन सिंह, भोला पासवान, वाल्मीकि साहू और पप्पू चंद्रवंशी को जिम्मेदारी सौंपी गई। वहीं कार्यकारी सदस्य के रूप में धीरज कुमार, राकेश सिंह, संदीप केसरी, सुजल कुमार, रोहित ठाकुर, रितेश केसरी, धीरज मालाकार, आयुष केसरी, चंदन केसरी, राजीव पासवान, रोहित पासवान उर्फ चोखे, सोनू राणा, अनीश कुमार, गौतम केसरी, सनी राणा, सौरभ पासवान, रंजीत केसरी, पिंटू चंद्रवंशी, संतोष केसरी, मुकेश केसरी, बाबू केसरी, राहुल केसरी, आदित्य कसेरा, अक्षय सिंह, सुजल रजक, छोटू सिंह, संतोष ठाकुर, रणजीत सिंह, कैलाशपति सिंह, नागो केसरी, रवि केसरी, अभय सिंह एवं राजवंशी सिंह को शामिल किया गया। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने निर्णय लिया कि इस वर्ष रामनवमी महोत्सव को पूरे उत्साह और आपसी सहयोग के साथ मनाया जाएगा तथा धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा। संगठन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष राजेश केसरी उर्फ मेवालाल ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी के सहयोग से रामनवमी महोत्सव को भव्य रूप से सफल बनाया जाएगा।

महिला दिवस पर बिरहोर टोला में सेवा कार्यक्रम, महिलाओं को साड़ी व बच्चों को मिठाई वितरित

गरीबों के उत्थान और सहयोग के लिए लगातार कार्य कर रहा है विनोद प्रगतिशील फाउंडेशन : यमुना यादव

उज्जवल दुनिया संवाददाता

बरही। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विनोद प्रगतिशील फाउंडेशन की ओर से बरही प्रखंड के खोड़ाहर पंचायत अंतर्गत केवाल गांव स्थित बिरहोर टोला में एक विशेष सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर फाउंडेशन के सदस्यों ने आदिम जनजाति बिरहोर परिवारों के बीच पहुंचकर महिलाओं को साड़ी तथा बच्चों को मिठाई वितरित कर उन्हें सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान फाउंडेशन के सदस्यों ने कहा कि संस्था का मुख्य उद्देश्य गरीब, जरूरतमंद और वंचित वर्गों की सहायता करना है। महिला दिवस के अवसर पर बिरहोर समुदाय की महिलाओं को सम्मान देने और उनके प्रति सहयोग की भावना से इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। फाउंडेशन के संस्थापक सदस्य यमुना यादव ने कहा कि गरीबों का विकास और सहयोग ही संस्था का मुख्य लक्ष्य है। उन्होंने बताया कि विनोद प्रगतिशील फाउंडेशन समय-समय पर विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों के माध्यम से जरूरतमंद लोगों की सहायता करता रहा है। बरसात के दिनों में सैकड़ों बेघर लोगों के बीच राहत सामग्री का वितरण किया गया है, वहीं युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए खेल सामग्री भी उपलब्ध कराई जाती है। इसके साथ ही विधवा महिलाओं को सम्मानपूर्वक वस्त्र देकर सहयोग करने का कार्य भी किया गया है। उन्होंने कहा कि बरही विधानसभा क्षेत्र में ऐसे कई सामाजिक कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जाते रहे हैं और आगे भी यह सिलसिला जारी रहेगा। साथ ही फाउंडेशन के सदस्यों ने निर्णय लिया कि हजारीबाग जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में संस्था के उद्देश्यों को आगे बढ़ाते हुए जरूरतमंद लोगों की निःस्वार्थ भाव से सेवा की जाएगी। इस अवसर पर फाउंडेशन के संस्थापक सदस्य यमुना यादव, विभूति भूषण, प्रताप सिंह, रघुनंदन गोप, गाजो गोप, द्वारिका रविदास, दिलीप यादव, नीरज सिंह, विवेक यादव, सरवन यादव सहित कई सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान बिरहोर परिवारों ने फाउंडेशन के इस प्रयास की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया।

स्व. तिलेश्वर साहू की 12वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा, जनसेवा के कार्यों को किया गया याद

उज्जवल दुनिया संवाददाता

बरही। बरही में स्व. तिलेश्वर साहू की 12वीं पुण्यतिथि के अवसर पर उनके बरही स्थित आवास पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत बरही विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी सह स्व. तिलेश्वर साहू के पुत्र अरुण साहू ने अपने परिवार के साथ भगवान की पूजा-अर्चना कर की। इस दौरान परिवार के सदस्यों ने बरही विधानसभा क्षेत्र सहित समस्त परिवार के सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। पूजा-अर्चना के पश्चात श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। श्रद्धांजलि सभा में पूर्व मंत्री सह हजारीबाग कांग्रेस जिलाध्यक्ष जेपी पटेल, झामुमो नेत्री शालिनी गुप्ता, स्व. तिलेश्वर साहू के पुत्र एवं बरही विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी अरुण साहू तथा उनकी पत्नी साबी देवी मुख्य रूप से उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन कांग्रेस नेता दीपक गुप्ता ने किया। इस अवसर पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष जेपी पटेल ने स्व. तिलेश्वर साहू को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि वे समाज के गरीब, वंचित और जरूरतमंद लोगों की सशक्त आवाज थे। उन्होंने हमेशा समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों के विकास की सोच को आगे बढ़ाया और उनके अधिकारों के लिए निरंतर संघर्ष करते रहे। वहीं झामुमो नेत्री शालिनी गुप्ता ने कहा कि बरही विधानसभा क्षेत्र में अब राजनीतिक हत्या जैसी घटनाओं पर विराम लगना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि स्व. तिलेश्वर साहू को सच्ची श्रद्धांजलि देनी है तो उनके विचारों और आदर्शों को जीवित रखना होगा। साथ ही उन्होंने बरही की जनता से अपील करते हुए कहा कि उनके वंशज को राजनीति में आगे बढ़ाकर उन्हें मजबूत समर्थन देना चाहिए। इस मौके पर स्व. तिलेश्वर साहू के पुत्र अरुण साहू ने कहा कि उनके पिता ने हमेशा समाज के बीच रहकर लोगों की समस्याओं को समझा और उनके समाधान के लिए संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि उनके पिता के अधूरे सपनों को पूरा करना ही उनके लिए सबसे बड़ी श्रद्धांजलि होगी। स्व. तिलेश्वर साहू की पत्नी साबी देवी ने कहा कि तिलेश्वर साहू का पूरा जीवन समाज सेवा के लिए समर्पित रहा। उन्होंने हमेशा लोगों के दुख-दर्द को अपना समझकर उनकी मदद की और समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलने का कार्य किया। इस अवसर पर साहू समाज के अनुमंडलीय अध्यक्ष अमित साहू ने कहा कि स्व. तिलेश्वर साहू गरीब, युवा, शोषित और वंचित वर्गों को आगे बढ़ाने की सोच रखते थे। उनका जीवन समाज के लिए प्रेरणादायक है और आने वाली पीढ़ियों को उनसे सीख लेनी चाहिए।

रामनवमी पर्व हर्षोउल्लास एवं धूमधाम से मनाने को लेकर ओरिया में बैठक

उज्जवल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। सदर प्रखण्ड स्थित ओरिया शिवमंदिर प्रांगण में रामनवमी पर्व हर्षोंउल्लास एवं धूमधाम से मनाने को लेकर रविवार की अहले सुबह स्थानीय ग्रामीणों की काफी महत्वपूर्ण बैठक हुई। जय श्री राम के गगनभेदी जयकारा के साथ बैठक प्रारंभ हुआ। जिसकी अध्यक्षता रामनवमी पूजा समिति के पूर्व अध्यक्ष हीरालाल कुमार ने किया। सर्वप्रथम कमिटी का गठन किया गया। सर्वसम्मति से अध्यक्ष हरेंद्र कुमार गुप्ता, उपाध्यक्ष नारायण यादव, सचिव टिंकू कुमार, उपसचिव दिलीप कुमार, कोषाध्यक्ष राजदीप कुमार, उपकोषाध्यक्ष गणपति राम, पूजा मंत्री आशीष कुमार, जुलुस मंत्री अशोक यादव, संरक्षक अभय शंकर पासवान, निरंजन यादव, दीपक कुमार साव, राजेश कुमार दास को बनाया गया। पूजा- पाठ, मंगला जुलुस, सजावट एवं रामनवमी पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाने को लेकर विशेष बातचीत हुई। उपस्थित ग्रामीणों ने रामनवमी पर्व पूरी भव्यता एवं उत्साह के साथ मनाने पर अपना-अपना परामर्श दिया। हर वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष और बेहतर करने का संकल्प लिया। इस दौरान उपस्थित ग्रामीणों ने नवगठित कमिटी को ढेर सारी बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मौके पर मुख्य रूप से चमन साव, सीताराम साव, प्रेम कुमार, बबलू यादव, शैलेश पासवान, द्वारिका साव, पोखराज राणा, धर्मेन्द्र पासवान, घनश्याम कुमार, संतोष कुमार, पंकज कुमार, मोहन कुमार, नवीन कुमार, दीपक कुमार, हरिश कुमार गुप्ता, गोविन्द यादव, गुडिया कुमार, सुनील यादव, अनिल यादव, प्रकाश कुमार राणा, पंकज यादव, रंजीत यादव, विक्रम कुमार, अमरजीत कुमार, सौरभ कुमार, रिशु कुमार, करण कुमार, रोहित कुमार, अमित पासवान उर्फ छोटू, राजा कुमार सहित कई ग्रामीण उपस्थित रहे.

हजारीबाग में सवर्ण एकता मंच की बैठक में यूजीसी रेगुलेशन 2026 के विरोध में 16 मार्च को धरना प्रदर्शन का निर्णय

उज्जवल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। सवर्ण एकता मंच की एक महत्वपूर्ण बैठक रविवार को दीपुगढ़ा कोऑपरेटिव कॉलोनी स्थित मुख्य संयोजक मुकेश कुमार सिंह के आवास पर आयोजित की गई। इस बैठक में सवर्ण एकता मंच के संयोजक समिति के सदस्यों सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित हुए। बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन के विस्तार, सामाजिक एकजुटता और वर्तमान समय में सवर्ण समाज से जुड़े मुद्दों पर विचार-विमर्श करना था। बैठक के दौरान उपस्थित सदस्यों ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा समाज के विभिन्न वर्गों को एक मंच पर लाने को लेकर विस्तृत चर्चा की। वक्ताओं ने कहा कि समाज की समस्याओं और अधिकारों के लिए एकजुटता बेहद आवश्यक है, तभी किसी भी मुद्दे को प्रभावी ढंग से उठाया जा सकता है। बैठक में विशेष रूप से यूजीसी रेगुलेशन 2026 को लेकर भी गंभीर चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि इस कानून को लेकर पूरे देश में सवर्ण समाज के बीच असंतोष का माहौल है। इसी कड़ी में रविवार 8 मार्च को पूरे भारत में कई स्थानों पर सवर्ण समाज द्वारा विरोध प्रदर्शन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर अपनी नाराजगी जाहिर की। हजारीबाग में भी इस मुद्दे को लेकर सक्रिय रूप से आंदोलन चलाने का निर्णय लिया गया। बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि आगामी सोमवार, 16 मार्च 2026 को हजारीबाग के पुराना समाहरणालय के सामने स्थित हड़ताली चौक पर यूजीसी रेगुलेशन 2026 के विरोध में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। इस धरना कार्यक्रम के माध्यम से सरकार तक अपनी बात पहुंचाने और इस कानून के प्रति विरोध दर्ज कराने का निर्णय लिया गया। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि यह धरना शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से किया जाएगा, जिसमें सवर्ण समाज के अधिक से अधिक लोगों से भाग लेने की अपील की गई है। उन्होंने कहा कि समाज के अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए सभी को एकजुट होकर आवाज उठानी होगी। बैठक में मुख्य संयोजक मुकेश कुमार सिंह ने कहा कि संगठन लगातार समाज के मुद्दों को लेकर सक्रिय रहा है और आगे भी समाज के अधिकारों के लिए संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने सभी लोगों से अपील की कि 16 मार्च को होने वाले धरना कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर इसे सफल बनाएं।

मवेशी चोरी करने आए चोर, वाहन छोड़ हुआ फरार, चरही पुलिस ने वाहन किया जब्त

उज्जवल दुनिया संवाददाता

चरही। थाना क्षेत्र के चरही-घाटों मार्ग के बहेरा गांव के समीप मवेशी चोरी करने पहुंचे चोरों को देख ग्रामीणों ने शोर मचाते हुए दौड़ाया तो वे मवेशी छोड़ अपने वाहन लेकर फरार हो गए। ग्रामीणों के द्वारा चरही थाना को सूचना दी गई। चरही पुलिस ने उसे एनएच 20 पर पीछा कर सफारी गाड़ी पकड़ लिया। पुलिस को देख कर मवेशी चोर फरार हो गया। चरही पुलिस ने बताया कि वरीय पदाधिकारी द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि एक लाल रंग का सफारी गाडी बहेरा पुल के समीप चरही- घाटो रोड के पास मवेशी को अपने गाडी में जबरदस्ती लोड करने का कोशिश कर रहा हैं। आस-पास के ग्रामिणो के द्वारा हल्ला गुल्ला किया गया तो उक्त गाडी भाग गयी, उक्त सूचना को वरीय पदाधिकारी को सूचित करते हुए आवश्यक कार्यवाही कर रात्रि गस्ती पदाधिकारी को निर्देशित किया गया। रात्रि गश्ती के द्वारा चरही इंडियन पेट्रोल पंप एनएच 20 के बगल मे वाहन चेकिंग लगाया गया। वाहन चेकिंग के दौरान रात्री गस्ती को देखकर लाल रंग की टाटा सफारी गाडी जेएच05एडी-5200 जिसका चालक एवं अन्य गाडी को छोडकर अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गये। उक्त गाडी को अग्रतर कार्रवाई हेतू विधिवत जब्त किया गया। इस संबंध में चरही थाना कांड संख्या-21/26 दिनांक-08 मार्च 2026 धारा-303(2)/62 बीएनएस दर्ज किया गया है। इस बाबत रविवार को पुलिस उपाधीक्षक बैद्यनाथ प्रसाद और चरही थाना प्रभारी कुंदन कांत विमल ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि इस तरह की घटना को देखे तो तुरंत पुलिस को सूचना करें ताकि कोई अप्रिय घटना ना हो इसी तरह चोरी से माहौल खराब हो जाता है। उक्त अभियान में थाना प्रभारी कुंदन कांत विमल, सअनि रणजीत कुमार समेत अन्य पुलिस कर्मी शामिल थे।

तनिष्क ज्वेलर्स लूट के असफल प्रयास कांड का खुलासा, सूरत और बेंगलुरु से दो अपराधी गिरफ्तार

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

बोकारो। शहर के व्यस्त सिटी सेंटर स्थित तनिष्क ज्वेलर्स शोरूम में हथियार के बल पर लूट के असफल प्रयास के सनसनीखेज मामले का बोकारो पुलिस ने पदार्फाश कर दिया है। पुलिस ने देश के अलग-अलग राज्यों में छिपे दो आरोपियों को गुजरात के सूरत और कर्नाटक के बेंगलुरु से गिरफ्तार कर ट्रांजिट रिमांड पर बोकारो लाया है। गिरफ्तार अपराधियों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त दो देशी पिस्टल, चार जिंदा कारतूस और एक अपाची मोटरसाइकिल भी बरामद की गई है। ज्ञात हो की 11 जनवरी 2026 को सेक्टर-4 थाना क्षेत्र के सिटी सेंटर स्थित तनिष्क ज्वेलर्स शोरूम में अज्ञात अपराधियों ने हथियार के बल पर लूट की घटना को अंजाम देने का प्रयास किया था। घटना के बाद सेक्टर-4 थाना में कांड संख्या 02/26, दिनांक 12 जनवरी 2026 के तहत धारा 310(2)/312/331(3)/205/111/336(3) बीएनएस के अंतर्गत अज्ञात अपराधियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह के निर्देश पर नगर पुलिस उपाधीक्षक के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने मानवीय एवं तकनीकी सूचनाओं के आधार पर लगातार छापेमारी और अनुसंधान करते हुए 2 मार्च 2026 को कांड में शामिल दो अपराधियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। गिरफ्तार आरोपियों में शुभम कुमार (उम्र लगभग 22 वर्ष), पिता राम पुर्ती सिंह, ग्राम चेरिया बरियारपुर, थाना चेरिया बरियारपुर, जिला बेगूसराय को सूरत (गुजरात) से तथा पंकज कुमार (उम्र लगभग 26 वर्ष), पिता दिनेश सिंह, ग्राम चेरिया बरियारपुर, थाना चेरिया बरियारपुर, जिला बेगूसराय को बेंगलुरु (कर्नाटक) से गिरफ्तार किया गया। पुलिस पूछताछ में दोनों आरोपियों ने बोकारो सिटी सेंटर स्थित तनिष्क ज्वेलर्स शोरूम में लूट के प्रयास में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। उनकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त दो देशी पिस्टल, चार जिंदा कारतूस और एक अपाची मोटरसाइकिल बरामद की गई। इसकी पुष्टि करते हुए प्रेस वार्ता में पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी शुभम कुमार का आपराधिक इतिहास भी रहा है। उसके खिलाफ चेरिया बरियारपुर थाना कांड संख्या 90/2024, कांड संख्या 180/2025, रतनपुर थाना कांड संख्या 53/2024 तथा मुंगेर थाना कांड संख्या 30/2025 में विभिन्न धाराओं के तहत मामले दर्ज हैं। वहीं पंकज कुमार का नाम भी चेरिया बरियारपुर थाना कांड संख्या 180/2025 और मुंगेर थाना कांड संख्या 30/2025 में दर्ज है। इस कांड में संलिप्त दो अन्य अपराधी प्रिंस कुमार और समशाद को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज चुकी है। पूरे मामले के खुलासे और आरोपियों की गिरफ्तारी में नगर पुलिस उपाधीक्षक आलोक रंजन के नेतृत्व में सेक्टर-4 थाना प्रभारी संजय कुमार, मुन्ना रमानी, कुमार विक्रम सिंह, अवेन्द्र कुमार साव, मंटु कुमार, विक्रम कुमार समेत तकनीकी शाखा और अन्य पुलिसकर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

राय चौक में भीषण आग से दो जनरल स्टोर खाक, लाखों का सामान जलकर राख

बोकारो। सेक्टर 8 सी स्थित राय चौक पर रविवार सुबह अचानक आग लगने से दो जनरल स्टोर में भारी नुकसान हो गया। इस घटना में आर के जनरल स्टोर और पवन जनरल स्टोर में रखा लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते दोनों दुकानें इसकी चपेट में आ गईं और इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सुबह आसपास के लोगों ने दुकानों से धुआं उठता देखा, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत दुकान मालिकों और अग्निशमन विभाग को इसकी सूचना दी। पवन जनरल स्टोर के मालिक काशीनाथ प्रसाद ने बताया कि लोगों ने धुआं उठते देखा और तुरंत उन्हें फोन कर इसकी जानकारी दी, जिसके बाद वे तुरंत घटनास्थल के लिए रवाना हुए। सूचना मिलते ही झारखंड अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। अग्निशमन विभाग के राघवेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि आग पर काबू पाने के लिए दमकल की दो गाड़ियों को भेजा गया था। आग काफी तेजी से फैल चुकी थी, जिसके कारण दमकल कर्मियों को आग बुझाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। दमकल कर्मियों ने सबसे पहले दुकानों के शटर तोड़कर अंदर प्रवेश किया और फिर कड़ी मेहनत के बाद आग पर काबू पाया। इस दौरान आसपास के लोग भी बड़ी संख्या में मौके पर मौजूद रहे और राहत कार्य में सहयोग करते रहे। दुकान मालिकों के अनुसार घटना के समय वे अपने-अपने घरों में सो रहे थे। स्थानीय लोगों के फोन से उन्हें आग लगने की जानकारी मिली। जब तक वे मौके पर पहुंचे, तब तक दुकानों में रखा अधिकांश सामान जलकर राख हो चुका था। आर के जनरल स्टोर के मालिक रंजीत कुमार गुप्ता उस समय रांची में थे, जिन्हें भी स्थानीय लोगों ने फोन कर घटना की सूचना दी। रंजीत कुमार गुप्ता ने बताया कि इस हादसे में करीब चार से पांच लाख रुपये के सामान का नुकसान हुआ है। फिलहाल आग लगने के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। कुछ लोग शॉर्ट सर्किट को आग की वजह बता रहे हैं, जबकि कुछ का कहना है कि दुकान के पीछे झाड़ियों की सफाई के दौरान लगाई गई आग फैलकर दुकानों तक पहुंच गई। मामले को लेकर प्रशासन जांच में जुट गया है।

चिन्मय विद्यालय बोकारो के आदर्श सिंह ने आईएनएमओ में मारी बाजी

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

चिन्मय विद्यालय बोकारो के आदर्श सिंह ने झारखंड का राष्ट्रीय स्तर पर किया प्रतिनिधित्व

पूरे प्रदेश का गौरव है आदर्श : प्राचार्य सूरज शर्मा

बोकारो। चिन्मय विद्यालय बोकारो के विद्यार्थी ने एक बार फिर अपनी सफलता से न केवल जिले का, बल्कि पूरे प्रदेश का नाम रोशन किया है। चिन्मय विद्यालय बोकारो के 10वीं के छात्र आदर्श सिंह ने इंडियन नेशनल मैथेमैटिकल ओलंपियाड (आइएनएमओ) में सफलता प्राप्त की है। खास बात ये है कि पूरे झारखंड प्रदेश से इस ओलंपियाड में क्वालीफाई होने वाले आदर्श एक मात्र विद्यार्थी है। बता दें कि आइएनएमओ में पूरे भारत से कुल 51 विद्यार्थियों को चयनित किया गया है। परिणाम सामने आने के बाद पूरे विद्यालय कमिटी और विद्यार्थियों में हर्ष का माहौल है। चिन्मय मिशन बोकारो की आचार्या स्वामिनी संयुक्तानंदा सरस्वती, विद्यालय के अध्यक्ष बिस्वरूप मुखोपाध्याय, सचिव महेश त्रिपाठी, प्राचार्य सूरज शर्मा व उप प्राचार्य नरमेंद्र कुमार ने आदर्श को ढेर सारी शुभकामनाएं दी।

गणित के प्रति आदर्श की है खास रुचि

अपनी सफलता पर आदर्श सिंह बहुत उत्साहित हैं। आइएनएमओ में क्वालीफाई करने के साथ ही आदर्श ने एशियन पैसिफिक मैथमेटिकल ओलंपियाड (एपीएमओ) और इंटरनेशनल मैथमेटिकल ओलंपियाड ट्रेनिंग कैंप (आईएमओटीसी) के लिए भी क्वालीफाई किया है। बता दें कि इससे पहले आदर्श ने राष्ट्रीय स्तर गणितीय परीक्षा - आईओक्यूएम (इंडियन ओलंपियाड क्वालीफायर इन मैथमेटिक्स) में भी अपना जोर दिखाया था और 100 में से 79 अंक लाकर पूरे झारखंड प्रदेश में अव्वल स्थान प्राप्त किया था। उनके अलावा, विद्यालय के अन्य 9 विद्यार्थियों ने भी आईओक्यूएम के परिणामों में बाजी मारी थी। इस बार पूरे झारखंड से आइएनएमओ में क्वालीफाई करने वाले आदर्श एक ही हैं। बता दें कि पूरे भारत में 8वीं से 11वीं कक्षा के लगभग एक लाख विद्यार्थी आइएनएमओ ओलंपियाड में शामिल हुए थे, जिनमें से 51 विद्यार्थियों को चयनित किया गया है। अगर आदर्श इस ओलंपियाड को क्वालीफाई कर लेते हैं, तो आईआईटी बॉम्बे, आईआईटी कानपुर, आईआईटी मद्रास और आईएसआई कोलकाता के साथ-साथ कई दूसरे कॉलेजों में उन्हें सीधा दाखिला मिल सकता है।

गणित के लिए आदर्श का है खास विजन

आदर्श से बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि उनके पिता, प्रमोद कुमार बैंक में कर्मी हैं और माता मुन्नी कुमारी गृहिणी हैं। आदर्श का एक बड़ा भाई है, जो 11वीं की पढ़ाई कर रहा है। आदर्श ने बताया कि इससे पहले आठवीं और नौवीं कक्षा में उन्होंने आरएमओ दूसरे चरण तक क्वालीफाई किया था और इस साल और भी आगे जाने के लिए तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि गणित के प्रति उन्हें बचपन से ही खास लगाव रहा है। विद्यालय की परीक्षाओं में भी गणित में ही सबसे अधिक अंक आते हैं। उन्होंने बताया कि दसवीं तक उन्होंने खुद की मेहनत से ही ये मुकाम हासिल किया है। उन्होंने अपने माता - पिता के मार्गदर्शन के लिए उनका आभार भी व्यक्त किया।

पूरे झारखंड का गौरव है आदर्श : सूरज शर्मा

विद्यालय के प्राचार्य सूरज शर्मा ने कहा कि चिन्मय विद्यालय बोकारो हमेशा से अव्वल परिणामों के लिए जाना जाता है। उन्होंने आदर्श की सफलता के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि आदर्श ने हमेशा से गणित विषय में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। आदर्श ने आईएनएमओ में सफलता हासिल करके पूरे झारखंड का प्रतिनिधित्व किया है और पूरे प्रदेश का मान बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि अन्य विद्यार्थियों को भी आदर्श से प्रेरणा लेनी चाहिए और सफलता के लिए निरंतर प्रयास करने चाहिए।

राष्ट्रपति के अपमान पर ममता सरकार पर बरसे बाबूलाल मरांडी

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

कहा- संविधान और लोकतंत्र की हो रही हत्या, भाजपा करेगी लोकतांत्रिक विरोध

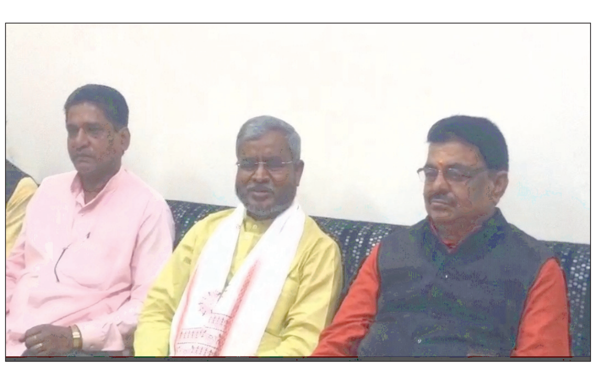

बोकारो। झारखंड विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता एवं भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी रविवार को बोकारो स्थित अपने आवास पर पत्रकारों से मुखातिब हुए। इस दौरान उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए 7 फरवरी को पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के कथित अपमान के मुद्दे को लेकर राज्य सरकार की कड़ी आलोचना की।मरांडी ने कहा कि एक रणनीति के तहत ममता बनर्जी संविधान और लोकतंत्र की मयार्दा को कमजोर करने का काम कर रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि देश में अराजकता का माहौल बनाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार का नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसे मजबूत हाथों में है और यही बात विपक्ष को सबसे ज्यादा परेशान कर रही है। उन्होंने कहा कि एक आदिवासी महिला राष्ट्रपति का बार-बार अपमान किया जा रहा है। 7 फरवरी को पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति के कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री तो दूर, एक जिला पदाधिकारी (डीएम) तक उनके स्वागत के लिए उपस्थित नहीं हुआ, जबकि नियमानुसार मुख्यमंत्री या प्रशासनिक अधिकारी को मौजूद रहना चाहिए था।मरांडी ने कहा कि यह केवल राष्ट्रपति का ही नहीं बल्कि पूरे देश का अपमान है। भाजपा इस मामले का लोकतांत्रिक तरीके से विरोध करेगी और जनता के बीच इस मुद्दे को उठाएगी। मौके पर भाजपा के कई नेता और कार्यकर्ता भी उपस्थित थे।

जल शोधन प्रणाली में सुरक्षा और आधुनिकता का समावेश : बीएसएल में हाइपोक्लोराइड डोज़िंग स्टेशन का उद्घाटन

बोकारो। बोकारो इस्पात संयंत्र के जल प्रबंधन विभाग (डब्ल्यूएमडी) में पेयजल उपचार की प्रक्रिया को अधिक सुदृढ़, सुरक्षित और आधुनिक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की गई। संयंत्र में नवनिर्मित हाइपोक्लोराइड डोज़िंग स्टेशन का औपचारिक उद्घाटन मुख्य अतिथि पूर्व निदेशक प्रभारी (राउरकेला इस्पात संयंत्र) अतानु भौमिक एवं अधिशासी निदेशक (संकार्य) अनुप कुमार दत्त द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस नई प्रणाली के क्रियान्वयन से अब जल शोधन की प्रक्रिया न केवल सरल और प्रभावी हो जाएगी, बल्कि सुरक्षा के मानकों में भी उल्लेखनीय सुधार होगा। इस आधुनिक डोज़िंग स्टेशन के माध्यम से पेयजल में कीटाणुनाशक की सटीक मात्रा बनाए रखना संभव होगा, जिससे आपूर्ति किए जाने वाले जल की गुणवत्ता निरंतर उच्च बनी रहेगी. गौरतलब है कि पूर्व में पेयजल के उपचार के लिए क्लोरीन गैस का उपयोग किया जाता था। यद्यपि यह विधि कीटाणुशोधन में प्रभावी थी, परंतु सुरक्षा के दृष्टिकोण से क्लोरीन गैस का भंडारण और उसका उपयोग अत्यंत जोखिमपूर्ण एवं चुनौतीपूर्ण कार्य था। नवीन हाइपोक्लोराइड प्रणाली ने इस सुरक्षा जोखिम को पूरी तरह समाप्त कर दिया है, जिससे कार्यस्थल पर सुरक्षा सुनिश्चित हुई है। इस परियोजना का सफल क्रियान्वयन मुख्य महाप्रबंधक (उपयोगिताएँ) संजीव रंजन सिंह के कुशल नेतृत्व में जल प्रबंधन विभाग की टीम द्वारा किया गया।

महिला दिवस पर वेदांता का संकल्प, महिलाओं की भागीदारी 35 प्रतिशत तक बढ़ाने का लक्ष्य

बोकारो। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर ने अपने संगठन में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाकर 35 प्रतिशत तक करने का लक्ष्य तय किया है। इस दिशा में कंपनी ने (हर एट द कोर) नाम से देशव्यापी अभियान की शुरूआत की है तथा लिंक्डइन के माध्यम से महिलाओं के लिए विशेष भर्ती अभियान भी शुरू किया है। इसके तहत महिलाओं को खनन, धातु, तेल एवं गैस, ऊर्जा और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में करियर बनाने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है। उद्योग से जुड़े एक सर्वेक्षण के अनुसार वर्ष 2023-24 में विभिन्न क्षेत्रों में प्रत्यक्ष रोजगार में महिलाओं की हिस्सेदारी लगभग 18 प्रतिशत रही, जबकि खनन और धातु जैसे मुख्य औद्योगिक क्षेत्रों में यह आंकड़ा करीब 6 प्रतिशत ही है। ऐसे में वेदांता की यह पहल इन क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। वर्तमान में वेदांता समूह में महिलाओं की हिस्सेदारी लगभग 23 प्रतिशत है, जो उद्योग के औसत से अधिक है। कंपनी का लक्ष्य आने वाले वर्षों में इसे 35 प्रतिशत और आगे चलकर 50 प्रतिशत तक पहुंचाने का है। कंपनी का कहना है कि उन्नत तकनीक, स्वचालन, डिजिटल संचालन केंद्र और दूरस्थ निगरानी जैसी व्यवस्थाओं के माध्यम से कार्यस्थलों को अधिक सुरक्षित और कौशल आधारित बनाया जा रहा है, जिससे महिलाओं को समान अवसर मिल सकें।

दीप प्रज्वलन के साथ महिला महोत्सव सप्ताह का भव्य शुभारंभ

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर अधिकार, समानता और सशक्तिकरण का दिया गया संदेश

बोकारो। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रविवार को शिबू सोरेन स्मृति भवन (टाउन हॉल) में दीप प्रज्वलन के साथ महिला महोत्सव सप्ताह का भव्य शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन उपायुक्त अजय नाथ झा, पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह, उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, डीपीएलआर मेनका, एसी मो. मुमताज अंसारी, वन पदाधिकारी संदीप शिंदे, चास एसडीओ प्रांजल ढांडा तथा डीसीएलआर चास प्रभाष दत्ता सहित अन्य अधिकारियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर जिला समाज कल्याण पदाधिकारी डॉ. सुमन गुप्ता ने उपस्थित लोगों को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के इतिहास और उसके महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि यह दिवस महिलाओं के अधिकार, समानता और सशक्तिकरण के प्रति समाज को जागरूक करने का महत्वपूर्ण अवसर है। कार्यक्रम की शुरूआत में सभी अतिथियों का पारंपरिक तरीके से साल ओढ़ाकर और पौधा भेंट कर सम्मानित किया गया। साथ ही महिला सशक्तिकरण और जागरूकता से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन की जानकारी भी दी।

एक नजर

बरमसिया शनिदेव महाराज मंदिर में दिलीप सिंह ने किया महा प्रसाद का वितरण

धनबाद। समाजसेवी दिलीप सिंह ने शनिवार को बरमसिया शनिदेव महाराज मंदिर में सैकड़ों श्रद्धालुओं के बीच महा प्रसाद का वितरण किया.इससे पूर्व पुजारी द्वारा मंत्रोचारण के साथ विधिवत शनि देव महाराज का पूजा अर्चना किया गया। शनि देव महाराज की पूजा अर्चना करने उपरांत शनि देव महाराज का विशेष आरती किया गया। इसमें सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए। इस पूजा अर्चना के कार्यक्रम में मंदिर समिति के सदस्यों का काफी सहयोग रहा। पूजा में दिलीप सिंह, युवा नेता सपन कश्यप गुड्डा सिंह , सुरेश सिंह, ललन सिंह , तापस घोषाल, दिलीप महतो ,आलोक मालाकर, आलोक मालाकर आदि जुटे रहे।

महिला दिवस पर आयुष फाउंडेशन धनबाद का सम्मान समारोह आयोजित

धनबाद। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयुष फाउंडेशन धनबाद द्वारा सरायढेला स्थित जगन्नाथ हॉस्पिटल में कार्यरत महिलाओं के सम्मान में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अस्पताल में कार्यरत आया, नर्स, डॉक्टर सहित कुल 40 महिलाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं के लिए मनोरंजक गतिविधियों का भी आयोजन किया गया, जिसमें म्यूजिकल चेयर, पासिंग द पार्सल जैसे खेल शामिल थे। इन प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि वार्ड 24 की नवनिर्वाचित पार्षद सरिता सिंह और विशिष्ट अतिथि वार्ड 22 की नवनिर्वाचित पार्षद सुमन सिंह जी थीं। उन्होंने महिलाओं के योगदान की सराहना करते हुए समाज में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में सभी उपस्थित महिलाओं के लिए अल्पाहार की भी व्यवस्था की गई थी। इस अवसर पर आयुष फाउंडेशन के सचिव अर्पिता अग्रवाल, अध्यक्ष गणेश शर्मा, उपाध्यक्ष सुजाता रंजन, ज्वाइंट सेक्रेटरी राधा अग्रवाल, हिना दास, शोभना भट्टाचार्य, प्रिया, निरुपमा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

महिला कांग्रेस ने महिला दिवस पर सफाई कर्मियों को किया सम्मानित

भूली। भूली ई ब्लॉक सेक्टर 5 में धनबाद जिला महिला कांग्रेस कमिटी की जिलाध्यक्ष सीता राणा के आवासीय कार्यालय में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर धनबाद नगर निगम की महिला सफाई कर्मियों को उपहार देकर सम्मानित किया गया। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सीता राणा ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सम्मान समारोह कार्यक्रम राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय अलका लांबा जी और झारखंड प्रदेश अध्यक्ष आदरणीय रमा खलखो जी के निदेर्शानुसार किया गया था। सीता राणा ने कहा कि महिला किसी भी समाज की रीढ़ होती है। महिलाओं की भूमिका सिर्फ घर के चारदीवारी के अंदर ही अब सीमित नहीं है। महिलाओं को अब आर्थिक आजादी और सामाजिक राजनीतिक आजादी में भी अहम भूमिका है। महिलाओं को घर से बाहर तक उनके हौसले को सम्मान मिलना चाहिए। मौके पर रूबी खातून, पूनम देवी, जानकी देवी, रिंकू कुमारी, सोनी खातून, गुड़िया देवी, रामदुलारी, नीतू देवी, निखत परवीन, पंचा देवी, हीरा देवी, रंजू देवी, मीना देवी, सुनरवां देवी, बरखा देवी, बिमली देवी, इगिया देवी आदि मौजूद थी।

डम्पर ऑपरेटर की संदिग्ध मौत के बाद आश्रित को मिला प्रोविजनल नियोजन, प्रबंधन-यूनियन के बीच समझौता

एग्यारकुंड। ईसीएल मुगमा क्षेत्र के बरमुरी ओसीपी में कार्यरत डम्पर ऑपरेटर लखींदा मुर्मू की संदिग्ध परिस्थिति में मौत के बाद रविवार को मुगमा क्षेत्रीय कार्यालय में प्रबंधन, यूनियन प्रतिनिधियों एवं मृतक के परिजनों के बीच लंबी वार्ता के बाद मृतक के आश्रित को प्रोविजनल नियुक्ति देने पर सहमति बन गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार की तृतीय पाली (रात्रि 10:00 बजे से प्रातः 06:00 बजे) के दौरान लगभग रात 12:30 से 12:40 बजे के बीच बरमुरी ओसीपी के कार्यस्थल पर डम्पर संख्या 61009 में कार्यरत डम्पर ऑपरेटर स्व. लखींदा मुर्मू (यूएम नंबर 125706) को रस्सी के सहारे डम्पर के सामने की ओर लटका हुआ पाया गया। इसके बाद उन्हें तत्काल मुगमा क्षेत्रीय अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हालांकि मृत्यु के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। घटना के बाद यूनियन प्रतिनिधियों एवं मृतक कर्मी के परिजनों ने प्रबंधन से मृतक के एक आश्रित को प्रोविजनल नियुक्ति देने की मांग की। प्रारंभ में प्रबंधन की ओर से प्राथमिकता के आधार पर नियोजन देने की बात कही गई, जिसे यूनियन एवं परिजनों ने अस्वीकार कर दिया। इसके बाद रविवार को मुगमा क्षेत्रीय कार्यालय में घंटों चली वार्ता के बाद मृतक कर्मी के एक आश्रित को प्रोविजनल नियुक्ति देने पर सहमति बनी। मृतक की पत्नी राधा मुर्मू ने अपने आवेदन पत्र के माध्यम से अपने बड़े पुत्र प्रकाश मुर्मू को आश्रित के रूप में नियोजन के लिए नामित किया है। समझौते के अनुसार प्रकाश मुर्मू को प्रोविजनल नियुक्ति दी जाएगी तथा पूर्ण नियोजन के लिए आवश्यक दस्तावेज यथाशीघ्र कोलियरी कार्यालय में जमा करने होंगे। इसके अलावा यह भी सहमति बनी कि स्वर्गीय कर्मी की बकाया राशि कंपनी में लागू प्रावधानों के अनुसार, आवश्यक दावा प्राप्ति एवं जांच के बाद सही दावेदार को भुगतान कर दिया जाएगा।यह समझौता उपस्थित सभी यूनियन प्रतिनिधियों एवं मृतक के परिजनों को पढ़कर सुनाया गया, जिस पर सभी ने सहमति जताते हुए हस्ताक्षर किए। इसके बाद खान का सामान्य संचालन फिर से शुरू करने पर भी सहमति बन गई। मौके पर आगम राम, शशि भूषण तिवारी, लखी सोरेन, जगदीश शर्मा, रामजी यादव,गणेशधर, एसपी चौहान, परीक्षित दा,अरुण कुमार सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

स्वामी वी. आई. इंटरप्राइजेज के लिए प्रकाशक मानवेन्द्र कुमार सिंह एवं मुद्रक एस. एच. प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, कांटीटांड, नियर टेंडर बगीचा, रातू, रांची -835222 द्वारा झारखंड से मुद्रित एवं एसटी-663/664, न्यू एसटी चौक, धुर्वा, रांची से प्रकाशित, संपादकः मानवेन्द्र कुमार सिंह (खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी) : फोन नं. 8709022665, PRGI N0. - JHAHIN/2014/59794

जमीनी स्तर पर जल संरक्षण का संदेश पहुंचाने में जलसहिया की महत्वपूर्ण भूमिका : मंत्री

उज्जवल दुनिया संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम। पश्चिमी सिंहभूम जिला मुख्यालय चाईबासा स्थित पिल्लई हॉल में जिला जल एवं स्वच्छता समिति के तत्वावधान में जल जीवन मिशन के तहत अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस सह जल महोत्सव पखवाड़ा के अवसर पर जिला स्तरीय एकदिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड सरकार के राजस्व एवं भूमि सुधार तथा परिवहन विभाग के मंत्री दीपक बिरुआ उपस्थित रहे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त चंदन कुमार, उप विकास आयुक्त उत्कर्ष कुमार, जिला पंचायत राज पदाधिकारी सविता टोपनो, गोपनीय प्रभारी कुमार हर्ष, चाईबासा और चक्रधरपुर पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता, विभिन्न पंचायतों के मुखिया, सहायक अभियंता, विभागीय कर्मी तथा जलसहिया शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों के स्वागत के साथ हुई। इसके बाद दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया गया। इस दौरान जल जीवन मिशन के तहत संचालित पेयजल योजनाओं के बेहतर रखरखाव और संचालन के लिए विभिन्न पंचायतों के मुखिया और जलसहिया को सम्मानित किया गया। साथ ही मंत्री दीपक बिरुआ के नेतृत्व में जल संचयन और संरक्षण को लेकर जल शपथ दिलाई गई। मंत्री दीपक बिरुआ ने कहा कि वर्तमान समय में जल संचयन और संरक्षण मानव जीवन के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है। उन्होंने कहा कि जमीनी स्तर पर जल संरक्षण का संदेश पहुंचाने में जलसहिया की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण जलापूर्ति योजनाओं का अधिष्ठापन किया गया है, लेकिन कई जगह रखरखाव के अभाव में योजनाएं पूरी तरह उपयोगी नहीं हो पा रही हैं। इसके लिए ग्रामीणों को भी आगे आकर सहयोग करना होगा। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर नारी शक्ति को सम्मान देते हुए कहा कि राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं। उपायुक्त चंदन कुमार ने सभी को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई देते हुए कहा कि 8 मार्च से 22 मार्च 2026 तक जिले में जल महोत्सव पखवाड़ा मनाया जाएगा। इस अवसर पर जल संचयन और संरक्षण पर आधारित एक लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई, जिसके माध्यम से उपस्थित लोगों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर तमाम महिलाओं को हार्दिक शुभकामनाएं

उज्जवल दुनिया संवाददाता

महिला दिवस एक विशेष दिन जो प्रत्येक वर्ष 8 मार्च को आता है परंतु मेरा मानना है महिला दिवस हर दिन हमारा एक संकल्प लेकर आता है इस वर्ष की थीम है ₹दान कर लाभ प्राप्त करें. भारत को विश्व गुरु बनने में देर नही है। जहां स्त्री पुरुष की लिंगानुपात का आज भी आंकलन होता है मेरा एक ही नारा है - बेटा - बेटी एक समान जिससे बनता देश महान। दान करना और लाभ प्राप्त करना यथार्थ भाषा में कहा जाए तो कमी वेसी पड़ेगी, यहां लाभ और दान किसी रूपए पैसे की नहीं अपितु जिससे समाज से लेकर देश विकसित हो इस ओर सभी अपना दान करके यश कीर्ति प्राप्त कर सकते हैं चाहे वह शिक्षा के क्षेत्र में हो अथवा स्वास्थ के क्षेत्र में या अन्य। इस विषय पर बहनों ने अपने-अपने विचार साझा किए हैं 'उज्जवल दुनिया ' दैनिक अखबार ने प्रत्येक वर्ष बहनों के लिए एक कॉलम दिया है जो महिलाओं के लिए प्रेरणा स्रोत है.

शिक्षा दान से शिक्षित समाज का निर्माण होगा

उज्जवल दुनिया संवाददाता

दान का अर्थ है किसी को कुछ देना। जिससे हम यह कह सकते हैं कि सच्चे मन से किसी को निस्वार्थ भावना से कुछ देना ही दान है।
दान मुख्यतः चार प्रकार के माने जाते हैं -धन एवं अन्नदान - रक्तदान, शिक्षादान, कन्यादान
ये सभी दान अपनी-अपनी अलग महत्ता रखते हैं। मनुष्य दान करता है, पर बदले में उसे पुण्य, यश, कीर्ति और सुख प्राप्त होते हैं। इसलिए हमें निःस्वार्थ भाव से दान करना चाहिए। सब दानों में शिक्षा का दान सबसे महान दान माना जाता है। शिक्षा के अभाव में लोग कई बार गलत कार्य कर बैठते हैं। इसलिए शिक्षा देना बहुत आवश्यक है। शिक्षा ही पूर्ण विकास का स्रोत है। हमारे समाज का सर्वांगीण विकास तभी हो सकता है जब पूरे राष्ट्र को उचित शिक्षा प्राप्त हो।
शिक्षित वर्ग अगर सच्चे मन से शिक्षा का दान करे तो समाज में ज्ञान का प्रकाश फैल सकता है और अज्ञान का अंधकार दूर हो सकता है। शिक्षा के अभाव में हमारा समाज मजबूत नहीं हो पाएगा। इसलिए आज जरूरत है कि लड़का हो या लड़की, सभी को सच्चे मन से शिक्षा मिलनी चाहिए। इससे हमारे समाज में सभी को हक, साहस और धैर्य मिलेगा और वे हर चुनौती का सामना कर सकेंगे। समाज का बदलाव शिक्षा से ही संभव है। इसलिए हमें आगे आकर शिक्षा के दान के लिए प्रयास करना चाहिए और एक नए समाज के निर्माण में योगदान देना चाहिए।
कहा जाता है कि यदि हम किसी को कुछ देते हैं, तो बदले में भगवान हमें बहुत कुछ देते हैं। इसलिए शिक्षित वर्ग को कदम बढ़ाकर ज्ञान का प्रकाश हर घर तक पहुँचाना चाहिए, जिससे अज्ञान का अंधकार दूर हो जाए।

महिला दिवस पर बिष्टुपुर चेंबर में महिला सम्मान समारोह आयोजित

पूर्वी सिंहभूम। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मानवाधिकार अपराध रोधी संगठन की ओर से रविवार को बिष्टुपुर स्थित चेंबर ऑफ कॉमर्स भवन में महिला सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संगठन की झारखंड प्रदेश अध्यक्ष अर्चना सिंह ने की, जबकि संचालन अधिवक्ता विनीता मिश्रा और पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों की ओर से दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके बाद संगठन की ओर से सभी विशिष्ट अतिथियों को स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र, पौधा, शॉल और अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। समारोह के दौरान महिलाओं के योगदान और उनके अधिकारों को लेकर विशेष चर्चा भी की गई। कार्यक्रम में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश साह, आदित्यपुर नगर निगम की उप आयुक्त पारुल सिंह, न्यायिक क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधि, एमएस प्रतियोगिता में लगातार जीत दर्ज करने वाली श्रेया अधर, सदर अस्पताल की ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. प्रीति पांडे, दंत चिकित्सक जसवीर कौर, अधिवक्ता और प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से जुड़ी महिला पत्रकारों ने महिला दिवस के महत्व पर अपने विचार साझा किए। वक्ताओं ने समाज में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी और सशक्तिकरण पर जोर देते हुए उन्हें अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने का संदेश दिया। इस मौके पर समाजहित में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए फातिमा शाहीन, गीता सिंह, मनजीत कौर, बी. लक्ष्मी, पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता, रवि, पुष्पराज और सामाजिक संस्था समर्पण की टीम को प्रशस्ति पत्र और पौधा देकर सम्मानित किया गया। अपने अध्यक्षीय संबोधन में अर्चना सिंह ने संगठन की ओर से किए जा रहे सामाजिक और जनकल्याणकारी कार्यों की जानकारी दी और कहा कि महिलाओं के सम्मान और अधिकारों की रक्षा के लिए संगठन लगातार प्रयासरत है। वहीं संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश साह ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने और समाज में जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया।

चक्रधरपुर अस्पताल की घटना पर पूर्व सांसद गीता कोड़ा ने जताई नाराजगी

उज्जवल दुनिया संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम। पश्चिमी सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर अनुमंडल अस्पताल में नवजात की मौत के बाद सामने आई घटना को लेकर पूर्व सांसद गीता कोड़ा ने गहरी नाराजगी जताई है। उन्होंने इस मामले को राज्य की खराब स्वास्थ्य व्यवस्था और प्रशासनिक संवेदनहीनता का गंभीर उदाहरण बताते हुए पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच कराने और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। मिली जानकारी के अनुसार कराईकेला थाना क्षेत्र के बंगरासाई गांव निवासी रामकृष्ण हेम्ब्रम की पत्नी रीता तिरिया को प्रसव के लिए चक्रधरपुर अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। प्रसव के बाद उन्होंने एक बच्चे को जन्म दिया, लेकिन कुछ ही समय बाद नवजात की मौत हो गई। परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि यदि समय पर समुचित इलाज और देखभाल मिलती तो बच्चे की जान बचाई जा सकती थी। घटना के बाद अस्पताल प्रबंधन की संवेदनहीनता भी सामने आई। परिजनों के मुताबिक मृत नवजात को घर ले जाने के लिए अस्पताल की ओर से एम्बुलेंस की कोई व्यवस्था नहीं की गई। मजबूरी में पिता रामकृष्ण हेम्ब्रम को अपने बच्चे के शव को कार्डबोर्ड के डिब्बे में रखकर घर ले जाना पड़ा। इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए पूर्व सांसद गीता कोड़ा ने कहा कि यह पहली बार नहीं है जब पश्चिमी सिंहभूम जिले के अस्पतालों से इस तरह की संवेदनहीन घटनाएं सामने आई हैं। उन्होंने कहा कि इससे पहले चाईबासा सदर अस्पताल से भी एक पिता को अपने मृत बच्चे को थैले में लेकर जाते हुए देखा गया था। उस समय भी स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन की काफी आलोचना हुई थी, लेकिन उससे कोई सबक नहीं लिया गया। उन्होंने कहा कि जिले में सांसद, विधायक और मंत्री सभी सत्ताधारी दल झारखंड मुक्ति मोर्चा और कांग्रेस से हैं, इसके बावजूद अस्पतालों की स्थिति बेहद चिंताजनक बनी हुई है। अस्पतालों में बुनियादी सुविधाओं की कमी है और कई बार मरीजों को समय पर इलाज नहीं मिल पाता। बेड की कमी के कारण कई मरीजों का इलाज जमीन पर करना पड़ता है। गर्भवती महिलाओं को अल्ट्रासाउंड और अन्य जांच के लिए लंबी कतारों में खड़ा रहना पड़ता है, वहीं कई बार डॉक्टर भी समय पर अस्पताल नहीं पहुंचते। गीता कोड़ा ने यह भी कहा कि चाईबासा और चक्रधरपुर सहित आसपास के क्षेत्रों के लोगों को आज भी खून की जरूरत पड़ने पर जमशेदपुर जाना पड़ता है.

जोहार अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की हम सभी सम्मानित महिला को बधाई एवं शुभकामनाएं

श्रीमती सुनीता सिंह
लाली फाऊँडेशन सचिव। रांची झारखण्ड।

मै सुनीता सिंह लाली फाउंडेशन की सचिव आज की समस्या लैंगिंग समानता पर मेरे विचार लैंगिंग समानता का अर्थ है कि सभी व्यक्ति चाहे स्त्री हो या पुरुष . अधिकारों अवसरों संसाधनों और समाज के हर क्षेत्र शिक्षा ,कार्यस्थल,या राजनीति में बिना किसी भेद भाव के समान रूप से भाग ले।यह एक मानवाधिकार है जिसका उद्वेश्य लैगिंगिक रूढ़ियों ,हिंसा,ओर असमानता को समाप्त करके एक न्यायसंगत समाज बनाना जहां हर एक को फलने फूलने का सामान अवसर मिले।इसका ये मतलब नहीं कि सभी एक समान बन जाए। समान अवसर और अधिकार ,समान वेतन। मानवाधिकार, सामाजिक रूढ़ियों का अंत , हिंसा की रोक थाम । संक्षेप में लेगिंग समानता एक ऐसी स्थिति है जहां किसी व्यक्ति के अधिकार,अवसर , और जिम्मेदारीया उनके लिंग पर निर्भर नहीं करती है,जो एक समावेशी और न्यायसंगत समाज के लिए आवश्यक है

लैंगिक समानता को बढ़ावा देना एक स्वस्थ समाज के सभी क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण है

लैंगिक समानता की परिभाषा दें समाज में इसके महत्त्व पर प्रकाश डालें

लैंगिक समानता एक मूलभूत मानवाधिकार है। लैंगिक समानता को बढ़ावा देना एक स्वस्थ समाज के सभी क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण है, चाहे वह गरीबी कम करना हो या लड़कियों और लड़कों के स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा और कल्याण को बढ़ावा देना हो व्यापक शोध के बावजूद, लिंग और अन्य सामाजिक निर्धारकों के अंतसंबंध, सार्वजनिक स्वास्थ्य पर असमानता के दीर्घकालिक प्रभावों और हस्तक्षेपों की प्रभावशीलता को समझने में अभी भी कमियां हैं। इसलिए, इस साहित्य समीक्षा का उद्देश्य सार्वजनिक स्वास्थ्य पर लैंगिक असमानता के परिणामों की जांच करना और प्रमुख मार्गों की पहचान करना है। आप महिला जननांग विकृति जैसी सांस्कृतिक प्रथाओं को रोकने और महिलाओं और लड़कियों के अधिकारों को सीमित करने वाले और उन्हें अपनी पूरी क्षमता हासिल करने से रोकने वाले हानिकारक कानूनों को बदलने के लिए शिक्षा अभियानों को वित्त पोषित कर सकते हैं।लैंगिक समानता के लिए कानूनी बाधाएं बनी हुई हैं: सर्वेक्षण किए गए 131 देशों में से 61 (47%) अभी भी महिलाओं को पुरुषों के समान काम करने से रोकते हैं, 38 देशों (29%) में बिना किसी अपवाद के न्यूनतम विवाह आयु 18 वर्ष निर्धारित है, और 63 देशों (48%) में बलात्कार को सहमति के अभाव के आधार पर परिभाषित किया गया है।लैंगिक समानता न केवल एक मौलिक मानवाधिकार है, बल्कि एक शांतिपूर्ण, समृद्ध और टिकाऊ विश्व के लिए एक आवश्यक आधार भी है। लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए शिक्षा, समान आर्थिक अवसर, रूढ़िवादी सोच में बदलाव, और कानून का कड़ाई से पालन (जैसे समान वेतन) आवश्यक है। इसके लिए घरेलू कामों में बराबरी, निर्णय लेने में महिलाओं की भागीदारी, बाल विवाह की रोकथाम और बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जैसी योजनाओं को जमीनी स्तर पर लागू करना महत्वपूर्ण है।

लैंगिक समानता के लिए प्रमुख उपाय:

विश्व की आधी आबादी महिलाओं और लड़कियों की है, और इसलिए उनकी क्षमता भी आधी ही है। लेकिन लैंगिक असमानता हर जगह बनी हुई है और सामाजिक प्रगति में बाधा डालती है। यौन हिंसा और शोषण, अवैतनिक देखभाल और घरेलू कामों का असमान विभाजन, और सार्वजनिक पदों पर भेदभाव, ये सभी बड़ी बाधाएं बनी हुई हैं। शिक्षा और जागरूकता : लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा दें और लैंगिक रूढ़ियों को तोड़ें, जैसे कि कुछ काम केवल पुरुषों या महिलाओं के *लिए नहीं हैं। आर्थिक सशक्तिकरण महिलाओं के स्वामित्व वाले व्यवसायों का समर्थन करें, समान वेतन सुनिश्चित करें और कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाएं।
घरेलू समानता : घर के कामों और बच्चों की देखभाल में पुरुषों और लड़कों की समान भागीदारी सुनिश्चित करें। कानूनी उपाय और सुरक्षा : लिंग आधारित हिंसा को समाप्त करने के लिए कानून को मजबूत करें, जैसे महिला हेल्पलाइन नंबर (181) और अन्य कानूनी सहायता। स्वास्थ्य सेवा : महिलाओं और लड़कियों के लिए मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन (टल्ट) और स्वास्थ्य सेवाओं तक आसान पहुँच सुनिश्चित करें। ये सभी प्रयास मिलकर समाज में एक न्यायपूर्ण और समावेशी वातावरण तैयार करते हैं, जहाँ सभी को समान अधिकार और अवसर मिल सकें। महिलाओं के सशक्तिकरण और लैंगिक समानता की दिशा में प्रगति को कैसे प्रभावित कर रहा है (और इससे कैसे प्रभावित हो रहा है)। लैंगिक असमानता महिलाओं और लड़कियों को असमान रूप से प्रभावित करती है, जिसके परिणामस्वरूप उनकी सामाजिक स्थिति कम होती है और उनके शरीर, रिश्तों, परिवारों और समुदायों पर उनका नियंत्रण सीमित हो जाता है। यह इस बात को आकार देता है कि व्यक्ति संकटों का अनुभव कैसे करते हैं, और उन्हें हिंसा, जबरदस्ती और स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों जैसे अनचाही गर्भावस्था, एचआईवी, गर्भाशय ग्रीवा कैंसर, अन्य पुरानी बीमारियों, कुपोषण और अवसाद के प्रति संवेदनशील बनाता है लैंगिक समानता एक मौलिक मानवाधिकार है, जिसका अर्थ है कि पुरुष, महिलाएं, लड़के, लड़कियां और अन्य सभी लिंगों के लोग अधिकारों, अवसरों, स्वतंत्रता और संसाधनों तक समान पहुंच रखते हैं। यह सामाजिक स्थिति है जहाँ भेदभाव रहित, न्यायपूर्ण और समावेशी समाज में, व्यक्ति की क्षमता, करियर और जीवन शैली का निर्धारण लिंग के बजाय योग्यता के आधार पर होता है। लैंगिक असमानता विश्व की आधी आबादी के स्वास्थ्य को बुरी तरह प्रभावित करती है, खासकर महिलाओं को । स्वास्थ्य सेवा में लैंगिक भेदभाव महिलाओं को काफी जोखिम में डालता है, और जब तक सार्वजनिक स्वास्थ्य में लैंगिक असमानता बनी रहेगी, महिलाओं को मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य अनुसंधान, उपचार और यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य में भी पिछड़ने का सामना करना पड़ेगा। लैंगिक असमानता एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य मुद्दा सतत विकास और आर्थिक समृद्धि : जब महिलाओं की कार्यबल में भागीदारी बढ़ती है, तो गरीबी कम होती है और आर्थिक विकास तेज होता है। सामाजिक न्याय और मानवाधिकार: यह सुनिश्चित करता है कि जन्म के आधार पर किसी के साथ भेदभाव न हो, जो एक सभ्य समाज की नींव है।

हिंसा में कमी : समानतापूर्ण समाजों में, महिलाओं के खिलाफ हिंसा, यौन उत्पीड़न और बाल विवाह जैसी हानिकारक प्रथाएं कम होती हैं। स्वास्थ्य और कल्याण : सशक्त महिलाएं अपने परिवार और समुदाय के स्वास्थ्य में बेहतर योगदान देती हैं, जिससे अगली पीढ़ी का जीवन स्तर बेहतर होता है।

समावेशी विकास : यह सुनिश्चित करता है कि निर्णय लेने की प्रक्रियाओं (राजनीतिक व सामाजिक) में सभी की आवाज शामिल हो, जिससे समाज अधिक सामंजस्यपूर्ण बनता है। संक्षेप में, लैंगिक समानता केवल महिलाओं का मुद्दा नहीं है, बल्कि यह एक न्यायसंगत और प्रगतिशील समाज के निर्माण के लिए अपरिहार्य है।सार्वजनिक स्वास्थ्य में लैंगिक असमानता को दूर करने के लिए व्यापक और लक्षित नीतिगत हस्तक्षेपों की आवश्यकता है। रणनीतियों में सभी लिंगों के लिए स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच और गुणवत्ता में सुधार करना, लिंग-संवेदनशील स्वास्थ्य नीतियों को बढ़ावा देना और स्वास्थ्य असमानताओं में योगदान देने वाले सामाजिक-आर्थिक कारकों को संबोधित करना शामिल होना चाहिए।

गिव टू गैन: दान करके लाभ प्राप्त करें

उज्जवल दुनिया संवाददाता

रसिका नवनीत सिंह
वाइस प्रिंसिपल
कैम्ब्रिज इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी
टाटीसिलवाई, रांची

महिला दिवस केवल उत्सव का दिन नहीं, बल्कि आत्मचिंतन का अवसर भी है। "Give to Gain– दान करके लाभ प्राप्त करें" मेरे लिए एक विचार नहीं, बल्कि जीवन का सत्य है। जब हम बिना किसी अपेक्षा के देते हैं–चाहे वह समय हो, सहयोग हो, ज्ञान हो या संवेदना–तो उसका प्रतिफल समाज की मजबूती और आत्मिक संतोष के रूप में अवश्य मिलता है। आज की महिलाएँ अनेक भूमिकाएँ निभा रही हैं–परिवार, कार्यस्थल और समाज में। यदि हर महिला अपनी क्षमता का एक अंश भी समाज के कल्याण हेतु समर्पित कर दे, तो सकारात्मक बदलाव निश्चित है। दान का अर्थ केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि किसी को सुनना, मार्गदर्शन देना और आत्मविश्वास देना भी है। महिला दिवस पर मेरा यही संदेश है कि देना कमजोरी नहीं, बल्कि शक्ति है। जब महिलाएँ देती हैं, तो वे केवल दूसरों का नहीं, बल्कि अपने और समाज के भविष्य का निर्माण करती हैं।

जेएलकेएम जिला समिति की बैठक में संगठन विस्तार पर चर्चा

खूंटी। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) खूंटी जिला समिति की बैठक रविवार को तोरपा में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता कुणाल भगत ने की। बैठक में संगठन को मजबूत करने, सदस्यता अभियान को तेज करने तथा प्रखंड और पंचायत स्तर पर समिति गठन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई और आगे की कार्ययोजना तैयार की गई। बैठक के दौरान कई लोगों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

संपादकीय

सुरक्षा कवच में छिद्र

एक दशक पूर्व प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना यानी पीएमएफबीवाई इस मकसद से शुरू की गई थी कि देश के अन्नदाता के हित तमाम ऊंच-नीच में सुरक्षित रह सकें। सदियों से प्राकृतिक आपदाओं का त्रास पीढ़ी-दर-पीढ़ी भुगतते किसानों को सुरक्षा कवच प्रदान करने का प्रयास मोदी सरकार ने किया था। मकसद था किसान हितों को प्राथमिकता दी जाए। लेकिन जिस पीएमएफबीवाई के आज दस साल पूरे हो रहे हैं, वह आज एक चुनौतिपूर्ण मोड़ पर खड़ी है। जिसके वास्तविक लाभों पर मंथन करने की आवश्यकता महसूस की जा रही है। दरअसल, मोदी सरकार ने वर्ष 2016 में खेती-किसानी में एक बड़े जोखिम को कम से कम करने का प्रयास किया था। फसल बीमा से किसानों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। दरअसल, इस योजना का प्राथमिक उद्देश्य किसानों को जलवायु और बाजारों की बढ़ती अस्थिरता से बचाना था। लेकिन विडंबना यही है कि इस योजना के अपेक्षित लाभ किसानों को नहीं मिल पाये। बल्कि यह योजना बीमा कंपनियों के लिये दुधारू गाय बनकर रह गई। यहां तक कि भाजपा शासित राज्यों हरियाणा और राजस्थान से मिली प्राथमिक जानकारी से पता चला है कि इस योजना का लाभ किसान के बजाय बीमा कंपनियां जमकर उठा रही हैं। वर्ष 2023 से 2025 के बीच, हरियाणा में बीमा कंपनियों ने पीएमएफबीवाई के तहत 2,827 करोड़ रुपये का सकल प्रीमियम एकत्र किया था। लेकिन जहां तक फसलों को हुई क्षति के लिये दावों के भुगतान का प्रश्न है, केवल 731 करोड़ रुपये का ही भुगतान किया गया है। यानी बीमा कंपनियों को सीधे-सीधे 2,000 करोड़ से अधिक का लाभ हुआ है। इतना ही नहीं, शेष देश के आंकड़े भी कम चौंकाने वाले नहीं हैं। केवल तीन वर्षों में ही 82,015 करोड़ रुपये बीमा कंपनियों द्वारा प्रीमियम के रूप में एकत्रित किए गए। जबकि किसानों को क्षतिपूर्ति के लिये मात्र 34,799 करोड़ रुपये ही वितरित किए गए। बीमा कंपनियों को 47,000 करोड़ रुपये से अधिक का लाभ हुआ। यह विडंबना ही है कि जिस महत्वाकांक्षी फसल बीमा योजना को किसानों को सुरक्षा कवच प्रदान करने के लिये लाया गया था, वो बीमा कपंनियों की मुनाफाखोरी का जरिया बन गई है। निश्चय ही देश की खाद्य सुरक्षा व किसान हित में योजना को बीमा कंपनियों के मुनाफे का जरिया बनने से रोकने की जरूरत है। बल्कि फसल बीमा योजना के क्षेत्र में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित की जानी चाहिए ताकि किसान को अधिक लाभ मिल सके। हरियाणा के कुछ हिस्सों में किसानों के दावों में की जाने वाली देरी अथवा किसानों के दावे खारिज किए जाने के खिलाफ धरना देने की बात भी सामने आई है। वहीं दूसरी ओर राजस्थान में फसल बीमा योजना में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। अनुचित लाभ उठाने के लिये जाली फॉर्म और फर्जी बैंक खातों का उपयोग किया गया है। निस्संदेह, यदि बीमा कंपनियां सिर्फ मुनाफा कमाती रहीं और किसान को योजना का लाभ पर्याप्त रूप से न मिला, तो निश्चित रूप से किसानों का इस योजना से भरोसा उठ जाएगा। ऐसे में यदि किसान अनियमित मौसम की मार, बढ़ते कर्ज के बोझ और नौकरशाही की बाधाओं से जूझते रहे तो वे योजना का लाभ पाने से वंचित हो जाएंगे। निस्संदेह, पीएमएफबीवाई किसानों के हितों को संरक्षित करने की एक महत्वाकांक्षी योजना है। जिसमें पारदर्शिता बढ़ाने के लिये सैटेलाइट इमेजरी, ड्रोन और तकनीक आधारित उपज अनुमान प्रणाली को एकीकृत करने का प्रयास किया गया था।

अमेरिका के सामने झुक गया भारत ! आरोप और वैश्विक हकीकत

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारतीय राजनीति में आरोपों की कमी कभी नहीं रहती। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस लोकतंत्र की स्वाभाविक प्रक्रिया है, किंतु जब आरोप तथ्यों और वैश्विक वास्तविकताओं से कटकर राजनीतिक बयान बन जाते हैं तब वे स्वभाविक तौर पर अपनी गंभीरता खो देते हैं। हाल के दिनों में कांग्रेस की ओर से यह आरोप लगाया गया कि भारत की सरकार अमेरिका के सामने झुक गई है, ठीक वैसा ही है। वस्तुतः यह आरोप सुनने में भले ही तेज और आक्रामक लगे, पर यदि इसे वैश्विक राजनीति, अंतरराष्ट्रीय संबंधों और दुनिया की वास्तविक परिस्थितियों की रोशनी में देखा जाए तो यह लगभग खोखला और निराधार प्रतीत होता है। सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि दुनिया की शक्ति संरचना कैसी है। आज भी अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में कुछ ही देश ऐसे हैं जिनका प्रभाव राजनीति, अर्थव्यवस्था, तकनीक और सुरक्षा के क्षेत्र में व्यापक रूप से दिखाई देता है। अमेरिका उन देशों में सबसे प्रमुख है। उसकी अर्थव्यवस्था दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है, उसकी तकनीकी कंपनियां वैश्विक नवाचार की दिशा तय करती हैं और उसकी सैन्य शक्ति का प्रभाव अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा ढांचे पर स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। यही कारण है कि दुनिया भर के देश उसके साथ सहयोग और साझेदारी की कोशिश करते हैं। किसी देश की वास्तविक ताकत का सबसे बड़ा संकेत यह नहीं होता कि उसके बारे में राजनीतिक भाषणों में क्या कहा जा रहा है, वस्तुतः यह होता है कि दुनिया के लोग उसके बारे में क्या सोचते हैं। यदि हम इस कसौटी पर अमेरिका को देखें तो एक सच्चाई साफ नजर आती है। दुनिया भर के करोड़ों लोग आज भी अमेरिका को अवसरों की भूमि मानते हैं। भारत, चीन, अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और एशिया के कई देशों से लाखों लोग हर साल अमेरिका में पढ़ने, काम करने और बसने का सपना देखते हैं। यदि वैश्विक शक्ति के अन्य आयामों पर नजर डालें तो अमेरिका की बढ़त कई क्षेत्रों में स्पष्ट दिखाई देती है। तकनीकी क्षेत्र में दुनिया की सबसे बड़ी कंपनियां वहीं से निकली हैं और सिलिकॉन वैली आज भी नवाचार का प्रमुख केंद्र मानी जाती है। शिक्षा के क्षेत्र में भी कई शीर्ष विश्वविद्यालय अमेरिका में स्थित हैं और यही कारण है कि दुनिया भर के छात्र वहां उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए जाते हैं। अर्थव्यवस्था के स्तर पर अमेरिकी डॉलर अभी भी अंतरराष्ट्रीय व्यापार और वित्तीय व्यवस्था में सबसे प्रभावशाली मुद्रा बना हुआ है। इस संदर्भ में संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की रिपोर्टें

बताती हैं कि अमेरिका दुनिया का सबसे बड़ा प्रवासी गंतव्य बना हुआ है और वहां प्रवासी मूल के लोगों की संख्या करोड़ों में है। यह केवल कानूनी रास्तों तक सीमित नहीं है। अमेरिका मेक्सिको सीमा पर हर साल हजारों लोग अवैध रूप से प्रवेश करने की कोशिश करते हैं। कठिन रेगिस्तानी रास्ते, नदियों का जोखिम और सख्त सीमा सुरक्षा के बावजूद लोग उस दिशा में बढ़ते रहते हैं। कई बार यह प्रयास दुखद घटनाओं में बदल जाता है और कुछ लोग अपनी जान तक गंवा बैठते हैं। इसके बावजूद अमेरिका जाने का सपना खत्म नहीं होता। यह एक कठोर किंतु स्पष्ट सच्चाई है कि यदि कोई देश इतना महत्वहीन या कमजोर होता तब भला क्यों लोग अपनी जिंदगी को खतरे में डालकर वहां पहुंचने की कोशिश करते? अमेरिका की ताकत उसकी सेना या अर्थव्यवस्था तक सीमित नहीं है। उसकी सबसे बड़ी शक्ति उसकी संस्थाएं हैं। वहां का संविधान, न्यायपालिका और नागरिक अधिकारों की व्यवस्था दुनिया में मजबूत लोकतांत्रिक ढांचे का उदाहरण मानी जाती है। इसी का एक ताजा उदाहरण जन्म के आधार पर मिलने वाली नागरिकता को लेकर चल रही बहस है। अमेरिका में कई धार्मिक संगठनों ने सर्वोच्च न्यायालय से अपील की है कि जन्म के आधार पर मिलने वाली नागरिकता को सीमित नहीं किया जाना चाहिए। इस प्रयास में ह्लहिंदू अमेरिकन फाउंडेशनह्व ने प्रमुख भूमिका निभाई है। इस संगठन ने सत्तावन धार्मिक संगठनों के साथ मिलकर संयुक्त राज्य अमेरिका के सर्वोच्च न्यायालय में एक मित्र याचिका दायर की है। यह याचिका ट्रंप बनाम बारबरा नामक मामले में दी गई है जो इस समय न्यायालय में विचाराधीन है। यह विवाद उस समय सामने आया जब दो हजार पच्चीस की शुरूआत में ह्लडोनाल्ड ट्रंप प्रशासनह्व ने एक कार्यकारी आदेश के माध्यम से जन्मसिद्ध नागरिकता को सीमित करने का प्रयास किया। अमेरिका के संविधान के चौदहवें संशोधन में स्पष्ट रूप से लिखा है कि संयुक्त राज्य अमेरिका में जन्म लेने वाला हर व्यक्ति नागरिक माना जाएगा। यही प्रावधान अमेरिकी लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों में से एक है और इसी कारण इस विषय पर व्यापक बहस चल रही है। इस बहस में एक दिलचस्प पहलू यह भी सामने आया है कि हिन्दू समुदाय ने अपने तर्क यहां सिर्फ संवैधानिक प्रावधानों के आधार पर ही सिद्ध करने के प्रयास नहीं किए हैं, बल्कि धार्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों के आधार पर भी रखे हैं। ह्लहिंदू अमेरिकन फाउंडेशन का कहना है कि हिंदू परंपरा पूरी दुनिया को एक परिवार मानने की शिक्षा देती है। यह विचार महा उपनिषद में व्यक्त वसुधैव कुटुंबकम के सिद्धांत में मिलता है, जिसका अर्थ है कि उदार विचार वाले लोगों के लिए पूरी दुनिया एक परिवार होती है। संकीर्ण सोच वाले लोग किसी को अपना और किसी को पराया मानते हैं लेकिन उदार विचार वाले लोगों के लिए पूरी दुनिया एक परिवार होती है। इसी प्रकार तैत्तिरीय उपनिषद में ह्लअतिथि देवो भवह्व का संदेश दिया गया है, जिसमें अतिथि को देवता के समान सम्मान देने की बात कही गई है। कहा गया है कि अतिथि को देवता के समान मानकर उसका सम्मान करना चाहिए। यह उल्लेख इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह दशार्ता है कि भारतीय सभ्यता के विचार और मूल्य आज भी दुनिया के दूसरे हिस्सों में बसे भारतीय समुदाय के जीवन और सोच का हिस्सा हैं। फाउंडेशन ने यह भी कहा कि जन्मसिद्ध नागरिकता अमेरिका में धार्मिक विविधता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इन सभी तथ्यों के बीच भारत और अमेरिका के संबंधों को समझना भी जरूरी है। यह संबंध किसी एक सरकार या किसी एक राजनीतिक दल की देन नहीं हैं। पिछले कई दशकों से भारत की विदेश नीति में अमेरिका के साथ सहयोग एक महत्वपूर्ण तत्व रहा है। दो हजार आठ का भारत-अमेरिका असैनिक परमाणु समझौता इसका एक प्रमुख उदाहरण है। इसके बाद साल 2014 में मोदी सरकार आने के बाद से लगातार रक्षा, तकनीक, ऊर्जा और व्यापार के क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ता गया है। हाल के वर्षों में दोनों देशों के बीच व्यापार का स्तर भी तेजी से बढ़ा है और यह आंकड़ा सैकड़ों अरब डॉलर तक पहुंच चुका है। यहां भारतीयों के लिए समझने के लिए बहुत कुछ है, वस्तुतः कूटनीति का मूल सिद्धांत ही यही है कि कोई देश अपने राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखते हुए अंतरराष्ट्रीय साझेदारियां बनाते हैं। इसमें भावनात्मक नारेबाजी का कोई औचित्य नहीं है बल्कि व्यावहारिक सोच की आवश्यकता होती है। इसी द्दष्टि से देखें तो भारत का अमेरिका के साथ सहयोग वर्तमान की कोई कमजोरी नहीं है, यह तो एक सोचा-समझा निर्णय है। यही कारण है कि कांग्रेस का यह आरोप कि भारत-अमेरिका के सामने झुक गया है, वास्तविकता से बहुत दूर दिखाई देता है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में हर देश अपने हितों को ध्यान में रखकर फैसले करता है। अभी आपको जो दिख रहा है, इसे आप केंद्र सरकार की व्यावहारिक कूटनीति का हिस्सा कह सकते हैं।

(लेखक का निजी विचार है)

आज का राशिफल

मेष : व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी।

वृष : सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। यात्रा का योग हैं।

मिथुन : प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे।

कर्क : शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा।

सिंह : शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी।

कन्या : परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें।

तुला : स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी।

वृश्चिक : लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी।

धनु : सुख आरोग्य प्रभावित होगा। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव।

मकर : स्वविवेक से कार्य करें। किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रहें। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी।

कुंभ : प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा।

मीन : श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा।

दैनिक पंचांग

9 मार्च 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

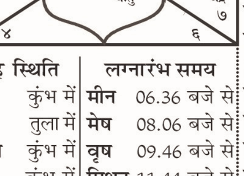

सोमवार 2026 वर्ष का 68 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास चैत्र (दक्षिण भारत में फाल्गुन)
पक्ष कृष्ण
तिथि षष्ठी 23.28 बजे को समाप्त।
नक्षत्र विशाखा 16.12 बजे को समाप्त।
योग व्याघात 07.36 बजे को समाप्त।
करण गर 10.17 बजे तदनन्तर वणिज 23.28 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 19.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 04° 35'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872643
जूलियन दिन 2461108.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना रमजान **तारीख** 19
विशेष एकनाथ छठ।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	06.36 बजे से
चंद्र	तुला में	मेष	08.06 बजे से
मंगल	कुंभ में	वृष	09.46 बजे से
बुध	कुंभ में	मिथुन	11.44 बजे से
गुरु	मिथुन में	कर्क	13.58 बजे से
शुक्र	मीन में	सिंह	16.14 बजे से
शनि	मीन में	कन्या	18.26 बजे से
राहु	कुंभ में	तुला	20.37 बजे से
केतु	सिंह में	वृश्चिक	22.51 ब.से
राहुकाल		धनु	01.07 बजे से
7.30 से 9.00		मकर	03.13 बजे से
बजे तक		कुंभ	04.59 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का पंच परिवर्तन कार्यक्रम और सामाजिक परिवर्तन

प्रहलाद सबनानी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। यदि हम इन सौ वर्षों की यात्रा पर द्दष्टि डालें तो स्पष्ट दिखाई देता है कि संघ के स्वयंसेवकों ने समाज के लगभग प्रत्येक क्षेत्र में सक्रिय योगदान दिया है। विचार, संगठन और कार्य के स्तर पर संघ ने निरंतर समाज जीवन को सकारात्मक दिशा देने का प्रयास किया है। प्रारम्भ में सीमित दायरे में प्रारंभ हुआ संघ का कार्य समय के साथ व्यापक और बहुआयामी होता गया। समाज की बदलती आवश्यकताओं को समझते हुए स्वयंसेवक विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय हुए और समाज परिवर्तन के वाहक बने। संघ के मूल उद्देश्य के अनुरूप देश में हिंदुत्व के जागरण की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। इस जागरण का प्रभाव समाज के विभिन्न वर्गों में दिखाई देने लगा है। जाति, वर्ग, भाषा या क्षेत्र के आधार पर जो भेदभाव लंबे समय से समाज में मौजूद थे, उनमें धीरे-धीरे कमी आ रही है। अनेक राष्ट्रीय और सांस्कृतिक अवसरों पर हिंदू समाज की एकता और संगठन की भावना स्पष्ट रूप से सामने आई है। श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन, अयोध्या में श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा तथा कुंभ जैसे विशाल आयोजनों ने समाज की एकता और आस्था को नई ऊर्जा दी है। इन अवसरों पर पूरे देश से आए लोगों की सहभागिता ने यह सिद्ध किया है कि भारतीय समाज में संगठन और आत्मविश्वास की शक्ति कितनी प्रबल है। संघ की 100 वर्षों की यात्रा केवल इतिहास की उपलब्धियों का वर्णन नहीं है बल्कि यह भविष्य के लिए एक प्रेरक संकल्प भी है। आज समाज में जो सकारात्मक परिवर्तन दिखाई दे रहे हैं, वे लंबे समय से किए जा रहे सतत प्रयासों का परिणाम हैं। हिंदुत्व और भारतीय परम्पराओं के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ रहा है। एक समय ऐसा भी था जब सार्वजनिक जीवन में हिंदू समाज की कमियों को ही अधिक उजागर किया जाता था, जिससे समाज के अनेक लोग अपनी परंपराओं और मूल्यों को सही रूप में समझ नहीं पाए। परंतु अब परिस्थितियाँ बदल रही हैं। लोग अपने धर्म, संस्कृति और परंपराओं पर गर्व अनुभव करने लगे हैं। आज अनेक परिवारों में अपने बच्चों के नामकरण से लेकर विवाह संस्कार तक भारतीय परंपराओं का पुनः सम्मानपूर्वक पालन किया जा रहा है। घर-परिवार में धार्मिक और सांस्कृतिक परम्पराओं को महत्व दिया जाने लगा है। इस परिवर्तन का उद्देश्य केवल परंपराओं का पालन करना नहीं है, बल्कि एक सच्चरित्र, संस्कारित और जिम्मेदार पीढ़ी का निर्माण करना है। ऐसी पीढ़ी ही समाज में सकारात्मक वातावरण का निर्माण कर सकती है और परिवार तथा समाज में सुख-शांति की स्थापना कर सकती है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपने शताब्दी वर्ष में एक विशेष पहल की है, जिसे ह्लपंच परिवर्तनह्व कार्यक्रम कहा गया है। इस कार्यक्रम का आह्वान संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत द्वारा किया गया है। इसका उद्देश्य समाज में ऐसे पाँच महत्वपूर्ण क्षेत्रों में जागरूकता और व्यवहारिक परिवर्तन लाना है, जिनसे राष्ट्र जीवन को नई दिशा मिल सके। पंच परिवर्तन कार्यक्रम के पाँच प्रमुख आयाम हैं- नागरिक कर्तव्यों के प्रति सजगता, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता, स्वदेशी भावना और स्वावलंबन का विकास, कुटुंब प्रबोधन के माध्यम से पारिवारिक मूल्यों का सुदृढ़ीकरण, सामाजिक समरसता की स्थापना।इन पाँचों आयामों का उद्देश्य केवल विचार प्रस्तुत करना नहीं है बल्कि इन्हें जीवन में व्यवहार के रूप में अपनाना है। जब समाज का प्रत्येक व्यक्ति अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक होगा, तभी राष्ट्र सशक्त बन सकेगा। नागरिकों को कानून व्यवस्था का पालन करते हुए समाज में सद्भाव और सहयोग की भावना को बढ़ावा देना होगा। कुटुंब प्रबोधन इस कार्यक्रम का अत्यंत महत्वपूर्ण भाग है। परिवार समाज की सबसे छोटी लेकिन सबसे महत्वपूर्ण इकाई है। यदि परिवार में संस्कार, संवाद और संवेदनशीलता का वातावरण होगा तो समाज स्वतः स्वस्थ और सुदृढ़ बनेगा। इसके लिए यह आवश्यक है कि परिवार के सदस्य समय निकाल कर एक साथ बैठें, संवाद करें और अपने बच्चों को महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा दें। सप्ताह में कम से कम एक बार परिवार में धार्मिक या सांस्कृतिक आयोजन तथा बच्चों के साथ महापुरुषों के जीवन पर चर्चा जैसी छोटी-छोटी पहलें समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकती हैं। इसी प्रकार सामाजिक समरसता भी पंच परिवर्तन का प्रमुख लक्ष्य है। समाज में किसी भी प्रकार का भेदभाव राष्ट्र की एकता को कमजोर करता है। मंदिर, पानी और श्मशान जैसे विषयों में यदि कहीं भी भेदभाव की भावना शेष है, तो उसे समाप्त करना समाज का दायित्व है। सभी वर्गों के लोगों के साथ आत्मीयता और सम्मान का व्यवहार करना ही समरस समाज की आधारशिला है। त्यौहारों और सामाजिक अवसरों पर विभिन्न समुदायों के लोग एक-दूसरे के घर जाएँ, एक साथ बैठें और परस्पर सम्मान का भाव रखें, यही सामाजिक एकता का वास्तविक स्वरूप है। पर्यावरण संरक्षण भी आज के समय की अत्यंत महत्वपूर्ण आवश्यकता है। प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखना मानव जीवन के लिए अनिवार्य है। जल संरक्षण, हरियाली बढ़ाना और प्लास्टिक के उपयोग को कम करना जैसे छोटे-छोटे कदम पर्यावरण की रक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। यदि प्रत्येक परिवार यह संकल्प ले कि पानी का अपव्यय नहीं होगा, घर-आंगन में वृक्ष लगाए जाएंगे और सिंगल-यूज प्लास्टिक का उपयोग कम किया जाएगा, तो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा परिवर्तन संभव है। स्वदेशी भावना का विकास भी राष्ट्र निर्माण का महत्वपूर्ण आधार है। स्वदेशी का अर्थ केवल देश में बने उत्पादों का उपयोग करना ही नहीं है बल्कि आत्मनिर्भरता और स्वाभिमान की भावना को मजबूत करना भी है। जब देश का नागरिक स्वदेशी वस्तुओं को प्राथमिकता देता है, तब देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होती है और रोजगार के अवसर बढ़ते हैं। इसलिए स्वदेशी का आचरण घर से ही प्रारंभ होना चाहिए। इसके साथ-साथ समाज में व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करने के लिए भी सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। दहेज प्रथा, मृत्यु भोज जैसी परंपराएँ तथा युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति जैसी समस्याएँ समाज के लिए गंभीर चुनौती हैं। इन कुरीतियों के उन्मूलन के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग को मिलकर प्रयास करना होगा। जब समाज की एकता, सजगता और निःस्वार्थ सेवा की भावना एक साथ कार्य करती है, तभी राष्ट्र सशक्त और वैभवशाली बनता है। भारत की सनातन संस्कृति ह्लवसुधैव कुटुम्बकम्ह्व का संदेश देती है, जिसमें सम्पूर्ण विश्व को एक परिवार माना गया है। यही संस्कृति मानवता को अंधकार से प्रकाश की ओर, असत्य से सत्य की ओर और निराशा से आशा की ओर ले जाने की प्रेरणा देती है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मानना है कि भारत की पहचान उसकी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक जीवन द्दष्टि से है, जिसे दुनिया हिंदुत्व के नाम से जानती है। इसी जीवन द्दष्टि के आधार पर समाज को एक सूत्र में जोड़कर सशक्त और संस्कारित राष्ट्र का निर्माण करना संघ का मूल उद्देश्य रहा है। वर्ष 1925 में प्रारम्भ हुआ यह कार्य आज भी निरंतर आगे बढ़ रहा है और भविष्य में भी समाज परिवर्तन की दिशा में इसी प्रकार जारी रहेगा।

(लेखक का निजी विचार है)

भारत में महिलाओं के प्रति बदलने लगा है नजरिया

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक उपलब्धियों का जश्न मनाने और लैंगिक समानता की वकालत करने के लिए मनाया जाता है। यह जागरूकता बढ़ाने, बाधाओं को तोड़ने और सभी के लिए समान अवसरों को बढ़ावा देने का दिन है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि जब महिलाएं आगे बढ़ती हैं तो समाज और राष्ट्र मजबूत होते है। यह समानता और अधिकारों के लिए एक वैश्विक आंदोलन है, जो महिलाओं के सम्मान और उनके अधिकारों के लिए संघर्ष का प्रतीक है। यह एक ऐसा दिन है जो महिलाओं को सपने देखने और उन्हें पूरा करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस साल 1911 से हर साल 8 मार्च पूरे विश्व में मनाया जाता है। जिसका उद्देश्य महिलाओं की सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और राजनीतिक उपलब्धियों का जश्न मनाना है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2026 की थीम है दान से लाभ है, जो उदारता, सहयोग और सामूहिक प्रगति के मूल्यों को बढ़ावा देता है। यह अभियान इस बात पर प्रकाश डालता है कि महिलाओं का समर्थन करना और लैंगिक समानता को आगे बढ़ाना सभी के लिए व्यापक सामाजिक और आर्थिक लाभ ला सकता है। इस अभियान का मूल विचार यह है कि जब महिलाएं शिक्षा, नेतृत्व, उद्यमिता, विज्ञान, कला और राजनीति जैसे क्षेत्रों में सशक्त होती हैं, तो इससे मजबूत समुदाय और साझा समृद्धि का निर्माण होता है। सहयोग और समान अवसरों को प्रोत्साहित करके, यह अभियान समाज में समावेशी विकास और सकारात्मक बदलाव को बढ़ावा देना चाहता है।

भारत में महिलाओं की सुरक्षा और इज्जत का खास ख्याल रखा जाता है। अगर हम इक्कीसवीं सदी की बात करे तो यहां की महिलाएं हर क्षेत्र में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिला काम कर रही है। अब तो भारत की संसद ने भी महिलाओं के लिये लोकसभा व विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण का विधेयक पास कर दिया है। उससे आने वाले समय में भारत की राजनीति में महिलाओं की भूमिका अधिक महत्वपूर्ण हो जायेगी। देश में महिलाओं को अब सेना में भी महत्वपूर्ण पदो पर तैनात किया जाने लगा है। जो महिला सशक्तीकरण की दिशा में एक बड़ा कदम है।

कूनो राष्ट्रीय उद्यान के दो चीते राजस्थान पहुंचे, एनटीसीए ने कहा- चीतों की चौबीसों घंटे निगरानी

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) ने मध्य प्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान (केएनपी) के चीते केपी-2 और केपी-3 के राजस्थान के बारां जिले में पहुंचने संबंधी मीडिया रिपोर्टों का संज्ञान लिया है। तथ्यात्मक स्थिति साफ करते हुए एनटीसीए के अधिकारी ने रविवार को बताया कि केपी-2 को बारां के मांगरोल रेंज में ट्रैक किया गया है, जबकि केपी -3 कूनो राष्ट्रीय उद्यान से लगभग 60झ70 किमी की दूरी तय कर बांझ अमली संरक्षण रिजर्व में पहुंचा है। दोनों चीते पार्वती नदी के दोनों किनारों पर लगभग 6 किमी की दूरी पर हैं। एनटीसीए के अधिकारी ने बताया

कि जीपीएस और रेडियो-कॉलर के माध्यम से दोनों चीतों की चौबीस घंटे निगरानी की जा रही है। इसके लिए अंतर-राज्यीय संयुक्त टीम तैनात है, जिसमें किशनगंज और अंता रेंज से फील्ड टीमें सक्रिय हैं। अधिकारी ने बताया कि परिदृश्य सीमाओं के पार लंबी दूरी तक जाना चीतों का स्वाभाविक क्षेत्रीय व्यवहार है और यह वैज्ञानिक रूप से अच्छी तरह दर्ज है। प्रोजेक्ट चीता कार्ययोजना में कूनोझगांधी सागर मेटापॉपुलेशन परिदृश्य के भीतर अंतर-राज्यीय आवाजाही की संभावना पहले से ही शामिल और अपेक्षित है। यह गतिविधि प्रस्तावित 17,000 वर्ग किमी के कूनोझगांधी सागर अंतर-राज्यीय वन्यजीव कॉरिडोर के महत्व को और मजबूत करती है, जो राजस्थान के सात और मध्य प्रदेश के आठ जिलों में फैला हुआ है।

एनटीसीए दोनों राज्यों के वन विभागों के साथ सक्रिय समन्वय में है और आवश्यकता पड़ने पर आगे भी अद्यतन जानकारी जारी की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से आए चीतों की संतानें जो भारत की धरती पर जन्मी हैं, उन्हें राजस्थान की धरती अपनी टेरिटरी के लिए पसंद आ रही है। ये कूनो की सरहदें लांघकर राजस्थान तक अपना साम्राज्य स्थापित कर रहे हैं। केपी-2 चीते करीब 20 दिन से राजस्थान में हैं, अब दूसरा केपी -3 भी उसकी गंध का पीछा करते हुए राजस्थान के बारां जिले के जंगल में दाखिल हो गया है। दोनों करीब 6 किलोमीटर की दूरी पर हैं। यह चीता बारां जिले के बांझ आमली इलाके से राजस्थान में प्रवेश किया है। दोनों रामगढ़ बारां के जंगल में डेरा जमाए हैं। यह पांचवी दफा है, जब कूनो के चीते राजस्थान की सीमा में पहुंचे हैं।

केंद्र सरकार सशक्त देखभाल पारिस्थितिकी तंत्र पर करेगी वेबिनार, 1.5 लाख केयरगिवर को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य

नई दिल्ली। केंद्र सरकार वेबिनार श्रृंखला के तहत सशक्त देखभाल पारिस्थितिकी तंत्र : 1.5 लाख बहु-कौशल केयरगिवर का प्रशिक्षण विषय पर विशेष ब्रेकआउट सत्र आयोजित करेगी। यह वेबिनार सबका साथ सबका विकास- लोगों की आकांक्षाओं की पूर्ति विषय पर होगा। केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय ने बताया की वह इस वेबिनार को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय समन्वित करेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 9 मार्च को बजट के बाद वेबिनार 2026-27 को संबोधित करेंगे। केंद्रीय बजट 2026-27 के पैरा 54 में मजबूत केयर पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण पर जोर दिया गया है। इसके तहत वृद्धजन और संबद्ध देखभाल सेवाओं का विस्तार किया जाएगा। साथ ही राष्ट्रीय कौशल योग्यता ढांचा के अनुरूप प्रशिक्षण कार्यक्रम विकसित किए जाएंगे। इनमें देखभाल कौशल के साथ वेलनेस, योग तथा चिकित्सा और सहायक उपकरणों के संचालन जैसे कौशल भी शामिल होंगे। आने वाले वर्ष में 1.5 लाख केयरगिवर को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा गया है। वेबिनार के दौरान देखभाल क्षेत्र के लिए सक्षम कार्यबल विकसित करने पर चर्चा होगी। इसका उद्देश्य देश में बढ़ती घरेलू जरूरतों को पूरा करने के साथ वैश्विक देखभाल अर्थव्यवस्था में अवसरों का लाभ उठाना भी है। मंत्रालय ने कहा कि देश की कौशल व्यवस्था को मजबूत करने के लिए राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण परिषद, सेक्टर स्किल काउंसिल, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान और राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान जैसी संस्थाएं कार्य कर रही हैं। इसके साथ प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप प्रोत्साहन योजना और जन शिक्षण संस्थान जैसी योजनाओं के माध्यम से भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। अब तक जेरियाट्रिक केयरगिवर, होम हेल्थ एड और जनरल ड्यूटी असिस्टेंट जैसे क्षेत्रों में हजारों युवाओं को प्रशिक्षित किया जा चुका है। यह संगठित देखभाल कार्यबल के निर्माण की आधारशिला है। ब्रेकआउट सत्र में स्वास्थ्य संस्थानों, राज्य सरकारों, अंतरराष्ट्रीय संगठनों और शिक्षाविदों के विशेषज्ञ भाग लेंगे। इसमें केयरगिवर योग्यता के मानकीकरण, प्रशिक्षकों की क्षमता बढ़ाने, प्रशिक्षण ढांचे के विस्तार और देखभाल क्षेत्र में अप्रेंटिसशिप अवसरों को बढ़ाने जैसे विषयों पर चर्चा होगी।

नारी शक्ति का सामर्थ्य ही विकसित भारत की शक्ति : अन्नपूर्णा देवी

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि नारी शक्ति का सामर्थ्य ही विकसित भारत की शक्ति है। आज भारत महिला विकास से आगे बढ़कर महिला नेतृत्व वाले विकास के युग में प्रवेश कर चुका है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के जेंडर बजट में किया गया 5 लाख करोड़ रुपए से अधिक का ऐतिहासिक आवंटन इसी लक्ष्य को समर्पित है' सरकार 'होल ऑफ गवर्नमेंट' के विजन के साथ-शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और सुरक्षा जैसे बुनियादी क्षेत्रों में सुधार कर-के महिलाओं के जीवन को सशक्त बना रही है '

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2026 के अवसर पर रविवार को नई दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि आज भारत की आधी आबादी के संकल्प, समर्पण और उपलब्धियों का उत्सव है, जो 'विकसित भारत' की आधारशिला हैं। महिलाओं के समग्र विकास के लिए पूरे जीवन के एप्रोच को अपनाया है। इस यात्रा की शुरूआत बेटी के जन्म और उसकी शिक्षा से होती है। प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किए गए, 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' अभियान ने समाज की मानसिकता को बदला है ' बेटियों के जन्म को अब उत्सव के रूप में मनाया जा रहा है '

उन्होंने कहा कि विज्ञान, तकनीक और गणित विषयों में बेटियों की 43 प्रतिशत भागीदारी के साथ भारत पूरी दुनिया में सबसे आगे है। मंगल मिशन की सफलता में, हमारी महिला वैज्ञानिकों की उल्लेखनीय भूमिका रही है ' इस बार के बजट में, देशभर के सभी जिलों में महिला हॉस्टल की स्थापना से, हमारी बेटियों के लिए नई राहें खुलने जा रही हैं ' सरकार द्वारा पोषण अभियान और 'पीएम मातृ वंदना योजना' के अंतर्गत, सुरक्षित मातृत्व से स्वस्थ शिशु जन्म और उसकी देखभाल को सुनिश्चित किया गया है ' इसके सुखद परिणाम भी आज देश के सामने हैं। मातृ मृत्यु दर घटकर 97 तक पहुँच गई है।

एक स्वस्थ नारी ही एक समर्थ और विकसित राष्ट्र की निमार्ता होती है। हम महिलाओं को गंभीर बीमारियों से बचाने के लिए भी प्रतिबद्ध हैं ' इसके लिए, हाल ही में, प्रधानमन्त्री द्वारा सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए 'एचपीवी-टीकाकरण' अभियान भी शुरू किया गया है '

उन्होंने कहा कि संगठित और असंगठित क्षेत्र में महिला सुरक्षा के लिए शी बॉक्स पोर्टल की शुरूआत की गई है ' ताकि हमारी बहनें पूरे सम्मान और आत्मविश्वास के साथ कार्यबल में भागीदारी सुनिश्चित कर सकें' नारी की गरिमा के विरुद्ध अपराध के लिए 'जीरो टोलरेंस पॉलिसी' को अपनाया गया है । पिछले छह वर्षों में कार्यबल में महिलाओं की सहभागिता 22.3 प्रतिशत से बढ़कर 41.7 प्रतिशत हो गया है। मुद्रा योजना, 'स्टैंड-अप इंडिया' और पीएम स्वनिधि जैसी योजनाएं महिला उद्यमिता को नई ऊंचाइयां प्रदान कर रही हैं।

अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि प्रधानमन्त्री मार्गदर्शन में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' नए भारत की नई लोकतांत्रिक प्रतिबद्धता का उद्घोष है। संसद और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण से देश की नीतियाँ बनाने में माताओं-बहनों की भूमिका को निर्णायक बनाया गया है' आने वाले समय में संसद में हर तीसरी सीट पर एक महिला बैठी नजर आएंगी। यह लोकतंत्र में मातृशक्ति का शंखनाद है। इस कार्यक्रम में राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर भी मौजूद रही।

संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण कल से, पहले ही दिन लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ पेश होगा अविश्वास प्रस्ताव

एजेंसी

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण सोमवार 9 मार्च से शुरू होकर 2 अप्रैल तक चलेगा। बजट सत्र के दूसरे चरण की शुरूआत के साथ कल ही लोकसभा में अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष द्वारा लाया गया अविश्वास प्रस्ताव (नोटिस) पेश किया जाएगा। इस प्रस्ताव को सदन में विपक्षी सांसद मोहम्मद जावेद, के. सुरेश और डॉ. मल्लू रवि पेश करेंगे। इस बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 9 और 10 मार्च के लिए व्हिप जारी किया है। वहीं, कांग्रेस ने सभी सांसदों को 9-11 मार्च तक सदन में उपस्थित रहने के लिए व्हिप जारी

किया है। पिछले महीने बजट सत्र के पहले चरण के दौरान विपक्ष ने लोकसभा के महासचिव को अविश्वास प्रस्ताव प्रस्तुत किया था, जिसमें लोकसभा अध्यक्ष पर पक्षपातपूर्ण तरीके से कार्य करने का आरोप लगाते हुए उन्हें हटाने की मांग की गई थी। इस प्रस्ताव पर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, डीएमके, वामपंथी दलों और अन्य दलों के सदस्यों सहित 118 सांसदों ने हस्ताक्षर किए थे।

चर्चा के दौरान ओम बिरला अध्यक्षीय आसन पर नहीं बल्कि सदन में सत्तापक्ष के सदस्यों के साथ मौजूद रहकर अपने ऊपर लगाए गए आरोपों का जवाब दे सकेंगे। सदन की कार्यवाही उपाध्यक्ष या पैनल ऑफ चेयरपर्सन में शामिल सदस्य संचालित करते हैं। फिलहाल लोकसभा में उपाध्यक्ष का पद खाली है, ऐसे में पैनल में शामिल सांसद ही कार्यवाही का संचालन करेंगे।

इस बीच तृणमूल कांग्रेस ने भी विपक्ष के प्रस्ताव को समर्थन देने की घोषणा की है। तृणमूल कांग्रेस के 29 सांसद हैं। नियमों के अनुसार स्पीकर को हटाने का प्रस्ताव लोकसभा में साधारण बहुमत से पारित होता है। मौजूदा लोकसभा में एनडीए के पास करीब 290 से अधिक सांसदों का समर्थन है।

मप्र के कटनी में मालगाड़ी के बेपटरी, 24 घंटे बाद भी बहाल नहीं हो पाया रेल यातायात

कटनी। बिलासपुर रेल खंड पर मध्य प्रदेश के कटनी रेलवे स्टेशन के पास कोयले से भरी मालगाड़ी के पांच डिब्बे पटरी से उतरने के बाद से ट्रैक को सुधारने का कार्य जारी है। पिछले 24 घंटे बीतने के बावजूद अभी तक रेल यातायात बहाल नहीं हो सका है। दरअसल, बिलासपुर से कटनी की ओर आ रही मालगाड़ी शनिवार सुबह करीब 11 बजे कटनी रेलवे स्टेशन के पास गायत्री नगर आउटर पर बेपटरी हो गई थी। अचानक मालगाड़ी के पांच डिब्बे पटरी से उतरकर एक तरफ झुक गए और उनमें लदा कोयला ट्रैक पर बिखर गया था। इससे रेल मार्ग पर परिचालन बाधित हो गया। हालांकि, इस दुर्घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे प्रशासन सक्रिय हो गया। डीआरएम सहित रेलवे के वरिष्ठ इंजीनियरों की टीम, जीआरपी और आरपीएफ का बल पहुंचा और प्रारंभिक जांच के बाद एक्सीडेंट रिलीफ ट्रेन (एआरटी) को बुलाकर ट्रैक बहाली का कार्य तुरंत शुरू किया गया। रविवार को खबर लिखे जाने तक ट्रैक बहाली का कार्य जारी है। रेलवे का अमला क्षतिग्रस्त पटरियों को सुधारने और स्लीपर बदलने के कार्य में लगा है। सिंगरौली और बिलासपुर रूट अभी भी प्रभावित है और गुड्स ट्रेनों को जहां ग्रेड सेपरेटर से निकाली जा रही हैं तो वहीं यात्री ट्रेनों को कटनी स्टेशन से चलाया जा रहा है। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि डिब्बों को पटरी पर लाने और ट्रैक की मरम्मत का काम युद्ध स्तर पर जारी है। उम्मीद जताई जा रही है कि शाम तक ट्रैक का सुधार कार्य पूरा हो जाएगा।

तृणमूल कांग्रेस का व्यवहार राष्ट्रपति की गरिमा और पूरे आदिवासी समाज का अपमान : तरुण चुग

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग ने कहा कि राष्ट्रपति पद देश की सर्वोच्च संवैधानिक संस्था है और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी तथा उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस द्वारा इस पद की गरिमा को ठेस पहुंचाना बेहद शर्मनाक और निंदनीय है। तरुण चुग ने रविवार को प्रेस बयान जारी कर कहा कि यह केवल संवैधानिक पद का अपमान नहीं बल्कि पूरे देश के आदिवासी समाज की गरिमा पर सीधा आघात है। चुग ने कहा कि ममता बनर्जी की सरकार घबराहट और राजनीतिक हताशा में लगातार लोकतांत्रिक संस्थाओं को निशाना बना रही है। राष्ट्रपति का पद राजनीति से ऊपर और देश का सबसे बड़ा संवैधानिक व गरिमापूर्ण पद है। यह केवल संवैधानिक पद का ही नहीं बल्कि देश के आदिवासी समाज और बेटियों का भी अपमान है। उन्होंने कहा कि पहले मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ कैंपेन चलाया गया, कभी प्रभु श्रीराम का विरोध किया कभी सनातन का विरोध, भारतीय सेना के शौर्य का अपमान और अब राष्ट्रपति पद की गरिमा से जुड़ी यह घटना स्पष्ट करती है कि ममता बनर्जी संवैधानिक मयार्दाओं का सम्मान करना भूल चुकी हैं। चुग ने कहा कि पश्चिम बंगाल और देश की जनता सबकुछ देख और समझ रही है। ममता बनर्जी की विभाजनकारी और अराजक राजनीति राज्य को अस्थिर कर रही है और लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने की कोशिश कर रही है। चुग ने कहा कि बंगाल की जनता अब इस अपमान का लोकतांत्रिक जवाब देने के लिए तैयार है और आने वाले समय में ममता बनर्जी की राजनीति को जनता स्वयं करारा उत्तर देगी।

शंघाई में वसंत बैठक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित, भारतीय महा वाणिज्य दूत बोले-संगीत और नृत्य सांस्कृतिक पुल

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के महावाणिज्य दूत प्रतीक माथुर ने चीन की आर्थिक राजधानी शंघाई में भारतीय शास्त्रीय संगीत और नृत्य पर आयोजित कार्यक्रम में कहा कि संगीत और नृत्य, भाषा और भौगोलिक सीमाओं से परे जाकर लोगों को जोड़ते हैं और ऐसे आयोजन सांस्कृतिक पुल का काम करते हैं। ऐसे कार्यक्रम भारत और अंतरराष्ट्रीय मित्रों के बीच सांस्कृतिक समझ और मित्रता को और मजबूत करेंगे।

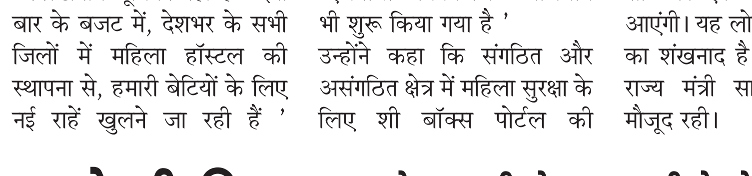

शंघाई में 4 मार्च को भारत के कॉन्सुलेट जनरल ने अपने सांस्कृतिक केंद्र में वसंत बैठक का आयोजन किया। भारतीय शास्त्रीय संगीत और नृत्य की जीवंत परंपराओं पर आधारित इस कार्यक्रम में 1,000 से अधिक लोग शामिल हुए, जिनमें डिप्लोमैटिक कॉर्प्स के सदस्य, विशेष अतिथि, भारतीय समुदाय और चीन सहित दुनिया भर से भारत के मित्र मौजूद थे। इस आयोजन ने सांस्कृतिक आदान-प्रदान और मेलजोल को बढ़ावा दिया। कार्यक्रम में चीनी समुदाय की बड़ी संख्या में भागीदारी रही। यह शंघाई में भारतीय कॉन्सुलेट का अब तक का सबसे बड़ा सांस्कृतिक आयोजन रहा।

महावाणिज्य दूत प्रतीक माथुर ने कहा कि वसंत नई शुरूआत, रंग और खुशी का मौसम है और भारत में यह समय त्योहारों, संगीत, नृत्य और सामुदायिक आयोजनों से मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम उसी भावना को दशार्ता है। यह कलाकारों और दर्शकों को करीब लाता है और भारतीय शास्त्रीय परंपरा की गहराई को समझने का अवसर देता है। उन्होंने कुचिपुड़ी नृत्य और भारतीय वाद्य संगीत की प्रस्तुतियों को जीवंत परंपरा बताते हुए कहा कि यह सदियों के दर्शन, सौंदर्यशास्त्र और आध्यात्मिक विचारधारा को संजोए हुए हैं।

माथुर ने चैती आर्ट्स फाउंडेशन और प्रतिभाशाली कलाकारों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह आयोजन स्थानीय समाज की कल्पना को आकर्षित करने और जन-जन के बीच संबंधों को मजबूत करने में सफल रहा। कलाकारों ने पारंपरिक बैठक शैली में आयोजित इस कार्यक्रम में कुचिपुड़ी नृत्य की अभिव्यक्तिपूर्ण प्रस्तुतियां दीं। इसके बाद सारंगी और सितार वादन सहित भारतीय शास्त्रीय वाद्य संगीत की मनमोहक प्रस्तुतियां दी गईं।

एक नजर

इजराइल का बेरूत में हमला, ईरानी कुद्स फोर्स के लेबनान कॉर्प्स के कमांडर मारे गए

तेहरान/बेरूत/ तेल अवीव/वाशिंगटन। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जंग के नौवें दिन तक युद्ध की लपटें फारस के खाड़ी देशों तक पहुंच चुकी है। इजराइल को आज (रविवार) सुबह ईरान पर किए गए जबरदस्त हमले का मिसाइलों से जवाब मिला है। इजराइल ने लेबनान में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के कुद्स फोर्स के लेबनान कॉर्प्स के कमांडरों को मार गिराने का दावा किया है। सीबीएस न्यूज, फॉक्स न्यूज और सीएनएन की रिपोर्ट्स के अनुसार, इस जंग में अमेरिका और इजराइल के सैन्य अभियान में ईरान को अब तक सबसे बड़ी कीमत चुकानी पड़ी है। देश के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई और उनके परिवार के अधिकांश सदस्यों समेत आला सैन्य अफसर मारे जा चुके हैं। युद्ध की लपटों से फारस की खाड़ी के देश झुलस रहे हैं। अमेरिका के भी छह सैन्य अफसरों की मौत हो चुकी है। इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने आज सुबह कहा कि ईरान में हमलों की एक नई लहर शुरू की गई है। सेना ने ईरानी सरकार के प्रमुख स्थलों को निशाना बनाया है। आईडीएफ ने उसके हमले के बाद ईरान से इजराइल की ओर मिसाइलें दागी गई हैं। देश की रक्षा प्रणाली (बहु-स्तरीय सुरक्षा कवच) इस खतरे को रोकने के लिए काम कर रही है। आईडीएफ ने कहा कि ईरान पर हमले से कुछ देर पहले बेरूत में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के कुद्स फोर्स के लेबनान कॉर्प्स के कमांडरों को निशाना बनाकर मिसाइलें दागी गईं। इस हमले में चार कमांडर मारे गए।लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि यह हमला बेरूत के प्रसिद्ध पर्यटन क्षेत्र में एक होटल पर हुआ। हमले में चार लोग मारे गए। मंत्रालय ने बयान में यह साफ नहीं किया कि मारे गए लोगों में कमांडर हैं या अन्य लोग। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह ईरान के शीर्ष रक्षा अधिकारी अली लारीजानी की धमकी की परवाह नहीं करते। लारीजानी लंबे समय तक खामेनेई के भरोसेमंद रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि लारीजानी को मालूम होना चाहिए कि खामेनेई के मारे जाने के बाद ईरान पहले ही हार चुका है। ईरान की भलाई इसी बात पर है कि वह बिना शर्त आत्मसमर्पण कर दे। उन्होंने कहा कि अब इराक के कुर्दों से अमेरिका को मदद की जरूरत नहीं है।

नेपाल में हुए जेन-जी आंदोलन की जांच रिपोर्ट आयोग ने प्रधानमंत्री को सौंपी

काठमांडू। पिछले साल 8 और 9 सितंबर को हुए जेन जी प्रदर्शन के दौरान हुई मौतों और नुकसान की जांच के लिए गठित उच्च स्तरीय आयोग ने सोमवार को अपनी रिपोर्ट प्रधानमंत्री सुशीला कार्की को सौंप दी। पूर्व न्यायाधीश गौरी बहादुर कार्की के नेतृत्व वाले इस जांच आयोग की मुख्य रिपोर्ट 900 से अधिक पन्नों की बताई गई है। आयोग के सदस्य और नेपाल पुलिस के पूर्व डीआईजी विज्ञानराज शर्मा के अनुसार रिपोर्ट के साथ कई अनुसूचियां और दस्तावेज भी शामिल हैं, जिससे कुल दस्तावेज का आकार 8,000 से 10,000 पन्नों के बीच है। रिपोर्ट सौंपने के बाद शर्मा ने कहा कि आयोग ने 8 और 9 सितंबर की घटनाओं की विस्तृत जांच की और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपनी राय और सिफारिशें दी हैं। उन्होंने कहा कि अब यह रिपोर्ट सरकार के पास है। शर्मा ने पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और तत्कालीन गृह मंत्री रमेश लेखक के संबंध में आयोग की सिफारिशों का खुलासा नहीं किया। उन्होंने कहा कि आयोग ने आवश्यक कार्रवाई की सिफारिश की है, लेकिन उसे लागू करना सरकार की जिम्मेदारी है। आयोग के सदस्य शर्मा ने बताया कि आंदोलन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में कुछ कमजोरियां भी सामने आईं। उन्होंने कहा कि जब प्रदर्शनकारी संसद भवन परिसर की ओर बढ़े, तब बैरिकेडिंग व्यवस्था में कमजोरियां साफ दिखाई दीं। आयोग ने जांच के दौरान 200 से अधिक लोगों के बयान दर्ज किए और कई विशेषज्ञों से भी राय ली। शर्मा ने कहा कि यह रिपोर्ट दोनों दिनों की घटनाओं का गहन अध्ययन करने के बाद तैयार की गई है।उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री कार्की ने रिपोर्ट प्राप्त करने के बाद आयोग का धन्यवाद दिया और आश्वासन दिया कि सरकार इस पर आवश्यक कदम उठाएगी।

नेपाल चुनाव की मतगणना अंतिम चरण में, आरएसपी को दो तिहाई की बड़ी बढ़त

काठमांडू। नेपाल में प्रतिनिधि सभा के लिए ५ मार्च को हुए चुनाव के बाद शुरू हुई मतगणना अब अपने अंतिम दौर में है। अब तक राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) ने 123 निर्वाचन क्षेत्रों में जीत दर्ज कर ली है और 2 अन्य सीटों पर बढ़त बनाए हुए है। मतगणना के शुरूआती चरण से ही मजबूत बढ़त बनाए रखने वाली आरएसपी ने 165 सीटों में

से 156 निर्वाचन क्षेत्रों में जीत दर्ज कर ली है, जिससे वह चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरती दिखाई दे रही है। दूसरे स्थान पर रही नेपाली कांग्रेस ने अब तक 16 सीटों पर जीत हासिल की है और एक अन्य सीट पर बढ़त बनाए हुए है। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी) ने 7 सीटें जीती हैं और 3 सीटों पर आगे चल रही है। इसके अलावा नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी (पूर्व नाम माओवादी) ने भी 7 सीटों पर जीत दर्ज की है और 1 सीटों पर बढ़त बनाए हुए है। अन्य दलों में राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी ने एक और एक स्वतंत्र उम्मीदवार ने सीट जीती है। श्रम शक्ति पार्टी ने एक सीट पर जीत हासिल की है और दो अन्य सीटों पर आगे चल रही है।

कुवैत में ईरान ने की ड्रोन की बौछार, एयरपोर्ट का फ्यूल डिपो आग की लपटों में घिरा

कुवैत सिटी। अमेरिका-इजराइल की ईरान के साथ चल रहे युद्ध के बीच कुवैत पर बड़ा ड्रोन हमला हुआ है। ईरान तेल अवीव के अमेरिका के सहयोगी फारस की खाड़ी देशों पर हमला कर रहा है। कुवैत ने कहा कि ड्रोन से सरकारी इमारत को निशाना बनाया गया। ड्रोन हमले में एयरपोर्ट के फ्यूल डिपो में भयंकर आग लग गई। कुवैत की सरकारी न्यूज एजेंसी के हवाले से सीएनएन ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि कुवैत में एक सरकारी बिल्डिंग को ड्रोन हमले में निशाना बनाया गया। यहां पब्लिक इंस्टीट्यूशन फॉर सोशल सिक्योरिटी का हेडक्वार्टर भी है। हमले इस स्थान की सामग्री को नुकसान पहुंचा है। यह बिल्डिंग लगभग 22 मंजिला है और कुवैत सिटी सेंटर के पॉश अल सूर डिस्ट्रिक्ट में है। इसके बगल में होटल फॉर सीजंस है। यहां से शॉपिंग मॉल्स कुछ फासले पर हैं। पब्लिक इंस्टीट्यूशन फॉर सोशल सिक्योरिटी के कार्यवाहक निदेशक बताया कि बिल्डिंग के कई गार्ड्स को सुरक्षित निकाल लिया गया और किसी के घायल होने की खबर नहीं है। डेटा सुरक्षित है। इसके अलावा कुवैत इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर दो फ्यूल डिपो पर भी ड्रोन हमला हुआ।उनमें से एक में भयंकर आग लग गई। कुवैत फायर फोर्स ने कहा कि टीम अभी सरकारी बिल्डिंग और फ्यूल डिपो में लगी आग बुझाने का काम कर रही है। कुना का कहना है कि यह हमला ऐसे समय पर हुआ, जब कुवैत का एयर डिफेंस दुश्मन ड्रोन की लहर का सामना कर रहा है। उल्लेखनीय है कि ईरान ने माफी मांगने के बावजूद फारस की खाड़ी के देशों पर बमबारी की है। इस बीच, लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने पुष्टि की सेंट्रल बेरूत में रमाडा होटल की बिल्डिंग के एक अपार्टमेंट पर इजराइली हमले में कम से कम चार लोग मारे गए और दस अन्य घायल हो गए।

राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता के लिए मुरादाबाद मंडल के खिलाड़ी अयोध्या रवाना

मुरादाबाद। बेसिक शिक्षा परिषद की राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता के लिए मुरादाबाद मंडल के खिलाड़ी रविवार को ट्रेन के द्वारा अयोध्या के लिए रवाना हो गए। बेसिक शिक्षा परिषद की राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता 9, 10 और 11 मार्च को डॉ. भीमराव अम्बेडकर अंतरराष्ट्रीय क्रीड़ा संकुल, प्रयागराज रोड ढावा सेवर, अयोध्या में आयोजित होगी। इस प्रतियोगिता में मण्डल स्तर पर विजेता खिलाड़ी राज्य स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।
खिलाड़ियों का दल कैंटीजेंट लीडर बीईओ मनोज कुमार बोस व मण्डल प्रभारी एवं जिला व्यायाम शिक्षक गंगासरन के नेतृत्व में रवाना हुआ। खिलाड़ियों के साथ अयोध्या गए राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित डॉ. हरनन्दन प्रसाद ने बताया कि मुरादाबाद मंडल के अंतर्गत आने वाले पांचों जनपदों के विजेता खिलाड़ी अपने-अपने टीम प्रभारी एवं शिक्षकों के साथ प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के लिए अयोध्या रवाना हो गए। मुरादाबाद जनपद के विभिन्न विकास खंडों के चयनित खिलाड़ी भी पूरे उत्साह के साथ राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रस्थान कर गए। इससे पूर्व चंदौसी में आयोजित मण्डल स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में जनपद मुरादाबाद ऑल ओवर चैंपियन रहा था। डॉ. हरनन्दन प्रसाद ने बताया कि प्रतियोगिता में एथलेटिक्स सहित विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा, जिसमें प्रदेश भर से आए प्रतिभाशाली खिलाड़ी अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। खिलाड़ियों के साथ डॉ. हरनन्दन प्रसाद, करतार सिंह, रामचन्द्र, अरविंद कुमार, अनिरुद्ध प्रताप सिंह, मीनू रानी, मुताहिर हुसैन सहित शिक्षक अपनी-अपनी टीमों के साथ राज्य स्तर के खेलों के लिए अयोध्या रवाना हुए।

ऑल इंग्लैंड ओपन 2026 के फाइनल में लक्ष्य सेन उपविजेता, लिन चुन-यी ने जीता खिताब

बर्मिंघम। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन को ऑल इंग्लैंड ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप 2026 के पुरुष एकल फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। रविवार को बर्मिंघम में खेले गए मुकाबले में उन्हें चीनी ताइपे के लिन चुन-यी ने 21-15, 22-20 से पराजित कर खिताब अपने नाम किया। करीब 57 मिनट तक चले इस रोमांचक मुकाबले में लक्ष्य सेन ने कड़ा संघर्ष किया, लेकिन निर्णायक क्षणों में लिन ने बेहतर खेल दिखाते हुए जीत हासिल कर ली। मुकाबले के दौरान लक्ष्य सेन दाएं पैर की उंगलियों में पड़े छालों के बावजूद कोर्ट पर डटे रहे और पूरे जोश के साथ खेलते नजर आए। पहले गेम में लिन चुन-यी ने तेज और आक्रामक खेल दिखाते हुए शुरूआत से ही बढ़त बना ली। हालांकि लक्ष्य सेन ने कुछ अच्छे अंक लेकर वापसी की कोशिश की, लेकिन लिन ने दबाव बनाए रखते हुए पहला गेम 21-15 से अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में लक्ष्य सेन ने शानदार वापसी की और कुछ समय तक मुकाबले पर पकड़ भी बनाई। उन्होंने लंबी रैलियों और आक्रामक शॉट्स के जरिए बढ़त हासिल की, लेकिन अंत के क्षणों में लिन ने लगातार अंक जुटाकर स्कोर बराबर कर दिया। मुकाबला दो बार ड्यूस तक पहुंचा, जहां लिन ने धैर्य बनाए रखते हुए 22-20 से गेम और मैच जीत लिया। इस जीत के साथ लिन चुन-यी ऑल इंग्लैंड ओपन बैटमिंटन चैंपियनशिप के पुरुष एकल खिताब जीतने वाले चीनी ताइपे के पहले खिलाड़ी बन गए। वहीं लक्ष्य सेन ने शानदार प्रदर्शन के बावजूद इस प्रतिष्ठित टूनार्मेंट में दूसरी बार उपविजेता बनकर संतोष करना पड़ा।

टी-20 विश्व कप फाइनल में न्यूजीलैंड ने जीता टॉस

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद स्थित नरेंद्र मोदी स्टेडियम में आज आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप 2026 का फाइनल मुकाबला भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेला जा रहा है। मुकाबले में न्यूजीलैंड टीम के कप्तान मिचेल सैंटनर ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का निर्णय लिया है। भारतीय टीम पहले बल्लेबाजी करने उतरेगी। खिताबी मुकाबले के लिए न्यूजीलैंड ने प्लेइंग-11 में एक बदलाव किया है। कोल मैककॉन्की की जगह तेज गेंदबाज जैकब डफी को जगह दी है। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टॉस के दौरान कहा कि वह पहले बल्लेबाजी कर-के खुश हैं, क्योंकि हम यह बहुत अच्छा कर रहे हैं। फाइनल के लिए भारतीय प्लेइंग-11 में कोई बदलाव नहीं है। फाइनल मुकाबले के लिए दोनों टीमों की प्लेइंग 11 भारतीय टीम- अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह। न्यूजीलैंड टीम- टिम साइफर्ट (विकेटकीपर), फिन एलेन, रचिन रवींद्र, ग्लेन फिलिप्स, मार्क चैपमैन, डेरिल मिचेल, जेम्स नीशम, मिचेल सैंटनर (कप्तान), मैट हेनरी, लोकी फर्ग्यूसन, जैकब डफी।

टी20 वर्ल्ड कप 2026: टीम इंडिया के फाइनल तक के सफर पर एक नजर

टूनार्मेंट के टॉप परफॉर्मर्स

टूनार्मेंट में अब तक पाकिस्तान के बल्लेबाज साहिबजादा फरहान सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में टॉप पर हैं उन्होंने 383 रन बनाए हैं. वहीं भारत की तरफ से सबसे आगे ईशान किशन हैं, जिन्होंने 263 रन बनाए हैं. वहीं गेंदबाजों की लिस्ट में अमेरिका के तेज गेंदबाज सैडली शाल्विक केवल 4 मैच में 13 विकेट लेकर सबसे आगे हैं जबकि भारत की तरफ से वरुण चक्रवर्ती 13 विकेट के साथ आगे हैं.

टीम इंडिया टी20 वर्ल्ड कप 2026 में फेवरेट और डिफेंडिंग चैंपियन का टाइटल लेकर टूनार्मेंट में बतौर मेजबान मैदान में उतरी थी. जिसकी वजह से टीम पर काफी दबाव भी था, लेकिन दबाव में ही टीम इंडिया का प्रदर्शन सबसे ज्यादा निखरकर सामने आता है. इसका अंदाजा भारतीय फैंस ने सेमीफाइनल समेत सुपर 8 मैच में अच्छे से किया होगा. भारतीय टीम अब टी20 वर्ल्ड कप के अपने तीसरे खिताब से केवल एक कदम दूर है. क्योंकि वो टी20 वर्ल्ड कप में लगातार दूसरी और टूनार्मेंट के इतिहास में चौथी बार फाइनल में पहुंच चुकी है. जहां उनका सामना रविवार (8 मार्च) को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में न्यूजीलैंड से होगा. आइए इस बड़े मुकाबले से पहले टूनार्मेंट में भारतीय टीम के सफर पर एक नजर डालते हैं.

भारत के लिए और अधिक अंतरराष्ट्रीय पदक जीतना मेरा सपना:शशिकला मौर्या

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले के दीनापुर गांव की रहने वाली कराटे खिलाड़ी शशिकला मौर्या का कहना है कि उनका सपना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के लिए और अधिक पदक जीतना है। वे आने वाले समय में विश्व चैंपियनशिप, एशियन चैंपियनशिप, एशियन गेम्स और ओलम्पिक जैसे बड़े मंचो पर शानदार प्रदर्शन कर भारत का नाम दुनिया भर में रोशन करना चाहती हैं। कराटे खिलाड़ी शशिकला मौर्या आज अपने संघर्ष, मेहनत और उपलब्धियों के कारण युवाओं, खासकर बेटियों के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं। सीमित संसाधनों और आर्थिक तंगी के बावजूद उन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई पदक जीतकर अपनी अलग पहचान बनाई है। शशिकला ने विशेष बातचीत में कहा कि वह एक आम लड़की हैं, जो अपने माता-पिता से मिले नाम को बनाने में लगी है। उनके पिता ओमप्रकाश मौर्या फूल-माला बेचकर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। इसी सीमित आय में से वह अपनी बेटी के कराटे प्रशिक्षण और खर्च का भी प्रबंध करते रहे हैं। शशिकला बताती हैं कि उनका खेल सफर बेहद साधारण तरीके से शुरू हुआ। जब वो कंपोजिट विद्यालय में पढ़ती थीं, तब वहां एक शिक्षक कराटे की कोचिंग देने आते थे। उसी दौरान एक लड़की कराटे सीखने जाती थी, तो मैं भी उसके साथ वहां चली गई। वहीं मेरी मुलाकात कोच अरविंद मौर्य से हुई, जिन्होंने उन्हें प्रशिक्षित किया और प्रतियोगिताओं में खेलने के लिए प्रेरित किया। मुझे यह खेल इतना पसंद आया कि मैंने इसे

अपने जीवन का लक्ष्य बना लिया। उन्होंने बताया कि परिवार की आर्थिक स्थिति हमेशा चुनौतीपूर्ण रही है। कई बार टूनार्मेंट की फीस, किट और यात्रा का खर्च जुटाना भी मुश्किल हो जाता था। उनकी दिनचर्या भी काफी कठिन रही है। वह सुबह फूल तोड़ने जाती हैं, फिर माला बनाती और उसके बाद अभ्यास के लिए अकादमी पहुंचती हैं। अकादमी तक पहुंचने के लिए उन्हें रोजाना लगभग 20 से 30 किलोमीटर का सफर तय करना पड़ता है। इसके बावजूद उनका ध्यान हमेशा अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहा। शशिकला अपनी सफलता का सबसे बड़ा श्रेय अपने पिता और कोच को देती हैं। उनका कहना है कि जब समाज के लोग यह कहते थे कि लड़की होकर मार्शल आर्ट्स क्यों सीख रही है, तब पिता हमेशा उनके साथ खड़े रहे। उनका विश्वास ही सबसे बड़ी ताकत बना। साथ ही उनके कोच अरविंद मौर्या ने उन्हें प्रशिक्षण देने के साथ-साथ कई बार आर्थिक रूप से भी मदद की। राष्ट्रीय स्तर पर शशिकला ने वर्ष 2018 से पदक जीतने का सिलसिला शुरू किया। उन्होंने 2018 की सब-जूनियर नेशनल कराटे चैंपियनशिप (नई दिल्ली) में कुमिते में रजत पदक जीता। 2019 में सब-जूनियर नेशनल कराटे चैंपियनशिप में कुमिते में कांस्य पदक और देहरादून में आयोजित नॉर्थ इंडिया जोनल कराटे चैंपियनशिप में कुमिते में रजत तथा काता में कांस्य पदक प्राप्त किया। वर्ष 2023 में देहरादून में आयोजित कैडेट और जूनियर नेशनल कराटे चैंपियनशिप में उन्होंने कुमिते और काता दोनों स्पधाओं में स्वर्ण पदक जीता। इसके अलावा 2023-24 में 67वें नेशनल स्कूल गेम्स लुधियाना में कुमिते में स्वर्ण पदक जीता। 2024 में देहरादून में आयोजित नेशनल कराटे चैंपियनशिप में जूनियर काता में रजत पदक हासिल किया। वहीं 2025 में मेरठ में आयोजित ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी किकबॉक्सिंग चैंपियनशिप में रजत पदक और 2026 में नेशनल कराटे चैंपियनशिप में काता में रजत पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी शशिकला ने भारत का प्रतिनिधित्व किया है। वर्ष 2023 में कजाकिस्तान के अल्माटी में आयोजित 21वीं एशियन कैडेट, जूनियर और अंडर-21 कराटे चैंपियनशिप में उन्होंने जूनियर काता स्पर्धा में भारत का प्रतिनिधित्व किया। इसके अलावा नेपाल के काठमांडू में आयोजित 7वीं साउथ एशियन कराटे चैंपियनशिप में कुमिते में रजत पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया। वह इसे अपने जीवन का सबसे यादगार अनुभव मानती हैं। भविष्य को लेकर शशिकला का सपना है कि वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के लिए और अधिक पदक जीतें और बड़े मंचों पर देश का नाम रोशन करें।

न्यूजीलैंड की तेज गेंदबाज ली ताहुहू ने वनडे क्रिकेट को कहा अलविदा

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड की महिला क्रिकेटर ली ताहुहू ने अपने वनडे क्रिकेट करियर को अलविदा कह दिया है। उन्होंने 15 साल के लंबे वनडे करियर में न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम (व्हाइट फर्न्स) के लिए बेहद शानदार प्रदर्शन किया और 125 विकेट झटके हैं। उनका मानना है कि वनडे से संन्यास लेने का यह सही समय है। हालांकि, वह न्यूजीलैंड के लिए टी20 फॉर्मेट में खेलना जारी रखेंगी। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड की ओर से रविवार को जारी आधिकारिक बयान में ली ने कहा कि वनडे क्रिकेट में व्हाइट फर्न्स की जर्सी पहनना हमेशा से मेरे लिए सम्मान की बात रही है। वनडे क्रिकेट में 100 से अधिक बार अपने देश के लिए जर्सी पहनना एक ऐसी बात है जिसका मैंने कभी सपना भी नहीं देखा था। उन्होंने 2024 में टी20 विश्व कप जीत को एक बहुत बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि मैं हर पल को संजो कर रखूंगी और वनडे क्रिकेट से बेहद गर्व के साथ विदा ले रही हूं।
व्हाइट फर्न्स के मुख्य कोच बेन सॉयर ने कहा कि वनडे में ली का योगदान महत्वपूर्ण रहा है। उनकी तेज गेंदबाजी हमेशा से ही एक ताकत रही है, लेकिन उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता और इस टीम को आगे बढ़ाने की उनकी लगन सबसे अलग रही है। इसका असर उन युवा गेंदबाजों पर भी पड़ा है जो अब वनडे खेल में अपनी कला सीख रहे हैं। सॉयर ने कहा कि ली के वनडे के आंकड़े खुद ही सब कुछ बयां करते हैं। अपने देश के सर्वकालिक अग्रणी विकेट लेने वाले गेंदबाज के रूप में किसी प्रारूप से संन्यास लेना एक ऐसी उपलब्धि है जिस पर ली को बहुत गर्व होना चाहिए। ली ने वनडे क्रिकेट में ऊंचाइयों को छुआ है और व्हाइट फर्न्स के लिए इस प्रारूप में गेंदबाजी के नए मानक स्थापित किए हैं। ली ने 2011 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे क्रिकेट में पदार्पण किया था। उनका आखिरी वनडे मैच इंग्लैंड के खिलाफ आईसीसी महिला वनडे वर्ल्ड कप 2025 में था। ली ने न्यूजीलैंड के लिए 103 वनडे मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 125 विकेट लिए हैं।

जय शाह ने फाइनल मुकाबले से पहले भारत-न्यूजीलैंड टीम को दी शुभकामनाएं

अहमदाबाद। आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप 2026 का खिताबी मुकाबला आज (रविवार) शाम सात बजे से गुजरात के अहमदाबाद में भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाएगा। मुकाबले से पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के चेयरमैन जय शाह ने दोनों टीमों को शुभकामनाएं दी हैं। जय शाह ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि यह एक रिकॉर्ड तोड़ने वाला टी-20 विश्व कप रहा है। इस विश्व कप में कई आकार्षण रहे, जिसमें हमारे एसोसिएट सदस्यों के कुछ शानदार प्रदर्शन भी शामिल हैं। अब भारत और न्यूजीलैंड को फाइनल के लिए गुड लक कहने का समय है, जो बहुत बड़ी भीड़ के सामने खेला जाएगा और जिसे करोड़ों लोग देखेंगे। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले जाने वाले फाइनल मुकाबले को जीतकर दोनों टीमों के पास इतिहास रचने का मौका है। गत विजेता भारतीय टीम तीसरी बार इस खिताब को जीतने के लक्ष्य के साथ मैदान पर उतरेगी। न्यूजीलैंड पहली बार टी20 विश्व कप जीतकर ट्रॉफी अपने नाम करना चाहेगा। दोनों टीमों के पास मैच विजेता खिलाड़ियों की कमी नहीं है। भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में शानदार बल्लेबाजी प्रदर्शन के दम पर फाइनल में प्रवेश किया है, जहां उसने इंग्लैंड को सात रन से हराया था। इसी तरह न्यूजीलैंड ने भी सेमीफाइनल में अच्छी बल्लेबाजी के दम पर दक्षिण अफ्रीका को नौ विकेट से हराकर फाइनल में जगह बनाई है।

टीम मैनेजमेंट को अभिषेक शर्मा पर 'कठिन' फैसला लेना होगा:मोहम्मद

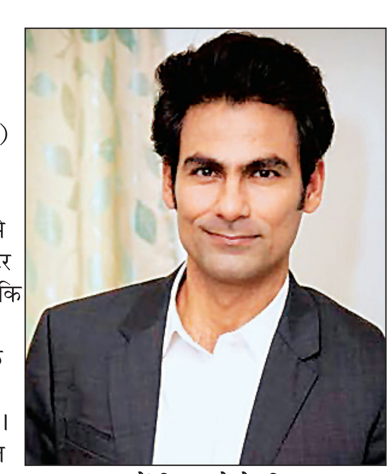

अहमदाबाद। आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप 2026 का खिताबी मुकाबला आज (रविवार) शाम सात बजे से भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाएगा। मुकाबले से पहले पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने कहा है कि भारतीय टीम प्रबंधन को फाइनल के लिए अभिषेक शर्मा के चयन को लेकर 'कठिन' निर्णय लेना होगा। कैफ ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि टीम प्रबंधन को अभिषेक शर्मा पर कड़ा फैसला लेना होगा। कुछ का कहना है कि उन्हें आज खेलना चाहिए, क्योंकि पिछली बार आउट ऑफ फॉर्म विराट कोहली ने भारत को फाइनल जिताया था, लेकिन कोहली तो आईसीसी इवेंट्स के किंग हैं। कुछ का कहना है कि उनकी जगह रिंकू सिंह को लेनी चाहिए, जो संजू सैमसन की तरह शानदार वापसी कर सकते हैं। दुविधा!!! इस टूनार्मेंट में विश्व के नंबर एक टी-20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाज अभिषेक शर्मा लय हासिल करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने इस विश्व कप में सात पारियों में 89 रन बनाए हैं। इसमें जिम्बाब्वे के खिलाफ अर्धशतक भी शामिल है। भले ही उनकी फॉर्म पर सवाल उठे हैं, लेकिन टीम प्रबंधन ने उन पर भरोसा बनाए रखा। अगर उन्हें फाइनल में एक बार फिर मौका मिलता है, तो क्रिकेट फैंस को उम्मीद है कि वह बड़े मैच में कमाल करेंगे। यह खिताबी मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। गत विजेता भारतीय टीम तीसरी बार इस खिताब को जीतने के लक्ष्य के साथ मैदान पर उतरेगी। न्यूजीलैंड टीम पहली बार टी-20 विश्व कप जीतकर ट्रॉफी अपने नाम करना चाहेगी। दोनों टीमों के पास मैच विजेता खिलाड़ियों की कमी नहीं है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर फुलो झानो डिजिटल ज्ञान केंद्र का बंपर ऑफर

9 से 31 मार्च 2026 तक विशेष रजिस्ट्रेशन की सुविधा

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

साहिबगंज: अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस एवं आकांक्षी जिला कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षा से संपन्नता कैरियर मार्गदर्शन उत्सव के तहत 9 मार्च से 31 मार्च 2026 तक फुलो झानो डिजिटल ज्ञान केंद्र के द्वारा विशेष बंपर ऑफर प्रदान किया जा रहा है। जहां इस पहल का उद्देश्य जिले के विद्यार्थियों एवं अभ्यर्थियों को शिक्षा, कौशल विकास तथा करियर मार्गदर्शन से जोड़ना है। जहां इस विशेष अभियान के तहत फुलो झानो डिजिटल ज्ञान केंद्र में रजिस्ट्रेशन शुल्क ?500 निर्धारित किया गया है। वहीं पुरुष अभ्यर्थियों के लिए 50 प्रतिशत अंशदान, महिलाओं के लिए 75 प्रतिशत अंशदान की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इसके अतिरिक्त दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए निःशुल्क (फ्री) रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था की गई है, ताकि अधिक से अधिक लोग इस अवसर का लाभ उठा सकें। जहां जिला प्रशासन के द्वारा जिले के सभी नगर एवं आसपास के क्षेत्रों के शैक्षणिक अभ्यर्थियों को फुलो झानो डिजिटल ज्ञान केंद्र से जुड़ने का सुनहरा अवसर प्रदान किया गया है। इस कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को डिजिटल शिक्षा, कौशल विकास तथा करियर से संबंधित आवश्यक मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे वे अपने भविष्य को सुदृढ़ बना सकें। वही जिला प्रशासन ने सभी इच्छुक अभ्यर्थियों से अपील किया है कि वे इस विशेष अवसर का अधिक से अधिक लाभ उठाते हुए निर्धारित अवधि के भीतर अपना पंजीकरण कराएं और शिक्षा एवं कौशल विकास की दिशा में आगे बढ़ें।

महिलाओं को सशक्त बनाकर समाज को सशक्त बनाना ही गिव टू गेन का उद्देश्यः उप विकास आयुक्त

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर सिद्धो कान्हु सभागार में भव्य कार्यक्रम, उत्कृष्ट कार्य करने वाली दीदियों व कैडरों को किया गया सम्मानित

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

साहिबगंज: अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रविवार को जिला प्रशासन एवं पलाश (जेएसएलपीएस) के संयुक्त तत्वावधान में गिव टू गेन थीम पर सिद्धो कान्हु सभागार में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहां इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्वयं सहायता समूह (सेल्फ हेल्प ग्रुप) से जुड़ी दीदियाँ, विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, कर्मी तथा गणमान्य लोग उपस्थित रहे। उधर इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता तथा समाज में उनकी बढ़ती भूमिका को सम्मान देना और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना था। वही इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा ने अपने संबोधन में कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाना केवल एक सामाजिक दायित्व ही नहीं बल्कि एक सशक्त और समृद्ध समाज के निर्माण की आधारशिला है। आगे उन्होंने कहा कि जब महिलाओं को उचित अवसर, संसाधन और सहयोग मिलता है तो वे न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। वही उन्होंने ह्लगिव टू गेनह्व थीम की व्याख्या करते हुए कहा कि यदि हम समाज में महिलाओं को अवसर और सहयोग देंगे तो निश्चित रूप से समाज को उससे कई गुना अधिक सकारात्मक परिणाम प्राप्त होंगे। वही उप विकास आयुक्त ने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि आज ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूह की दीदियाँ आर्थिक गतिविधियों, स्वरोजगार, कृषि आधारित उद्यम, हस्तशिल्प, खाद्य प्रसंस्करण तथा विभिन्न सामाजिक अभियानों में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। वही उन्होंने कहा कि इन समूहों के माध्यम से महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ा है और वे अपने परिवार के साथ साथ समाज के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। आगे उन्होंने यह भी कहा कि झारखंड राज्य में पलाश के माध्यम से महिलाओं को संगठित कर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का कार्य निरंतर किया जा रहा है। इसके तहत महिलाओं को विभिन्न आजीविका गतिविधियों से जोड़कर उन्हें आय के स्थायी स्रोत उपलब्ध कराए जा रहे हैं। साथ ही साथ उन्हें प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता तथा बाजार से जोड़ने की दिशा में भी कई महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। उधर कार्यक्रम के दौरान महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण, आजीविका संवर्धन, कौशल विकास तथा सामुदायिक नेतृत्व को बढ़ावा देने से संबंधित विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। जहां उपस्थित पदाधिकारियों ने कहा कि स्वयं सहायता समूह ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। वही इन समूहों के माध्यम से महिलाएं बचत की आदत विकसित कर रही हैं और छोटे छोटे उद्यमों के माध्यम से आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही हैं। जहां जिला प्रशासन के द्वारा यह भी बताया गया कि विभिन्न सरकारी योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को स्वरोजगार और उद्यमिता से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। कृषि, पशुपालन, उद्यान, खाद्य प्रसंस्करण, सिलाई कढ़ाई, हस्तशिल्प, डेयरी तथा अन्य आजीविका गतिविधियों में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाने के लिए लगातार प्रशिक्षण और मार्गदर्शन दिया जा रहा है। वही कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारियों ने स्वयं सहायता समूहों की गतिविधियों को और मजबूत करने पर बल दिया। वही उन्होंने कहा कि महिलाओं को सरकारी योजनाओं से जोड़कर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ साथ सामाजिक रूप से भी मजबूत बनाया जा सकता है।

फिजिकल अकादमी द्वारा महिलाओं को किया गया सम्मानित

सैकड़ों महिलाओं ने आत्मनिर्भर बनने का लिया संकल्प

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

साहिबगंज: फिजिकल अकादमी के द्वारा रविवार को सिदो कान्हु स्टेडियम में सेना, पुलिस, गृह रक्षा वाहिनी समेत विभिन्न प्रतियोगिताओं के लिए सैकड़ों महिलाओं को प्रतिदिन आत्मनिर्भर बनने के लिए शारीरिक दक्षता के साथ साथ विभिन्न दौड़, ऊंची कूद, लंबी कूद, गोला फेंक इत्यादि का अभ्यास कराया जाता है। जहां पढ़ाई, परिवार, गृह कार्य के साथ साथ खुद को शारीरिक रूप से सक्षम बनाने समाज के लिए प्रेरणाश्रोत रहीं उन सभी महिलाओं को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मिठाई खिलाकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर फिजिकल अकादमी के कोच निमाई चौधरी, मिथुन कुमार , अलका कुमारी समेत अन्य की उपस्थिति रही।

अनुसूचित जनजातीय आवासीय विद्यालयों एवं एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2026-27 हेतु कक्षा 6, 7 एवं 8 में नामांकन के लिए प्रवेश परीक्षा संपन्न

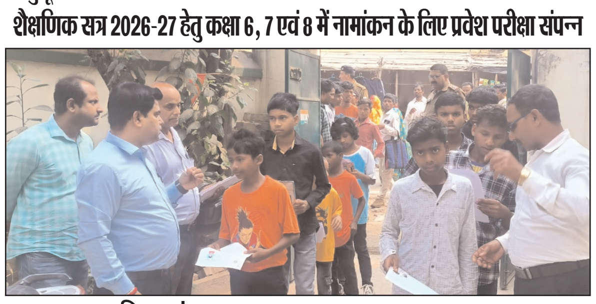

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

साहिबगंज: कल्याण विभाग, झारखंड सरकार द्वारा संचालित अनुसूचित जनजातीय आवासीय विद्यालयों एवं एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2026झ्र27 हेतु कक्षा 6, 7 एवं 8 में नामांकन के लिए रविवार को प्रवेश परीक्षा का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। जहां यह प्रवेश परीक्षा उत्क्रमित नगर पालिका कन्या मध्य विद्यालय के परीक्षा केंद्र पर प्रथम पाली एवं द्वितीय पाली में शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित वातावरण में संपन्न हुई। जहां उक्त परीक्षा केंद्र पर विधि व्यवस्था एवं परीक्षा की पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु कार्यपालक पदाधिकारी, नगर परिषद साहिबगंज अभिषेक कुमार सिंह को दंडाधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्त किया गया था। जहां उनके पर्यवेक्षण में परीक्षा पूरी तरह शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न हुई। इस संबंध में जानकारी देते हुए परियोजना निदेशक, आईटीडीए सह प्रभारी जिला कल्याण पदाधिकारी संजय कुमार दास ने बताया कि एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय, भोगनाडीह (बरहेट) में नामांकन हेतु कुल 148 आवेदन प्राप्त हुए थे जिनमें से 129 छात्र छात्राएं प्रवेश परीक्षा में उपस्थित हुए जबकि 19 छात्र छात्राएं अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार अनुसूचित जनजातीय आवासीय विद्यालय बरहेट, बांझी, वृंदावन, बंदरकोला एवं धमधमियां में नामांकन हेतु आयोजित प्रवेश परीक्षा में कक्षा 6 के लिए कुल 44 अभ्यर्थियों में से 41 उपस्थित तथा 3 अनुपस्थित रहे। वही कक्षा 7 के लिए कुल 88 अभ्यर्थियों में से 85 उपस्थित तथा 3 अनुपस्थित रहे। उधर कक्षा 8 के लिए कुल 14 अभ्यर्थियों में से 13 उपस्थित तथा 1 अनुपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार की पहल, महिलाओं को कानूनी अधिकार व सरकारी योजनाओं की दी जानकारी

नारी अब अबला नहीं, बल्कि सशक्त और जागरूक शक्ति, प्रखंडों व पंचायतों में जागरूकता कार्यक्रम हुए आयोजित

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

साहिबगंज: झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निर्देश पर तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकरण साहिबगंज के अध्यक्ष अखिल कुमार के मार्गदर्शन में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रविवार को जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं पंचायतों में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहां जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव विश्वनाथ भगत ने बताया कि पारा लीगल वॉलिंटियर्स व न्याय मित्रों के द्वारा गांव गांव में जाकर महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों, सुरक्षा से संबंधित कानूनों तथा सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। वही कार्यक्रम के दौरान यह संदेश भी दिया गया कि नारी अब अबला नहीं, बल्कि सशक्त, जागरूक और आत्मनिर्भर शक्ति है, जो अपने अधिकारों को जानकर समाज और परिवार के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उधर कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को घरेलू हिंसा से संरक्षण, दहेज प्रतिषेध कानून, बाल विवाह निषेध अधिनियम, संपत्ति में महिलाओं के अधिकार, कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न से सुरक्षा तथा निःशुल्क विधिक सहायता की सुविधा के बारे में जागरूक किया गया। साथ ही साथ पीड़ित महिलाओं को मिलने वाले मुआवजा, सहायता एवं न्याय प्राप्ति की प्रक्रिया के बारे में भी विस्तार से बताया गया। इसके अतिरिक्त महिलाओं को महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वरोजगार एवं सामाजिक सुरक्षा से संबंधित विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया। जहां इस कार्यक्रम में नालसा टॉल फ्री हेल्पलाइन नंबर 15100 तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण साहिबगंज के कार्यालय का संपर्क नंबर 9471521725 भी साझा किया गया, ताकि जरूरतमंद लोग सीधे संपर्क कर सकें। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं, स्थानीय लोग एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। उधर इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना, सरकारी योजनाओं की जानकारी देना तथा समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय की पहुँच सुनिश्चित करना था।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर डॉक्टर व वार्ड पार्षद को किया गया सम्मानित

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

साहिबगंज: नगर परिषद क्षेत्र के पुरानी साहिबगंज ओझा टोली स्थित हैप्पी टू वॉक फिजियो क्लीनिक परिसर में रविवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर संस्था की निदेशक पूनम तिवारी के द्वारा महिला दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजन किया गया। जिसमें महिला चिकित्सक विशेषज्ञ फिजियोथैरेपिस्ट मास्टर इन ऑर्थो डॉ. स्वाती मिश्रा, वार्ड पार्षद रश्मि चोखानी व सुनीता देवी, अधिवक्ता पूजा यादव, ममता विद्यार्थी, कौशल्या ज्योति ट्रस्ट के डॉ. सुरेंद्रनाथ तिवारी, ज्योति मिश्रा, प्रीति, पूनम तिवारी सहित अन्य महिलाओं को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर अंग वस्त्र व उपहार देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर पीहू सहित दर्जनों महिलाए उपस्थित थे।

दहिया टोला में अभिनंदन समारोह कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आए नगर परिषद अध्यक्ष से वार्ड नंबर 11 के लोगों ने गिनाई समस्याएं

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

साहिबगंज: शहर के कुलीपाड़ा दहिया टोला में रविवार को अंबेडकर संस्था की ओर से नगर निकाय चुनाव में साहिबगंज नगर परिषद क्षेत्र से नवनिर्वाचित अध्यक्ष पद के प्रत्याशी रामनाथ पासवान उर्फ छोटू पासवान की जीत पर संस्था की ओर से अभिनंदन समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जहां अभिनंदन समारोह कार्यक्रम में शामिल होने के बाद जब नगर परिषद अध्यक्ष रामनाथ पासवान उर्फ छोटू पासवान अपने वाहन की ओर बढ़ रहे थे तो इसी दौरान वार्ड नंबर 11 के लोगों ने उन्हें घेर लिया और कई तरह की जनसमस्याओं से उन्हें अवगत कराया। जहां इस दौरान वार्ड नंबर 11 के लोगों ने समुचित जलापूर्ति योजना को लागू करवाने, सड़कों की मरम्मती कराने समेत अन्य कई मुद्दों को चालू करवाने की मांग की। इस मौके पर नगर परिषद साहिबगंज के नवनिर्वाचित अध्यक्ष रामनाथ पासवान उर्फ छोटू पासवान ने वार्ड नंबर 11 के लोगों से कहा कि शपथ ग्रहण की प्रकिया पूरी होने के बाद शहर के वार्ड नंबर 1 से लेकर 28 वार्डो के सभी जनसमस्याओं को पूरा करने का कार्य किया जाएगा।

अंबेडकर संस्था ने नवनिर्वाचित नगर परिषद अध्यक्ष का किया नागरिक अभिनंदन

हर तबके के साथ मिलकर करेंगे शहर का विकासः रामनाथ पासवान

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

साहिबगंज: शहर के कुलीपाड़ा, दहिया टोला स्थित अंबेडकर भवन में अंबेडकर संस्था की ओर से नवनिर्वाचित नगर परिषद अध्यक्ष रामनाथ पासवान उर्फ छोटू पासवान का रविवार को नागरिक अभिनंदन किया गया। जहां कार्यक्रम की अध्यक्षता अंबेडकर संस्था के मीडिया प्रभारी अनिल पासवान ने किया। इस दौरान नव निर्वाचित नगर परिषद अध्यक्ष रामनाथ पासवान उर्फ छोटू पासवान का नीले रंग का अंगवस्त्र व फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया गया। इसके पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष रामनाथ पासवान ने संविधान निमार्ता डॉ. भीम राव अंबेडकर व देश की प्रथम शिक्षिका सावित्री बाई फुले की तस्वीर पर माल्यार्पण किया। वहीं वक्ताओं ने नव निर्वाचित नगर परिषद अध्यक्ष से शहर के समग्र विकास की कामना की। जहां नव निर्वाचित नगर परिषद अध्यक्ष रामनाथ पासवान उर्फ छोटू पासवान ने अंबेडकर संस्था व शहर की जनता का आभार जताया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि जनता ने विकास के लिए उन्हें चुना है जहां समाज के हर तबके को साथ लेकर शहर का विकास करेंगे। आगे उन्होंने महिलाओं को महिला दिवस की शुभकामनाएं भी दी। साथ ही साथ उन्होंने कहा कि नगर परिषद चुनाव में भारी मतों से अध्यक्ष पद का चुनाव जीतने के बाद शहर की सभी जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे। वही मंच का संचालन विजय वर्मा ने किया। इस मौके पर वार्ड नंबर 11 के नवनिर्वाचित वार्ड पार्षद रंजीत प्रसाद साह उर्फ डोमा साह, कांग्रेस नेता अखलाक नदीम, अनिल राय, पूर्व वार्ड पार्षद मो. अजमत हुसैन, विष्णु पासवान, मो. कज्जाफी बिन मुर्शीद, वार्ड नंबर 12 के पार्षद पति मो. शाहिद, संजीव पासवान, संजय पासवान, मानव पासवान, शेखर पासवान, कैलाश पासवान, मनोज पासवान. अंसरुल, दिनेश पासवान, मो. मंजूर सहित दर्जनों लोग मौजूद थे।

जिले में जल महोत्सव का हुआ भव्य शुभारंभ, नीर नारी शक्ति के रूप में मनाया गया अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

साहिबगंज: अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल के द्वारा जिलास्तरीय कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। जहां इस अवसर पर 8 मार्च से 22 मार्च 2026 तक आयोजित होने वाले जल महोत्सव का विधिवत शुभारंभ किया गया। उधर कार्यक्रम में जल संरक्षण, सुरक्षित पेयजल आपूर्ति तथा जल प्रबंधन में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया गया। इस कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। जहां उनके साथ जिला कृषि पदाधिकारी, डीपीएम (जेएसएलपीएस), महिला एवं बाल विकास पदाधिकारी, जिला उद्यान पदाधिकारी, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता, सहायक अभियंता, सभी कनीय अभियंता, जिला समन्वयक, प्रखंड समन्वयक, जल सहिया दीदी, मुखिया, आंगनबाड़ी सहायिका एवं सेविका सहित जिले के अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे। इस अवसर पर महिला दिवस एवं ह्यनीर नारी शक्तिह्न के संकल्प के तहत पेयजल एवं स्वच्छता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली मुखियाओं एवं जल सहियाओं को सम्मानित किया गया। वही उप विकास आयुक्त, जिला कृषि पदाधिकारी, जिला उद्यान पदाधिकारी तथा कार्यपालक अभियंता सह सदस्य सचिव, जिला जल एवं स्वच्छता समिति द्वारा उन्हें पानी की बोतल, छाता, प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह, पौधे का गमला एवं पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया। उधर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि जल महोत्सव एक राष्ट्रीय जन आंदोलन है जिसका आधार जनभागीदारी एवं महिलाओं का नेतृत्व है। आगे उन्होंने जल संरक्षण, सुरक्षित पेयजल उपलब्धता तथा योजनाओं के सफल संचालन और रखरखाव में समुदाय की सक्रिय भागीदारी पर विशेष बल दिया। वही विभागीय निदेशानुसार 8 मार्च से 22 मार्च 2026 तक चलने वाले इस 15 दिवसीय जल महोत्सव के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी। वही 8 मार्च को ह्यनीर नारी शक्तिह्न के रूप में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। उधर 9 व 10 मार्च को जिला तकनीकी इकाई का गठन एवं जल सेवा आकलन की समीक्षा होगी। वही 11 मार्च को विश्व प्लंबर दिवस पर तकनीकी कर्मियों जैसे प्लंबर, पंप ऑपरेटर एवं सोलर मैकेनिक का सम्मान किया जाएगा। वहीं 12 से 21 मार्च तक आरपीडब्ल्यूएसएस आईडी निर्माण, सुजल ग्राम निर्माण तथा पंचायत स्तर पर जल उत्सव की तैयारियां की जाएंगी। इस महोत्सव का समापन 22 मार्च को ह्यविश्व जल दिवसह्न के अवसर पर आयोजित मुख्य कार्यक्रम के साथ होगा।

साहिबगंज महाविद्यालय में आयोजित हुआ विकसित भारत युवा सांसद 2026 कार्यक्रम

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

साहिबगंज: साहिबगंज महाविद्यालय के नंदन भवन में रविवार को भारत सरकार युवा एवं खेल मंत्रालय के राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा विकसित भारत युवा सांसद 2026 का आयोजन किया गया। जहां इस कार्यक्रम में भाषण के विषय आपातकाल के 50 वर्ष भारतीय लोकतंत्र के लिए सबक विषय पर छात्र छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। जहां एकदिवसीय इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में बी. झा कॉलेज कटिहार(बिहार) में राजनीति विज्ञान विभाग की सहायक प्राध्यापिका डॉ. मेघा कुमारी उपस्थित थी। जहां साहिबगंज महाविद्यालय की पूर्व प्राचार्य डॉ. मृदुला सिन्हा, प्राचार्य प्रो. एस. आर. आई रिजवी, मॉडल कॉलेज राजमहल के प्राचार्य डॉ. रंजीत कुमार सिंह, एनएसएस के कार्यक्रम पदाधिकारी सह जिला नोडल पदाधिकारी प्रो. कुमार प्रशांत भारती एवं निर्णायक मंडली के सम्मानित सदस्य के रूप में अंग्रेजी विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. सेमी विक्टर मरांडी तथा बीएड विभाग के सहायक प्राध्यापक प्रो. नितिन कुमार घोष एवं अन्य उपस्थित प्राध्यापकों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री ने 542 करोड़ की लागत से बिहार संग्रहालय और पटना संग्रहालय को जोड़नेवाली सुरंग का किया कायारंभ

एजेंसी

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज 542 करोड़ की लागत से बिहार संग्रहालय और पटना संग्रहालय को जोड़नेवाली सुरंग का अनावरण कर कायारंभ किया। मुख्यमंत्री ने निर्माण करनेवाली मशीन का बटन दबाकर कार्य की शुरूआत करायी। इस दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को सुरंग (टनल) के निर्माण कार्य की प्रक्रिया तथा इसे पूर्ण करने के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। नेहरू पथ के समीप हड़ताली मोड़ स्थित निमार्णाधीन म्यूज़ियम सब-वे टनल के कायारंभ के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि निर्माण कार्य बेहतर ढंग से जल्द पूर्ण हो, इसका विशेष रूप से ख्याल रखें।

इसके बन जाने से बिहार संग्रहालय और पटना संग्रहालय में लगे प्रदर्शों का लोग आसानी से एक जगह से दूसरी जगह जाकर अवलोकन कर सकेंगे। पर्यटकों की संख्या में काफी बढ़ोत्तरी होगी, इसे ध्यान में रखते हुए पार्किंग और अन्य जरूरी सुविधाओं की भी समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि टनल का निर्माण इस प्रकार कराये जिससे नेहरू पथ पर आवागमन में किसी प्रकार की कठिनाई न हो।

इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने बिहार संग्रहालय का परिभ्रमण किया। इस दौरान बिहार संग्रहालय के महानिदेशक अंजनी कुमार सिंह ने संग्रहालय परिसर में लगाए गए नए प्रदर्शों, पर्यटकों की संख्या, पार्किंग की व्यवस्था, संग्रहालय परिसर में उपलब्ध सुविधाओं आदि के संबंध में मुख्यमंत्री को विस्तृत जानकारी दी। परिभ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये।

मुख्यमंत्री ने बिहार संग्रहालय के सामने पुनर्विकसित किए जा रहे 60 आवास एवं ऑफिसर्स हॉस्टल कैम्पस तथा पार्क के निर्माण कार्य के संबंध में जानकारी ली और स्थल निरीक्षण किया। साइट प्लान के माध्यम से अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि यहां बहुमंज़िला भवन का निर्माण कराया जाना है। यहां निर्मित होनेवाले भवन के नये परिसर में सोलर पार्किंग शेड, ओपेन पार्किंग, क्लब हाउस आदि की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। यहां पर्याप्त पार्किंग का प्रबंध रहेगा।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि इस काम को तेजी से आगे बढ़ायें। हमारे मन में पहले से ही यह इच्छा थी कि पुराने स्ट्रक्चर को तोड़कर मल्टी स्टोरी बिल्डिंग बने जो हर प्रकार की आवश्यक सुविधाओं से सुसज्जित हो। नेहरू पथ के किनारे इस बहुमंजिला इमारत के बन जाने से आवासन की बेहतर व्यवस्था उपलब्ध होगी। इसके बगल में बेहतर ढंग से पार्क का निर्माण करायें ताकि संग्रहालय आनेवाले लोग इसका भी आनंद उठा सकें। मुख्यमंत्री ने बिहार संग्रहालय और पटना संग्रहालय को जोड़नेवाली सुरंग के पटना संग्रहालय वाले छोर का भी स्थल निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये।

एक नजर

हिरासत से फरार आरोपी मामले में बड़ी कार्रवाई, एक पुलिस अधिकारी निलंबित

सीवान। सीवान जिले के सराय थाना से हिरासत में रखे गए आरोपी के फरार होने के मामले में सीवान एसपी ने बड़ी कार्रवाई की है। कर्तव्य में लापरवाही बरतने के आरोप में एक पुलिस पदाधिकारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है, जबकि दो गृह रक्षकों के विरुद्ध अनुबंध निरस्तीकरण की कार्रवाई प्रस्तावित की गई है। एसपी पुरन कुमार झा के अनुसार सराय थाना कांड संख्या-80/26, दिनांक 06 मार्च 2026 में गिरफ्तार अभियुक्त बबलू तिवारी, पिता भृगुति तिवारी, निवासी पपौर, थाना सराय, जिला सिवान को थाना हाजत में रखा गया था। बताया गया कि 6 मार्च की रात आरोपी को बिना हथकड़ी लगाए थाना परिसर के शौचालय ले जाया गया, जहां से वह दीवार फांदकर फरार हो गया। घटना के समय सराय थाना में पुअनि अभिषेक कुमार की ओडी ड्यूटी लगी हुई थी, जबकि गृह रक्षक 5499 रविशंकर राय और गृह रक्षक 6217 विनोद सिंह संतरी ड्यूटी पर तैनात थे। प्राथमिक जांच में ड्यूटी के दौरान घोर लापरवाही, कर्तव्य के प्रति उदासीनता और अनुशासनहीनता सामने आने पर एसपी ने पुअनि अभिषेक कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय पुलिस केंद्र सिवान निर्धारित किया गया है। इसके अलावा गृह रक्षक रविशंकर राय और विनोद सिंह के विरुद्ध अनुबंध निरस्तीकरण की कार्रवाई के लिए जिलाधिकारी सीवान को प्रतिवेदन भेजा गया है। पुलिस ने बताया कि फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है और मामले में आवश्यक विधिसम्मत कार्रवाई जारी है।

दवा व्यवसायी संगठन का चुनाव 5 अप्रैल को, चुनाव कार्यक्रम का ऐलान

अररिया। फारबिसगंज केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स एसोसिएशन के आगामी त्रिवार्षिक सत्र के लिए चुनाव रविवार 5 अप्रैल को होगा। संगठनात्मक चुनाव को लेकर एसोसिएशन के कोर कमिटी की बैठक रविवार को हुई। विभिन्न चरणों के कार्यक्रम को अंतिम रूप देते हुए इसकी आधिकारिक घोषणा कर दी गई है। बैठक की अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष अवधेश कुमार साह ने की। संघ के संरक्षक एवं चुनाव संचालन समिति के मुख्य मार्गदर्शक विनोद सरावगी ने जानकारी देते हुए बताया कि यह चुनाव पूर्व घोषित अधिसूचना के अनुसार आगामी 5 अप्रैल को श्री सिद्ध सागर भवन, केसरी टोला में होगा। वही चुनाव एवं नामांकन से संबंधित सभी प्रक्रियाएं आरबी लेन स्थित अंकुर डिस्ट्रीब्यूटर में सुबह साढ़े दस बजे से अपराह्न दो बजे तक कार्यरत रहेगा,जहां चुनाव संचालन समिति के मुख्य चुनाव पदाधिकारी संदीप डाबड़ीवाला,सहायक चुनाव पदाधिकारी मो. जासीम, अजीत कुमार झा उपस्थित रहेंगे। इस चुनाव हेतु मतदाता सूची आम सदस्यों के अवलोकनार्थ एवं आपत्ति हेतु प्रदर्शित रहेगी। नामांकन पत्र दाखिल करने की तिथि 14 मार्च से 16 मार्च तक रहेगी, जबकि नामांकन पत्र की जांच एवं संवीक्षा 17 मार्च को होगी। नामांकन वापस लेने की समय सीमा 18 अप्रैल से 19 मार्च रहेगी और प्रत्याशियों की अंतिम सूची की घोषणा 20 अप्रैल को कर दी जाएगी। आम सहमति नहीं होने की स्थिति में मतदान पूर्व निर्धारित तिथि 5 अप्रैल को साढ़े दस बजे से शाम पांच बजे तक होगा। इससे पूर्व आमसभा होगी।मतगणना मतदान के तुरंत बाद शुरू हो जाएगी एवं इसके पश्चात विजयी प्रत्याशियों के नाम की आधिकारिक घोषणा मुख्य चुनाव पदाधिकारी द्वारा की जाएगी।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर एसएसबी ने निकाली साइकिल रैली, नारी सशक्तिकरण का दिया संदेश

सुपौल। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 45वीं वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल बीरपुर के अधिकारियों के कुशल मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में साइकिल रैली का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर एसएसबी की महिला कार्मिकों ने साइकिल रैली में बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं के विकास को ध्यान में रखते हुए खेल, फिटनेस तथा नारी सशक्तिकरण के महत्व पर अधिकारियों द्वारा विशेष जानकारी दी गई।अधिकारियों ने महिला कार्मिकों को आत्मविश्वास बढ़ाने और समाज में अपनी विशिष्ट पहचान बनाने के लिए प्रेरित किया तथा उनका मनोबल भी बढ़ाया।45वीं वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल बीरपुर राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ-साथ सामाजिक उत्तरदायित्वों के निर्वहन के लिए भी सदैव प्रतिबद्ध है। बल द्वारा भविष्य में भी इस प्रकार के जनकल्याणकारी कार्यक्रमों के माध्यम से समाज में नारी सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास किए जाते रहेंगे।

महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और परिश्रम से नई ऊचाईयों पर पहुंच रही हैं : कमांडेंट तपेश्वर

पश्चिम चंपारण (बगहा)। शस्त्र सीमा बल 21वीं वाहिनी बगहा संदीक्षा परिवार ने रविवार को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर नारी सशक्तिकरण एवं जागरूकता पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया है। कार्यक्रम में कमांडेंट तपेश्वर संबित राउत ने कहा कि हम आज गर्व कर रहें कि समाज की महिलाएं आज हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और परिश्रम से नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर रही हैं और वे अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी निष्ठा और साहस के साथ कर रही हैं। कमांडेंट ने उपस्थित सम्मानित अतिथियों में रश्मि रंजन उपसभापति बगहा, लक्ष्मी खत्री जन शक्ति फाउंडेशन (ठऋड) बगहा,संदीक्षा सदस्याओं एवं संदीक्षा सदस्याओं को महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी।आगे कहा कि इस क्षेत्र में 21 वीं वाहिनी तथा रस्र के सभी सदस्याएं अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। वही कार्यक्रम में संदीक्षा सदस्याओं एवं बच्चों के द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम और विचार/भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें सभी ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम के माध्यम से सीमा क्षेत्र की महिलाओं के अधिकार, उनकी सुरक्षा तथा उनके सशक्तिकरण के प्रति जागरूकता का संदेश भी दिया गया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर विधि महाविद्यालय में कानून की दी गई जानकारी

नवादा। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में जिला विधिक सेवा प्राधिकार, नवादा एवं नवादा विधि महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को बाल विवाह, दहेज प्रथा, महिला अधिकार और समानता विषय पर एक जागरूकता कार्यक्रम एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में महिलाओं के संवैधानिक अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और महिला सशक्तिकरण के महत्व को रेखांकित करना था। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. डीएन मिश्रा ने भारत के संविधान में निहित महिलाओं के अधिकारों और बाल विवाह पर विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर महाविद्यालय की सचिव श्रीमती कला देवी के साथ कई महिलाओं और छात्राओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में डालासा के प्रतिनिधि उमेश्वर प्रसाद, उपप्राचार्य डॉ. श्याम कुमार मिश्रा, सहायक प्रोफेसर सपना राजमणि, जितेंद्र कुमार, संतोष जी सहित अन्य लोग उपस्थित थे। मंच का संचालन प्रशांत प्रकाश ने किया और धन्यवाद ज्ञापन आकिल खान ने दिया।

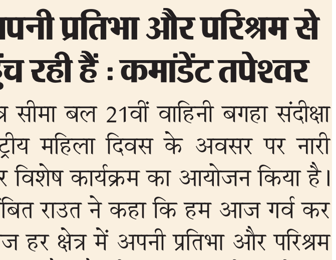

नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार जेडीयू में हुए शामिल, संजय झा ने दिलाई पार्टी की सदस्यता

एजेंसी

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार ने रविवार को औपचारिक रूप से जनता दल (यूनाइटेड) (जदयू) की सदस्यता ग्रहण कर ली। पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने उन्हें सदस्यता दिलाई। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह (ललन सिंह) और जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। हालांकि, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इस कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए। जदयू में शामिल होने के बाद निशांत कुमार ने कहा, ह्लमैं सभी का धन्यवाद करता हूं। आप सभी ने मुझ पर जो भरोसा जताया है, उस पर खरा उतरने की कोशिश करूंगा। बिहार और देश के लिए

मेरे पिता ने पिछले 20 वर्षों में जो काम किया है, उस पर मुझे गर्व है। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के राज्यसभा उम्मीदवार राम नाथ ठाकुर ने कहा कि निशांत कुमार का पार्टी में आना स्वागत योग्य है। उन्होंने कहा कि जदयू के कार्यकताओं और आम लोगों की इच्छा थी कि निशांत कुमार पार्टी में आएं और जनता की समस्याएं सुनें। वहीं बिहार सरकार के पूर्व मंत्री और जदयू विधायक रत्नेश सदा ने कहा कि निशांत कुमार बिहार का भविष्य हैं और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के अधूरे कार्यों को पूरा करने की दिशा में काम करेंगे। गौरतलब है कि नीतीश कुमार लंबे समय से अपने परिवार को राजनीति से दूर रखते आए हैं। ऐसे में उनके बेटे के राजनीति में प्रवेश को लेकर परिवारवाद के आरोप भी लग सकते हैं। हालांकि जदयू नेताओं का कहना है कि यह निर्णय नीतीश कुमार का व्यक्तिगत फैसला नहीं बल्कि पार्टी नेताओं, कार्यकताओं और जनता की मांग का परिणाम है। उल्लेखनीय है कि पिछले दो दिनों से निशांत कुमार लगातार पार्टी विधायकों से मुलाकात कर रहे थे। उन्होंने मुख्यमंत्री आवास पर जदयू के वरिष्ठ नेताओं और विधायकों से बातचीत की। इसके अलावा संजय झा के आवास पर भी कुछ युवा विधायकों के साथ बैठक की। पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा और प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा की देखरेख में निशांत कुमार की राजनीतिक प्रशिक्षण प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा भी तेज है कि आने वाले समय में उन्हें जदयू में बड़ी जिम्मेदारी दी जा सकती है और पार्टी में नए नेतृत्व की शुरूआत हो सकती है।

अपहरण की कहानी निकली झूठी, 1.28 करोड़ रुपये लेकर लापता सत्यप्रकाश साह यूपी से बरामद

भागलपुर। जिले के तिलकामांझी थाना क्षेत्र से 1 करोड़ 28 लाख 16 हजार रुपये की जमीन डील के बाद लापता हुए सत्यप्रकाश साह को पुलिस ने करीब छह महीने बाद उत्तर प्रदेश के वृंदावन से बरामद कर लिया है। इस पूरे मामले में अपहरण की जो कहानी सामने आई थी, वह अब झूठी साबित हुई है। बताया जा रहा है कि मुंदीचक निवासी डॉक्टर कुंदन साह ने 31 जुलाई 2025 को सत्यप्रकाश साह से केवाला के माध्यम से जमीन खरीदी थी। जमीन की कुल कीमत 1 करोड़ 28 लाख 16 हजार रुपये तय हुई थी, जिसकी पूरी राशि डॉक्टर कुंदन साह ने एक्सिस बैंक के चेक के जरिए सत्यप्रकाश साह को दे दी थी। जमीन की रजिस्ट्री की प्रक्रिया भी पूरी कर ली गई थी, लेकिन इसके बावजूद खरीदार को जमीन का कब्जा नहीं मिल पाया। इसी बीच अचानक सत्यप्रकाश साह लापता हो गए, जिसके बाद पूरे मामले ने नया मोड़ ले लिया। शुरूआत में इस घटना को अपहरण से जोड़कर देखा जा रहा था और इसे लेकर तरह-तरह की चचाएं भी हो रही थीं। मामले की गंभीरता को देखते हुए तिलकामांझी थाना पुलिस ने जांच शुरू की और सत्यप्रकाश साह की तलाश तेज कर दी पुलिस की टीम ने तकनीकी अनुसंधान और गुप्त सूचना के आधार पर सत्यप्रकाश साह का लोकेशन उत्तर प्रदेश के वृंदावन में ट्रेस किया। इसके बाद पुलिस टीम वहां पहुंची और उन्हें बरामद कर लिया। इस कार्रवाई में पुलिस टीम का नेतृत्व एसआई शशि भूषण कुमार कर रहे थे। बरामदगी के बाद सत्यप्रकाश साह को रविवार को भागलपुर लाया गया, जहां कोर्ट में उनका बयान दर्ज कराया गया। कोर्ट में दिए गए अपने बयान में सत्यप्रकाश साह ने कहा कि उनका किसी ने अपहरण नहीं किया था। उन्होंने बताया कि वे अपनी पत्नी से परेशान होकर घर छोड़कर वृंदावन के एक आश्रम में रहने चले गए थे। सत्यप्रकाश साह के इस बयान के बाद अपहरण की कहानी पूरी तरह से खारिज हो गई है। हालांकि अब पुलिस पूरे मामले की कानूनी पहलुओं से जांच कर रही है, खासकर जमीन सौदे और पैसे के लेन-देन को लेकर। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि जमीन का कब्जा क्यों नहीं दिया गया।

संगठन सृजन कार्यक्रम को मजबूत बनाने पर कांग्रेस ने की चर्चा

पटना। कांग्रेस पार्टी ने राज्य में चलाए जा रहे संगठन सृजन कार्यक्रम को लेकर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, सदाकत आश्रम में बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश राम की अध्यक्षता में रविवार को जिला पर्यवेक्षकों एवं बीपीसीसी कनेक्ट सदस्यों की बैठक हुई। बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने सभी जिला पर्यवेक्षकों से संगठन सृजन कार्यक्रम की प्रगति की विस्तृत जानकारी ली तथा निर्देश दिया कि संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने के लिए कार्यकताओं से निरंतर संवाद स्थापित किया जाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी का संगठन जितना मजबूत होगा, उतनी ही प्रभावी ढंग से आम जनता की समस्याओं को उठाया जा सकेगा। राजेश राम ने कहा कि संगठन सृजन कार्यक्रम का उद्देश्य पार्टी को जमीनी स्तर पर सशक्त बनाना और समर्पित कार्यकताओं को संगठन में उचित जिम्मेदारी देना है। उन्होंने सभी पर्यवेक्षकों से कहा कि वे निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ अपने-अपने जिलों में संगठन के कार्यों को आगे बढ़ाएं। बैठक में संगठन विस्तार, सदस्यता अभियान तथा आगामी कार्यक्रमों को लेकर भी विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही पर्यवेक्षकों को यह निर्देश दिया गया कि वे जिलों में सक्रिय कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय बनाकर संगठन को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में कार्य करें। बीपीसीसी कनेक्ट सदस्यों में मिन्नत रहमानी, राजीव मेहता, पंकज यादव, ई कमल कमलेश एवं विमलेश तिवारी मौजूद थे। बैठक में अनुशासन समिति के अध्यक्ष कपिलदेव प्रसाद यादव, पूर्व विधायक प्रतिमा कुमारी दास, मीडिया चेयरमैन राजेश राठौड़, मिन्नत रहमानी, पंकज यादव, राजीव मेहता, सौरभ सिन्हा, रीता सिंह, कमल कमलेश, कमलदेव नारायण शुक्ला सहित सभी जिला पर्यवेक्षक मौजूद थे।

बाल विवाह मुक्ति रथ से बाल विवाह के खात्मे के प्रयासों को रफ्तार दिया : कोसी लोक मंच

एजेंसी

सहरसा। भारत सरकार के केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की पहल पर चले 100 दिवसीय गहन जागरूकता अभियान के तहत जिले के गांवों व कस्बों में बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता अभियान चला रहे ह्यबाल विवाह मुक्ति रथह्न की यात्रा के समापन के अवसर पर एक कार्यक्रम में कोसी लोक मंच के सचिव ने कहा कि हमारे प्रयासों को मिली प्रतिक्रिया से हम आश्वस्त हैं कि बाल विवाह मुक्त सहरसा और बाल विवाह मुक्त भारत का लक्ष्य हासिल करते के

बेहद करीब हैं।

कोसी लोक मंच के सचिव ने कहा कि बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के साल भर पूरा होने के अवसर पर भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने चार दिसंबर, 2025 को देशव्यापी 100 दिवसीय गहन जागरूकता अभियान का एलान किया था। जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन के 250 सहयोगी सामाजिक संगठनों ने इस अभियान की मोर्चे से अगुआई करते हुए देश के 439 जिलों में बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता का संदेश देने के लिए बाल विवाह मुक्ति रथ निकाले। इस रथ ने जिले के तमाम गांवों और कस्बों में घूम-घूम कर लोगों को बाल विवाह के स्वास्थ्य, शिक्षा व आजीविका पर दुष्परिणामों से अवगत कराया और इसके कानूनी पहलुओं की जानकारी देते हुए समझाया कि बाल विवाह दंडनीय अपराध है। प्रमुख सड़कों और बेहतर पहुंच वाले मार्गों से ह्यबाल विवाह मुक्त रथ, को संचालित किया।जिले में बाल विवाह मुक्ति रथ को जिला सत्र न्यायाधीश एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर 24 जनवरी को सिविल कोर्ट,सहरसा के प्रांगण से रवाना किया गया।

संगठन सृजन कार्यक्रम को मजबूत बनाने पर कांग्रेस ने की चर्चा

एजेंसी

पटना। कांग्रेस पार्टी ने राज्य में चलाए जा रहे संगठन सृजन कार्यक्रम को लेकर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, सदाकत आश्रम में बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश राम की अध्यक्षता में रविवार को जिला पर्यवेक्षकों एवं बीपीसीसी कनेक्ट सदस्यों की बैठक हुई। बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने सभी जिला पर्यवेक्षकों से संगठन सृजन कार्यक्रम की प्रगति की विस्तृत जानकारी ली तथा निर्देश दिया कि संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने के लिए कार्यकताओं से निरंतर संवाद स्थापित किया जाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी का संगठन जितना मजबूत होगा, उतनी ही प्रभावी ढंग से आम जनता की समस्याओं को उठाया जा सकेगा। राजेश राम ने कहा कि संगठन सृजन कार्यक्रम का उद्देश्य पार्टी को जमीनी स्तर पर

सशक्त बनाना और समर्पित कार्यकताओं को संगठन में उचित जिम्मेदारी देना है। उन्होंने सभी पर्यवेक्षकों से कहा कि वे निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ अपने-अपने जिलों में संगठन के कार्यों को आगे बढ़ाएं। बैठक में संगठन विस्तार, सदस्यता अभियान तथा आगामी कार्यक्रमों को लेकर भी विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही पर्यवेक्षकों को यह निर्देश दिया गया कि वे जिलों में सक्रिय कार्यकताओं के साथ समन्वय बनाकर संगठन को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में कार्य करें। बीपीसीसी कनेक्ट सदस्यों में मिन्नत रहमानी, राजीव मेहता, पंकज यादव , ई कमल कमलेश एवं विमलेश तिवारी मौजूद थे। बैठक में अनुशासन समिति के अध्यक्ष कपिलदेव प्रसाद यादव, पूर्व विधायक प्रतिमा कुमारी दास, मीडिया चेयरमैन राजेश राठौड़, मिन्नत रहमानी, पंकज यादव, राजीव मेहता, सौरभ सिन्हा, रीता सिंह, कमल कमलेश, कमलदेव नारायण शुक्ला सहित सभी जिला पर्यवेक्षक मौजूद थे।

कर्मचारियों ने वेतन भुगतान को लेकर नगर आयुक्त को दिया आवेदन

एजेंसी

भागलपुर। भागलपुर स्मार्ट सिटी परियोजना से जुड़ी एक निजी कंपनी पर कर्मचारियों को धमकाने और उनके वेतन और पीएफ से जुड़ी गंभीर लापरवाही मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि जिस कंपनी के अधीन शहर के 51 वार्डों के 51 कर्मी काम करते हैं, वही कंपनी अब कर्मचारियों को धमकी दे रही है और शिकायत करने पर परिणाम भुगतने की चेतावनी दे रही है। मामला तब सामने आया जब कंपनी में कार्यरत एक कर्मी ने नगर आयुक्त को लिखित आवेदन देकर अपनी शिकायत दर्ज कराई। आवेदन में कर्मी ने बताया है कि वह लॉगीकुल टेक्नोलॉजी प्रवाइट लिमिटेड नामक कंपनी में एजेंट के रूप में कार्यरत है। इस कंपनी का कार्यालय भागलपुर के स्मार्ट सिटी बिल्डिंग में संचालित होता है। आरोप है कि कंपनी में काम करने वाले कर्मचारियों को समय पर वेतन नहीं दिया जा रहा है और

कई महीनों से उनका बकाया भुगतान लंबित है। कर्मी ने यह भी कहा है कि कंपनी द्वारा कर्मचारियों के भविष्य निधि की राशि भी जमा नहीं की जा रही है, जबकि वे नियमित रूप से काम कर रहे हैं और कंपनी के निदेशों का पालन कर रहे हैं।

कर्मचारियों का कहना है कि वेतन और पीएफ जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित रखना उनके साथ अन्याय है। सबसे गंभीर आरोप यह है कि जब कर्मचारी अपने बकाया वेतन और पीएफ की मांग करते हैं या इस संबंध में सवाल उठाते हैं, तो कंपनी के कुछ जिम्मेदार लोग उन्हें धमकाते हैं। कर्मचारियों का आरोप है कि उनसे कहा जाता है कि देख लेंगे, तुम कुछ भी नहीं कर पाओगे। इस तरह की भाषा का इस्तेमाल कर कर्मचारियों को डराने और चुप कराने की कोशिश की जा रही है। पूरे मामले को लेकर कर्मचारियों में काफी आक्रोश है। उनका कहना है कि अगर जल्द ही उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो वे आगे सामूहिक रूप से आंदोलन करने को मजबूर होंगे। वहीं कर्मचारियों ने प्रशासन से मांग की है कि कंपनी की कार्यप्रणाली की जांच कराई जाए और जिन कर्मचारियों का वेतन और पीएफ बकाया है, उसे जल्द से जल्द दिलाया जाए।